THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

कोर्ट से बरी हुए सपा नेता आजम खान

रामपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सांसद आजम खान को बड़ी राहत मिली है. उन्हें आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने राहत देते हुए बरी कर दिया है । आजम खान की पेशी वीसी के माध्यम से हुई थी क्योंकि वह इस समय सीतापुर जेल में बंद हैं। कोर्ट ने सारे सबूतों और गवाहों को मद्देनजर रखते हुए खान को बरी कर दिया। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव का है, जब आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए अपने वाहन को मतदान केंद्र पर ले जाकर अनुचित तरीके से दबाव बनाने की कोशिश की थी. इस आरोप के तहत उनके खिलाफ गंज कोतवाली में केस दर्ज किया गया था।

वर्ष-29 अंक : 158 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **भाद्रपद कृ.11 2081 गुरुवार, 29 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

बस, अब बहुत हुआ

कोलकाता की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे देश में गुस्सा और नाराजगी का माहौल है। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कोलकाता की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'वह घटना से निराश और भयभीत हैं।' अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए राष्ट्रपति ने महिला अपराधों पर रोक का आह्वान किया और कहा कि 'अब बहुत हो गया, अब समय आ गया है कि भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की 'विकृति' के प्रति जाग जाए और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को 'कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान' के रूप

में देखती है।'

एक लेख में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'इतिहास का सामना करने से डरने वाले समाज सामूहिक भूलने की बीमारी का सहारा लेते हैं; अब समय आ गया है कि भारत इतिहास का सामना करे। महिला अपराधों पर राष्ट्रपति ने कहा कि 'हमें इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटना चाहिए ताकि इसे शुरू में ही रोका जा सके। जो लोग इस तरह के विचार रखते हैं, वे महिलाओं को एक वस्तु के रूप में देखते है। अपनी बेटियों के प्रति यह हमारा दायित्व है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें।'

राष्ट्रपति ने कहा कि 'कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दे सकता। देश को इस पर गुस्सा जाहिर करना ही चाहिए और मैं भी इससे गुस्से में हूं।' राष्ट्रपति ने 'महिला सुरक्षा: बस बहुत हुआ' शीर्षक से लिखे लेख में पहली बार कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर अपने विचार रखे। इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल समेत देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। घटना को लेकर मंगलवार को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई और आज बंगाल बंद का आयोजन किया जा रहा है।

आप सांसद संजय सिंह ने किया सरेंडर, फिर कोर्ट ने दी बड़ी राहत

सुल्तानपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने साल 2001 के प्रदर्शन मामले में सुल्तानपुर की अदालत में सरेंडर किया। संजय सिंह को इस मामले में कोर्ट से जमानत मिल गई है। ये मामला 23 साल पहले तत्कालीन बसपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और रोड जाम से जुड़ा है। कोर्ट ने 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत के आदेश दिए हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को बिजली-पानी के लिए विरोध प्रदर्शन के 2001 के मामले में संजय सिंह की सजा पर रोक लगा दी थी. संजय सिंह ने हाई कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, जमानत के लिए 50 हजार रुपये का मुचलका भरा. संजय सिंह के एडवोकेट मदन सिंह ने बताया कि बुधवार को संजय सिंह ने एमपी-एमएलए कोर्ट में सरेंडर किया और अदालत ने 50,000 रुपये के मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी।

बंगाल जला तो यूपी-बिहार-असम भी जलेंगे

ममता बोलीं- आग दिल्ली तक पहुंचेगी, मोदी की कुर्सी गिरेगी; हिमंत बोले- हमें डराने की हिम्मत कैसे हुई?

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले में भाजपा के भारत बंद के दौरान हुई आगजनी पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को पीएम मोदी पर बंगाल में आग लगवाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि अगर बंगाल में आग लगी तो असम से लेकर दिल्ली तक जाएगी और पीएम की कुर्सी गिर जाएगी। इसके जवाब में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि आपकी असम को डराने की हिम्मत कैसे हुई?

वहीं, केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने ममता के बयान को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कहा कि ऐसा बयान किसी संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति नहीं दे सकता है। यह राष्ट्र-विरोधी की आवाज है।

ममता ने कोलकाता की एक रैली में कहा था कि कुछ लोगों को लगता है कि यह बांग्लादेश है। मुझे बांग्लादेश से प्यार है। वे हमारी तरह बात करते हैं और हमारी संस्कृति भी एक जैसी है। लेकिन, याद रखिए कि बांग्लादेश अलग देश है और भारत अलग देश है।

मोदी बाबू कोलकाता के रेप-मर्डर केस में अपनी पार्टी का इस्तेमाल करके बंगाल में आग लगवा रहे हैं। अगर आपने बंगाल को जलाया तो असम, नॉर्थ-ईस्ट, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। हम आपकी कुर्सी गिरा देंगे।

ममता के इस बयान को लेकर सरमा ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि दीदी, आपकी हिम्मत कैसे हुई असम को धमकाने की? हमें लाल आंखें मत दिखाइए। आपकी असफलता की राजनीति से भारत को जलाने की कोशिश भी मत कीजिए। आपको विभाजनकारी भाषा बोलना शोभा नहीं देता।

असम के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि ममता हमें न तो धमका सकतीं हैं, न डराने की कोशिश कर सकती हैं। वे अपने राज्य में कानून और व्यवस्था को नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं और हमें धमकी दे रही हैं। मैं आपको यह विश्वास दिला सकता हूं कि यह असम में नहीं चलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मैं ममता बनर्जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे बहुत वरिष्ठ नेता हैं और लंबे समय से मुख्यमंत्री हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि सार्वजनिक रूप से कैसे बोलना है। मैं उनके बयान की गंभीरता से निंदा करता हूं। मैं आपको आश्वासन दे सकता हूं कि जब तक असम में भाजपा सरकार है और हिमंत बिस्व सरमा मुख्यमंत्री हैं, तब तक ममता असम में कुछ नहीं कर सकती हैं।

सुकांत ने अमित शाह के नाम पत्र में लिखा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज कोलकाता में टीएमसी के छात्र विंग को संबोधित करते हुए भीड़ को उकसाने वाला बयान दिया है।

'रात में गश्त बढ़ाएं, प्रवेश पर नियंत्रण'

चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए राज्यों को केंद्र की सलाह

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद, केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि कार्यस्थल पर चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्यों से अस्पताल परिसरों में रात्रि गश्त और प्रमुख क्षेत्रों में लोगों की पहुंच पर नियंत्रण करने जैसे उपाय करने को कहा है।

आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई वारदात के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा और उनके साथियों के लिए न्याय के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की मांग को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने हिंसा की घटनाओं और कोलकाता की घटना के बाद ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने 20 और 22 अगस्त को आदेश दिए। 22 अगस्त के अपने आदेश में, न्यायालय ने अन्य बातों के साथ-साथ निर्देश दिया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ मिलकर काम करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य सरकारें/केंद्र शासित प्रदेश एनटीएफ की रिपोर्ट प्राप्त होने तक कुछ बुनियादी न्यूनतम आवश्यकताओं को लागू करें, ताकि कार्यस्थल पर डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके।

भाजपा नेता की कार पर फायरिंग, बम फेंके

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में छात्र संगठनों के प्रोटेस्ट मार्च के बाद भाजपा ने आज 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया है। बंद के दौरान कई जिलों में पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई है। कई नेताओं-वर्कर्स को हिरासत में लिया गया है। नॉर्थ 24 परगना जिले के भाटपारा में भाजपा नेता प्रियंगु पांडे की कार पर फायरिंग हुई। प्रियंगु ने बताया- टीएमसी के लगभग 50-60 लोगों ने हमला किया। गाड़ी पर 6-7 राउंड फायरिंग की और बम फेंके गए। ड्राइवर समेत दो लोगों को गोली लगी है। एक गंभीर है। नादिया और मंगलबाड़ी चौरंगी में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। टीएमसी समर्थकों ने भाजपाइयों पर लाठी-डंडे से हमला किया। बनगांव और बारासात दक्षिण में ट्रेनें रोकी गईं। भाजपा 27 अगस्त को कोलकाता में छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और उन्हें हिरासत में लेने का विरोध कर रही है। बंगाल बंद पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सीबीआई को रेप-मर्डर केस की जांच सौंपे 16 दिन बीत गए हैं। कहां है न्याय?

दीवार गिरने से 25 घायल

पटना , 28 अगस्त (एजेंसियां)। पटना के पुनपुन के श्रीपालपुर में बुधवार को दीवार गिरने से 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल भेजा गया।

एसडीओ अमित कुमार पटेल ने बताया कि 'नीरज कुमार के घर पर धार्मिक आयोजन किया गया था। यहां 100 से अधिक लोग शामिल हुए थे। अचानक दीवार गिर गई, जिसमें 30 लोग दब गए। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से सभी को बाहर निकाल कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

जहीराबाद, ओरवाकल, कोप्पर्थी समेत 12 स्मार्ट शहर बनेंगे

10 राज्यों में 28 हजार करोड़ की स्कीम मंजूर, 40 लाख नौकरियां मिलेंगी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश के 9 राज्यों में 12औद्योगिक स्मार्ट शहर तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा, 10 राज्यों में 6 कॉरिडोर बनेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने बुधवार, 28 अगस्त को इसकी मंजूरी दी।

12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर और 30 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रोजेक्ट की कुल लागत 28,602 करोड़ होगी। 1.52 लाख करोड़ की निवेश क्षमता होगा। ये औद्योगिक स्मार्ट सिटी नेशनल इंडस्ट्री डेवलपमेंट कॉरिडोर प्रोग्राम के तहत बनाए जा सकते हैं।

रेलवे के 3 इंफ्रा प्रोजेक्ट को भी मंजूरी

❊ जमशेदपुर पुरूलिया आसनसोल (थर्ड लाइन- 121 किमी)

- सुंदरगढ जिले के सरडेगा से रायगढ जिल के भालूमुडा तक के लिए 37 किमी लंबी नई डबल लाइन
- बरगढ रोड से नवापारा (ओडिशा) तक के लिए 138 किमी लंबी नई लाइन

234 शहरों में निजी एफएम रेडियो की मंजूरी

कैबिनेट ने देश के 234 शहरों या कस्बों में निजी एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दे दी। इन शहरों में अभी यह सेवा नहीं थी।

9 राज्यों में बनेंगे 12 इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी

- खुरपिया, उत्तराखंड
- राजपुरा और पटियाला, पंजाब
- दिघी, महाराष्ट्र
- पलक्कड़, केरल
- आगरा और प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- गया, बिहार
- जहीराबाद, तेलंगाना
- ओरवाकल और कोप्पर्थी, आंध्र प्रदेश
- जोधपुर-पाली, राजस्थान

मोहन भागवत को भी मिलेगी मोदी-शाह जैसी सुरक्षा

केंद्र ने संघ प्रमुख की सिक्योरिटी बढ़ाई

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा को और मजबूत कर दिया है। उन्हें अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसी सुरक्षा मिलेगी। दरअसल, गृह मत्रालय ने मोहन भागवत की सुरक्षा को जेड प्लस से बढ़ाकर एएसएल (एडवांस्ड सिक्योरिटी लिएजॉन) में बदल दिया है। बता दें कि आरएसएस प्रमुख को अभी तक जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि गृह मंत्रालय ने कई जगहों पर मोहन भागवत की सुरक्षा में ढिलाई देखी, जिसके बाद ही उन्होंने नए सुरक्षा प्रोटोकॉल पर काम करना शुरू किया और आरएसएस प्रमुख की सुरक्षा को और मजबूत करने का

फैसला लिया गया। ऐसा बताया जा रहा है कि कई भारत विरोध संगठन उन्हें निशाना बना रहे हैं। उनकी सुरक्षा बढ़ाने जाने को लेकर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इसकी जानकारी दी गई है। अब नई सुरक्षा श्रेणी के अनुसार, सीआईएसएफ की टीम उस स्थान पर पहले से ही मौजूद रहेंगी, जहां मोहन भागवत दौरा करेंगे।

2015 में दी गई थी जेड-प्लस सुरक्षा

मोहन भागवत को जून 2015 में जेड-प्लस की सुरक्षा दी गई थी। इससे पहले कांग्रेस सरकार ने भी उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा कवर देने का आदेश दिया था। हालांकि, उस समय केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने कर्मियों और वाहनों की कमी के कारण उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई थी। जेड-प्लस सुरक्षा में 36 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं जिसमें एनएसजी के भी 10 कमांडो होते हैं।

बता दें कि एएसएल श्रेणी की सुरक्षा में संबंधित जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य विभाग जैसी स्थानीय एजेंसियां शामिल होती हैं। जिस स्थान पर मोहन भागवत कार्यक्रम के लिए जाएगें, वहां पहले से ही एक टीम मौके का निरीक्षण करने जाएगी। उनके ग्रीन सिग्नल देने के बाद ही मोहन भागवत उस कार्यक्रम में शामिल होने जाएंगे।

महबूबा मुफ्ती चुनाव नहीं लड़ेंगी

पीडीपी की 17 कैंडिडेट की दूसरी लिस्ट जारी पहली लिस्ट में बेटी इल्तिजा मुफ्ती का नाम

जम्मू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने 17 सीटों पर प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इससे पहले 22 अगस्त को 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की गई थी। इसमें पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा का नाम भी था। दूसरी लिस्ट जारी होने के कुछ देर बाद महबूबा ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया। महबूबा इस साल हुए लोकसभा चुनाव में अनंतनाग से मैदान में थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर को पहले चरण की वोटिंग होगी। 27 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। चुनाव आयोग के मुताबिक, सात जिलों के 24 विधानसभा क्षेत्रों में 279 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

अनंतनाग जिले में कुल 72 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके बाद पुलवामा जिले में 55, डोडा जिले में 41, किश्तवाड़ में 32, शोपियां में 28, कुलगाम में 28, जबकि रामबन में 23 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है।

उद्धव बोले : मूर्ति हवा से कैसे गिरी शरद पवार बोले- ये गंभीर मामला

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पर महा विकास अघाड़ी की बुधवार को बैठक हुई। इसमें एनसीपी प्रमुख शरद पवार, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले भी शामिल हुए। बैठक के बाद तीनों पार्टियों के नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी समुद्र किनारे राजभवन में रहते थे, उनकी टोपी कभी नहीं उड़ी। शिवाजी महाराज की मूर्ति हवा से कैसे गिर गई। राज्य में भ्रष्टाचार से लिप्त सरकार चल रही है। स्मारक के काम में करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है। इसे फिर से बनाने के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार होगा। कामकाज में कीड़े लग गए हैं। मैं इन्हें 'शिवद्रोही कहूंगा। उद्धव ने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर हमने दो-तीन दिन पहले बंद का आवाहन किया था, लेकिन कोर्ट आदेश के कारण ये नहीं हो सका। अब 1 सितंबर को एमवीए का मुंबई के हुतात्मा चौक पर आंदोलन होगा।

शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। ये गंभीर मामला है इसमें राजनीति क्या है। वहीं, नाना पटोले ने कहा कि पीएम मोदी को शिवाजी महाराज की तरह टोपी पहनाई। शिवाजी महाराज की तुलना पीएम मोदी से कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जज के घर चोरी

नीट पेपर लीक केस में की थी सुनवाई, 4 दिन पहले हजारीबाग में हुई थी सबूतों से छेड़छाड़

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात चोरों ने सुप्रीम कोर्ट के जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह के घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। जज अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहते हैं।

पटना आवास पर घर की देखरेख के लिए एक गार्ड मो. मुस्तकीम है, जो चोरी के वक्त अपने घर चला गया था। अगली सुबह केयर टेकर जब जज के आवास पर पहुंचा तो चोरी की जानकारी मिली। पाटलिपुत्र कॉलोनी में मकान संख्या 133 में ये वारदात हुई है। यह उनका निजी आवास है। सूचना मिलते ही पाटलिपुत्र थाने की पुलिस के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी मौके पर पहुचे। पुलिस फिलहाल पाटलिपुत्र थाने में चोरी का मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह बड़े-बड़े केस की सुनवाई कर चुके हैं। इसमें एक मामला नीट पेपर लीक का भी है, जिसमें उन्होंने वैकेशन बेंच के साथ इस केस की सुनवाई की थी।

4 दिन पहले नीट पेपर लीक मामले में सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश हजारीबाग में हुई थी। सीबीआई ने जांच के दौरान कटकमदाग के जिस गेस्ट हाउस को सील किया था, वहां तीन दिनों से लोगों की आवाजाही के सबूत मिले थे। जानकारी मिलने के बाद दिल्ली और पटना से सीबीआई की टीम हजारीबाग पहुंची और जांच की।

ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े 2 करोड़ की डकैती

सुल्तानपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के सुल्तानपुर में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में डकैती डाली गई। बुधवार दोपहर 12 बजे 5 बदमाश शॉप में घुसे। अंदर पहुंचते ही हथियार निकालकर दुकान मालिक और कस्टमर पर तान दिए। बदमाशों के खौफ से शॉप मालिक बेहोश हो गए। इसी बीच बदमाश 2 बैग में शॉप की पूरी ज्वेलरी भरकर भाग गए। लूटी गई ज्वेलरी करीब 2 करोड़ की है, जबकि 5 लाख कैश भी ले गए। वारदात का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें 5 बदमाश लूटपाट करते नजर आ रहे हैं। सभी चेहरा कवर किए थे। 2 ने गमछे से मुंह ढका था, 3 हेलमेट पहने थे। मामला शहर कोतवाली इलाके का है।

कोतवाली से 500 मीटर की दूरी पर चौक क्षेत्र का मेजरगंज एरिया है। यह इलाका सोनार मंडी के नाम से जाना जाता है। बड़े और छोटे सर्राफा कारोबारी यहां पर व्यवसाय करते हैं। हर दिन आसपास के ग्रामीण इलाकों से व्यापारी भी यहां खरीद-फरोख्त करने आते हैं। इसी इलाके में भरतजी सर्राफ की दुकान है। यह शहर की प्रतिष्ठित और बड़ी ज्वेलरी शॉप है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे भरत सोनी अपने बेटे के साथ आए और शॉप खोली। इसी बीच 2 कस्टमर आ गए। बेटा उनको जेवर दिखाने लगा।

करीब 12 बजे शॉप में भरत सोनी, उनका बेटा और 2 कस्टमर बैठे हैं। तभी मुंह पर गमछा बांधे एक बदमाश अंदर आया। अंदर पहुंचते ही उसने भरत सोनी पर हथियार तान दिया। जब तक भरत सोनी कुछ समझ पाते, पीछे से दौड़ता हुआ एक और बदमाश आ गया। वह काले रंग का बैग लिए था।

गैंगस्टर-टेरर नेटवर्क पर एक्शन की तैयारी

दिल्ली में कई राज्यों की पुलिस की बैठक

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश में गैंगस्टर-टेरर नेटवर्क को तोड़ने के लिए तमाम सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस की दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में बड़ी बैठक हुई है। बैठक में एनआईए, स्पेशल सेल, राजस्थान पुलिस, पंजाब पुलिस, हरियाणा पुलिस के अधिकारी शामिल हुए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बुधवार को इटर स्टेट कॉर्डिनेशन मीटिंग की, जिसका मकसद देश में मौजूद ऑर्गनाइज्ड क्राइम और टेरर नेक्सस के खिलाफ ठोस कदम उठाना है।

दिल्ली में हुई इस बैठक में सभी राज्यों ने अपने यहां ऑर्गनाइज्ड क्राइम और टेरर नेक्सस के खिलाफ आने वाली चुनौतियों को लेकर चर्चा की। कौन-कौन से राज्य व केंद्र शासित प्रदेश मे किस तरह ऑर्गनाइज्ड क्राइम काम कर रहा है, इसको लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

हरियाणा पुलिस की तरफ से

बताया गया कि उनके यहां किस तरह कौन-कौन से नए नए गैंग उभर रहे है और हाल में हुई टारगेट किलिंग और गिरफ्तारी को लेकर जानकारी साझा की गई। दिल्ली पुलिस की तरफ से हाल में आ रही सबसे बड़ी चुनौती एक्सटॉर्शन कॉल्स को लेकर डिटेल्स साझा की गई जिसमें खास एक्सटॉर्शन कॉल्स को लेकर एरिया वाइज मैपिंग और एक्सटॉर्शन कॉल के नेटवर्क की जानकारी पड़ोसी राज्यों और एनआईए के साथ साझा की गई।

राजस्थान पुलिस ने विदेशों में रह रहे गैंगस्टर्स और उनके एसोसिएट्स को लेकर जानकारी दी। साथ ही इंटरपोल ने जिन गैंगस्टर्स के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस और ब्लू कार्नर नोटिस जारी किया है,उसकी जानकारी साझा की।

वहीं, पंजाब पुलिस की तरफ से सीमा पार से आ रही ड्रग्स, उनको सप्लाई करने वाले सप्लायर और किस नेटवर्क से स्मगलिंग हो रही है उसको लेकर जानकारी दी गई।

इसके साथ ही सबसे अहम देश के खिलाफ साजिश कर रहे पाकिस्तानी आतंकी और प्रो खालिस्तानी टेरर ग्रुप्स को लेकर जानकारियां साझा की गई। एनआईए की तरफ से बताया गया कि किस तरह ऑर्गनाइज्ड क्राइम, टेरर सिंडिकेट के खिलाफ सहयोग के साथ काम करने की जरूरत है।

गुजरात में दरिंदगी: दोस्त की 3 साल की बेटी से किया बलात्कार

वलसाड, 28 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के वलसाड के उमरगाम इलाके में तीन साल की एक बच्ची के साथ उसके पिता के करीबी दोस्त ने कथित तौर पर बलात्कार किया। कथित तौर पर आरोपी ने अपराध किया और फिर भाग गया, जिससे स्थानीय समुदाय में आक्रोश फैल गया। यौन उत्पीड़न की खबर फैलते ही स्थानीय निवासियों ने तत्काल कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए उमरगाम पुलिस स्टेशन को घेर लिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है और आज दोपहर तक उसे शहर वापस लाया जाएगा। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने त्वरित न्याय की मांग की और आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग की। बढ़ती अशांति के जवाब में, अधिकारियों ने उमरगाम में बंद की घोषणा की।

देश का मानसून ट्रैकर: गुजरात के 13 जिलों में 200 एमएम से ज्यादा बारिश

18 जिलों में बाढ़; 15 की जान गई, सेना तैनात

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के 13 जिलों में पिछले 24 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। 18 जिलों में बाढ़ के हालात हैं, 5 जिलों राजकोट, आणंद, मोरबी, खेड़ा, वडोदरा और द्वारका में सेना को तैनात किया गया है। गुजरात में बाढ़-बारिश के चलते पिछले 3 दिनों में 15 लोगों की मौत हो गई। 23 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 50 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। अहमदाबाद, राजकोट, बोटाद, आणंद, खेड़ा, महिसागर, कराच और मोरबी में प्राइमरी-सेकेंडरी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी है। बुधवार और गुरुवार को सौराष्ट्र और कच्छ में बेहद भारी बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में भी लखनऊ-आगरा समेत 10 जिलों में बारिश हो रही है। वाराणसी में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां डूब गईं। पिछले 24 घंटे में 40 जिलों में 4.17एमएम बारिश हुई है। बलिया में सरयू नदी खतरे के निशान से 1 मीटर ऊपर बह रही है।

गुजरात में 100% से ज्यादा बारिश 2 दिन रेड अलर्ट

सरकार के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। कच्छ, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में सालाना औसत बारिश का आंकड़ा 100 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है। राज्य के 76 बांध और तालाब 100% भरे हुए हैं। आईएमडी ने बताया है कि सौराष्ट्र-कच्छ में 2 दिन तक बारिश का रेड अलर्ट है। इसके अलावा अन्य जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा। 40-60 किमी/घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। कई जिलों में बिजली गिरने का भी अलर्ट है। गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल ने बताया कि बाढ़ को लेकर पीएम मोदी से फोन पर बात हुई है। उन्होंने बाढ़ से निपटने के लिए केंद्र से मदद मिलने का आश्वासन दिया है। उन्होंने राज्य में चल रहे राहत और बचाव कार्य की जानकारी भी ली।

14 राज्यों में अलर्ट; जम्मू में बादल फटा, 5 लापता

गुजरात के अलावा देश बाकी हिस्सों में भी बारिश का दौर जारी है। आज 18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से 126 सड़कें बंद हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर के रामबन में सोमवार को बादल फटने के बाद लापता 5 लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान जारी है।

नेपाल में बारिश से बिहार में नदियां उफान पर

नेपाल और पहाड़ी इलाके में हो रही बारिश की वजह से बिहार में नदियां उफान पर हैं। भागलपुर, मुंगेर और वैशाली में गंगा का जलस्तर बढ़ा है। इन जिलों के निचले इलाके में पानी घुस गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 23 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पटना में गंगा का जल स्तर बढ़ा, 76 स्कूल बंद

गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण पटना में 31 अगस्त तक 76 सरकारी स्कूलों को बंद रखने का ऐलान किया गया है। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर सिंह ने कहा- गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण निचले इलाकों के 8 ब्लॉक में पानी भर गया है। इसलिए इन्हीं 8 ब्लॉक के स्कूलों को बंद रखा गया है।

29 अगस्त को गुजरात के 2 क्षेत्रों में 20 सेमी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ में भारी से अतिभारी (20 सेमी से ज्यादा) बारिश हो सकती है। ओडिशा, केरल, तटीय और आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (12 सेमी) हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, अंडमान-निकोबार, गुजरात, तटीय आंध्र प्रदेश में 7 सेमी बारिश की संभावना है।

महज 1 लाख रुपये के लिए बेचा अपना बच्चा पेरेंट्स सहित 6 लोग पुलिस की गिरफ्त में

ठाणे, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अपने ही 5 दिन के मासूम बच्चे को बेचने के आरोप में महाराष्ट्र पुलिस ने एक पैरेंट्स को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस 6 लोगों को शिकंजे में लिया है। नागपुर पुलिस ने बताया 1 लाख रुपये में एक संतानहीन दंपति को बच्चा बेचा गया था। ऐंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग स्क्वॉयड के ऑपरेशन के दौरान यह मामले का संज्ञान किया गया है। पुलिस का कहना है कि बच्चे को बेचने के मामले में पैरेंट्स, खरीदने वाले कपल के अलावा दो अन्य लोग भी शामिल थे जिन्हें पकड़ा लिया है। ये दोनों लोग इस डील में दलाल की भूमिका निभा रहे थे। इस मामले की जांच में सामने आया है कि दंपति ने एक ऐसे कपल को 1 लाख में रुपये में बच्चा बेच दिया, जिनकी कोई संतान नहीं थी।

भाजपा-कांग्रेस, नेकां और पीडीपी... सबके पास करोड़पति; इनके पास सबसे ज्यादा पढ़े लिखे प्रत्याशी

जम्मू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। डोडा, रामबन और बनिहाल सीट से उतरे पीडीपी, कांग्रेस के उम्मीदवार करोड़पति हैं। नेकां के उम्मीदवार लखपति तो आप के संपत्ति और पैसे में सबसे निचले पायदान पर हैं। केस के मामले में आप के उम्मीदवार छह केसों के साथ सबसे ऊपर हैं। पीडीपी के एक उम्मीदवार पर पर्चा दर्ज है। डोडा विधानसभा क्षेत्र से नेकां की टिकट पर अहमद मनन बांडेय ने अपने नामांकन में बताया कि वह 12वीं पास हैं। उन्होंने 20 हजार रुपये नकदी और पत्नी के पास 10,000 रुपये, चल संपत्ति में 41,152 रुपये और पत्नी के पास 7,24,679 रुपये, मौजूदा समय में 75 लाख रुपये की कीमत की 16.75 मरला कृषि भूमि के साथ कुल 85 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। कांग्रेस की टिकट से रामबन सीट के लिए नामांकन भरने वाले रियाज अहम 10वीं पास हैं। उनके पास

1,75,53,950 रुपये की अचल संपत्ति है। पत्नी के नाम पर 26 लाख 90 हजार की संपत्ति है। डोडा से डीपीएपी से चुनाव मैदान में उतरे अब्दुल मजीद वानी दो वार विधायक रह चुके हैं। वह एक करोड़ रुपये से ज्यादा की चल संपति के मालिक हैं। पत्नी के पास 20 लाख 40 हजार रुपये की संपत्ति है। 66.14 कनाल कृषि भूमि है। 3.50 करोड़ रुपये कीमत की 4.1 कनाल गैर कृषि भूमि है। कुल मिलाकर वानी 7.40 करोड़ रुपये की अचल संपति के मालिक हैं। सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली की खिलाफत करने को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहे महराज दीन ने आम आदमी पार्टी से नामांकन भरा है। चल संपत्ति के रूप में बैंक खाते में 29,070 रुपये हैं। उनके उनके खिलाफ छह मामले दर्ज हैं। इनमें सरकारी कार्यालय में ताला जड़ना, सरकारी दफ्तरों में प्रदर्शन जैसे मामले शामिल हैं। महराज दीन 2012 में जम्मू विश्वविद्यालय से एमए पास हैं। बनिहाल से पीडीपी की टिकट पर नामांकन पत्र दाखिल करने वाले इम्तियाज अहमद शान करोड़ों की संपति के मालिक है। उन पर गूल पुलिस थाने में 2008 में महिला से मारपीट, दंगे, धमकी देने के आरोप में एफआईआर नं. 89 दर्ज है। आयोग को जमा कराए संपत्ति दस्तोवज में शान ने अपनी कुल संपत्ति 7 करोड़ 76 लाख 15 हजार 22 रुपये बताई है।

अरुणाचल प्रदेश में ट्रक खाई में गिरने से बड़ा हादसा, 3 जवान शहीद; चार घायल

इटानगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के सुबनसिरी जिले में एक ट्रक गहरी खाई में गिर गया, जिसमें तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। इटानगर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में तीनों जवानों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। शहीद जवान सेना की पूर्वी कमान के कर्मी थे। वहीं, पूर्वी कमान ने अपने कर्मियों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। शहीदों की पहचान हवलदार नखत सिंह, नायक मुकेश कुमार और ग्रेनेडियर आशीष के रूप में हुई है। सेना के पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि बहादुर हवलदार नखत सिंह, एनके मुकेश कुमार और जीडीआर आशीष के दुखद निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अरुणाचल प्रदेश में कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान दिया।

जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट से हिली मलयालम फिल्म इंडस्ट्री

खुशबू सुंदर ने यौन शोषण पर किया लंबा ट्वीट

चेन्नई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री से भाजपा की नेता बनीं खुशबू सुंदर ने बुधवार को कहा कि मलयालम सिनेमा में महिला के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को रोकने के लिए जस्टिस हेमा समिति की बहुत जरूरत है। साथ ही उन्होंने महिलाओं से समझौता न करने और पुरुषों द्वारा यौन उत्पीड़न के पीड़ितों के लिए आवाज उठाने की अपील की। दरअसल, जस्टिस हेमा समिति की मलयालम फिल्म इंडस्ट्री पर आई रिपोर्ट से पूरी इंडस्ट्री में भूचाल आ गया है। खुशबू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारी इंडस्ट्री में चल रहा मी टू मूवमेंट आपको तोड़ देता है। भाजपा नेता ने कहा, उन महिलाओं को बधाई जिन्होंने अपनी जमीन पर डटे रहकर जीत हासिल की। दुर्व्यवहार को रोकने के लिए हेमा समिति की बहुत जरूरत थी, लेकिन क्या यह ऐसा कर पाएगी? दरअसल, जस्टिस हेमा समिति का गठन केरल सरकार ने 2017 में किया था। इसकी रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा किया गया था। समिति में महिलाओं के शोषण और दुर्व्यवहार का खुलासा किया है, जिसके कारण कई महिला अभिनेत्रियों ने अपने पुरुष समकक्षों और फिल्म इंडस्ट्री में अन्य पुरुषों के हाथों उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं।

हर क्षेत्र में होता है महिलाओं का शोषण

खुशबू सुंदर ने कहा, दुर्व्यवहार, यौन संबंधों के लिए अनुरोध करना और महिलाओं से यह अपेक्षा करना कि वे अपने पैर जमाने या अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए समझौता करें, हर क्षेत्र में मौजूद है। एक महिला से अकेले ही इस तरह की परेशानियों से गुजरने की उम्मीद क्यों की जाती है? हालांकि पुरुषों को भी इसका सामना करना पड़ता है, लेकिन इसका खामियाजा महिलाओं को ही भुगतना पड़ता है।

महिलाओं को तोड़कर रख देते हैं सवाल

भाजपा नेता ने आगे कहा कि शर्मिंदा होने का डर, पीड़ित को दोषी ठहराना और 'तुमने ऐसा क्यों किया' या 'तुमने वैसा क्यों किया' जैसे सवाल महिलाओं को तोड़कर रख देते हैं।

जेसीबी से खुदाई की तो मिला जहरीली शराब का बड़ा भंडार देखकर चौंक गई पुलिस, 35 ड्रम और एक कंटेनर जब्त

शिवपुरी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मप्र के शिवपुरी के करौरा थाना अंतर्गत फोरलेन हाइवे पर अस्पताल के पास स्थित कंजरों के डेरे पर पुलिस ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए बड़ी मात्रा में जहरीली शराब (ओवर प्रूफ स्प्रिट) बरामद की है। अवैध तरीके से शराब बनाने में ओपी का उपयोग किया जाता है। जहरीली शराब को जमीन के अंदर ड्रम में छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने जब जेसीबी से खुदाई की तो ये ड्रम बरामद किए गए। पुलिस एक्शन से पहले ही कंजरों का पूरा डेरा खाली हो गया था। पुलिस वहां कोई भी आरोपी नहीं मिला। बताया जाता है कि कंजरों ने ड्रम को स्थाई रूप से जमीन में गाड़ रखा था। इन ड्रमों में पाइप लाइन से कनेक्शन किया हुआ था, जिसके माध्यम से जहरीली शराब का टैंकर आने पर ड्रमों में शराब भरी जाती थी और पाइप लाइन के माध्यम से ही शराब ड्रमों से निकाली जाती थी।

'मैं सीजेआई चंद्रचूड़ बोल रहा हूं

500 रुपये भेजो', अब चीफ जस्टिस के नाम पर ठगी की कोशिश; एससी ने खुद लिया एक्शन

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सीजेआई के नाम पर घोटाला साइबर ठगी की खबरें आजकल आम होती जा रही है। लेकिन दिल्ली में एक मामला ऐसा आया है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। राजधानी में देश के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के नाम पर ठगी हुई है। साइबर ठगों के हौंसले इतने बढ़ गए हैं कि अब सीजेआई के नाम पर 500 रुपये मांगे गए हैं। लोगों को मैसेज और कॉल करके ठगी करने के मामलों के बाद, अब एक पोस्ट के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ होने का दावा करते हुए एक शख्स ने 500 रुपये की ठगी करने की कोशिश की है। नमस्ते, मैं सीजेआई हूं और कॉलेजियम की जरूरी बैठक है और मैं कनॉट प्लेस में फंस गया हूं, क्या आप कैब के लिए 500 रुपये भेज सकते हैं।

मैसेज में ये भी लिखा है कि मैं कोर्ट पहुंचने पर पैसे लौटा दूंगा। सुप्रीम कोर्ट ने अब वायरल पोस्ट पर संज्ञान लिया है और मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की है। वायरल पोस्ट सामने आते ही सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है और मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की है। हाल ही में साइबर धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने अपराधियों द्वारा कई डिजिटल तरीकों का शिकार होकर लाखों रुपये गंवाए हैं। हाल ही में आरबीआई ने 'डिजिटल पेमेंट्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म' स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें भुगतान धोखाधड़ी के जोखिमों को कम करने के लिए उन्नत तकनीकें होंगी।

रिजर्व बैंक द्वारा 30 मई को जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, बैंकों द्वारा रिपोर्ट की गई वित्तीय धोखाधड़ी की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में साल दर साल 166 प्रतिशत बढ़कर 36,075 मामलों तक पहुंच गई है।

सीएम हिमंत सरमा पर भड़के कपिल सिब्बल

मुसलमानों को लेकर दिए बयान पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर जमकर निशाना साधा है। सिब्बल ने हिमंत की मुसलमानों पर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताई है। दरअसल, हिमंता ने कहा था कि 'मिया मुसलमानों को राज्य पर कब्जा नहीं करने देंगे'।

अब सिब्बल ने हिमंत की इस टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि ये 'शुद्ध सांप्रदायिक जहर' है और इस तरह के बयान का जवाब चुप रहकर नहीं दिया जा सकता है। दरअसल, हिमंत सरमा ने मंगलवार को कहा कि वह 'मिया मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने देंगे। सरमा विधानसभा में नागांव में 14 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के मद्देनजर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने के लिए विपक्षी दलों द्वारा पेश किए गए स्थगन प्रस्तावों की स्वीकार्यता पर बोल रहे थे टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने एक्स पर कहा, हिमंत का मिया मुसलमानों वाला बयान शुद्ध सांप्रदायिक जहर है और ये कार्रवाई योग्य है। चुप रहना कोई जवाब नहीं है।

बता दें कि 'मिया' शब्द का इस्तेमाल शुरू में बंगाली बोलने वाले मुसलमानों के लिए एक अपमानजनक शब्द के रूप में किया जाता था और गैर-बंगाली भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी के रूप में पहचानते हैं। हाल के वर्षों में समुदाय के कार्यकर्ताओं ने इस शब्द को अवज्ञा के संकेत के रूप में अपनाना शुरू कर दिया है।

'बीजेपी ने शुरू किया है, इसे खत्म हम करेंगे

बंगाल में बवाल पर बोले ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में छात्रों का नबन्ना प्रोटेस्ट चल रहा है। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने आज यानी बुधवार के लिए बंगाल बंद बुलाया, जिसके बाद बंगाल के अलग-अलग इलाकों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। अब टीएमसी नेता और सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि टीएम दिल्ली में एक और विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। उन्होंने बीजेपी की ओर मुखातिब होते हुए कहा, 'आपने शुरू किया और हम इसे खत्म करेंगे।' अभिषेक बनर्जी ने कहा, 'अगर 3-4 महीने के अंदर केंद्र सरकार एंटी-रेप कानून कानून नहीं बनाती है, तो टीएमसी दिल्ली तक विरोध प्रदर्शन करेगी।'

अभिषेक ने कहा कि ये लोग संदेशखाली के मामले पर भी राजनीति कर रहे थे। महिला का नाम लेकर राजनीति कर रहे थे। उन्नाव और हाथरस पर बीजेपी चुप रही। बंगाल को बीजेपी से सीखने की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान हर जगह महिलाओं के खिलाफ इतने अपराध होते हैं, क्या बीजेपी को कुछ नहीं दिखता?

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, कोलकाता सबसे सुरक्षित शहर रहा है। एनसीआरबी के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध उत्तर प्रदेश में हुए हैं, उसके बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र का स्थान है। जो लोग ममता बनर्जी का इस्तीफा मांग रहे हैं, उन्हें सबसे पहले उन सभी मुख्यमंत्रियों का इस्तीफा मांगना चाहिए, जो डबल इंजन वाली सरकार चला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस पर कोलकाता में हमला किया गया, प्रदर्शनकारियों के रूप में सड़क पर कोई भी भद्र लोग नहीं थे। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में बंगाल में बवाल जारी है। ममता बनर्जी सरकार के विरोध में छात्रों के नबन्ना अभियान प्रोटेस्ट पर पुलिस के बलप्रयोग के विरोध में आज बीजेपी का 12 घंटे का बंगाल बंद है। इस दौरान बीजेपी के एक स्थानीय नेता पर हमला किया गया।

लड़की को लड़के ने मारी आंख, कोर्ट बोला इसके लिए तो उम्र कैद की सजा भी कम

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक अनोखा मामला देखने को मिला। यहां एक युवक ने एक लड़की को आंख मार दिया था। इस अपराध के लिए कोर्ट ने ऐसी सजा सुनाई कि यह मामला नजीर बन गया। हालांकि बाद में कोर्ट ने युवक की कम उम्र को देखते हुए सजा माफ भी कर दी। कहा कि इस अपराध के लिए तो उम्र कैद की सजा भी कम है। कोर्ट में यह मामला मर्यादा भंग के आरोप में आया था। इस तरह के मामलों में अधिकतम 5 वर्ष तक सजा का प्रावधान है। जानकारी के मुताबिक एक युवती ने पुलिस में शिकायत दी थी कि आरोपी युवक ने उसे आंख मारी थी। इससे उसकी मर्यादा भंग हुई है। पुलिस ने भी संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी। कोर्ट में दोनों पक्षों को बुलाया गया और बहस के दौरान पीड़ित युवती द्वारा लगाए गए आरोप प्रमाणित भी हो गए। इसके बाद कोर्ट ने इसे जघन्य केस बताते हुए कहा कि इस अपराध के लिए तो उम्र कैद की सजा भी कम है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पीड़िता को मानसिक पीड़ा हुई है और इसे कोर्ट नजरअंदाज नहीं कर सकती।

मामले में दोषी पाए जाने के बावजूद कोर्ट ने आरोपी युवक की उम्र का लिहाज करते हुए उसे रिहा कर दिया। साथ ही युवक को चेतावनी दी कि वह दोबारा इस तरह की कोई हरकत ना करे। बता दें कि भारतीय कानून में मर्यादा भंग के मामले में अधिकतम पांच वर्ष के कठोर कारावास का प्रावधान है।चूंकि आरोपी की छवि अब तक साफ रही है और उसके खिलाफ कोई हिस्ट्रीशीट भी नहीं है। ऐसे में उसे इस मामले में सजा देने से भविष्य में उसकी छवि पर असर पड़ सकता है।

राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा समेत 10 कांग्रेसियों के खिलाफ केस

छेड़छाड़ मामले में आया नया मोड़

चंबा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चुराह के विधायक हंसराज पर केस दर्ज करवाने वाली युवती ने महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा समेत 10 कांग्रेसियों के खिलाफ तीसा थाना में शिकायत दर्ज करवाई है। युवती ने पिता के साथ तीसा थाना में पहुंच कर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत 10 कांग्रेसियों के खिलाफ शिकायत दी है। युवती ने शिकायत में आरोप लगाया है कि नरेंद्र कुमार, यशवंत खन्ना, दिलदार अली, शरीफ मोहम्मद, याकूब, जमात अली, लेखराज, वीर सिंह और कांग्रेस की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अलका लांबा की ओर से उसे बदनाम किया जा रहा है। युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने भ्रामक जानकारी फैलाई है। युवती ने शिकायत में आरोप लगाया है कि इन लोगों ने मेरे नाम, मेरे धर्म और मेरे परिवार के नाम का दुरुपयोग किया है। उनकी इस प्रकार की हरकतों से मेरी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान हो रहा है और मैं मानसिक पीड़ा का सामना कर रही हूं। दरअसल, युवती ने चुराह के विधायक के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करवाई थी जो गलतफहमी पर आधारित थी। अब युवती का कहना है कि उस मामले पर स्थिति स्पष्ट करते हुए उसने पुलिस और न्यायाधीश को अपना बयान भी दे दिया है लेकिन, अब ये लोग मेरे नाम और उस मामले को गलत तरीके से उपयोग कर रहे हैं। अपने राजनीतिक हित साधने के लिए इस मुद्दे को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं।

चंबा के एसपी अभिषेक यादव ने बताया कि युवती ने अपने पिता के साथ थाने में पहुंच कर शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि इससे पहले युवती ने चुराह के विधायक हंसराज पर गंभीर आरोप लगाए थे। युवती ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद छेड़छाड़ के इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। वहीं बाद में इस पूरे मामले से युवती मुकर गई थी और वीडियो के जरिए सफाई दी थी।

ओडिशा में एयरपोर्ट से 87 किलो सोना व 100 किलो चांदी जब्त, कंटेनरों में भरे थे करोड़ों के आभूषण

भुवनेश्वर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां कॉमर्शियल टैक्स एंड गुड्स सर्विस टैक्स डिपार्टमेंट (सीटी और जीएसटी) ने बड़ी मात्रा में सोना व चांदी जब्त किया है। अथॉरिटी ने यह सोने व चांदी 2 कंटेनर से जब्त किए हैं। सोने व चांदी की तदाद इतनी ज्यादा थी कि देखकर अफसर भी हैरान रह गए। सोने व चांदी को जब्त कर अथॉरिटी मामले की जांच में जुट गई है। अधिकारियों ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट (बीपीआईए) के पास से भारी मात्रा में सोना और चांदी जब्त किया। यहां कॉमर्शियल टैक्स के संयुक्त आयुक्त अजय कुमार सेठी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोने के पैकेट का कुल वजन 87 किलोग्राम था, लेकिन शुद्ध वजन कम हो सकता है। वहीं, चांदी 100 किलो से ज्यादा मापी गई। इसकी कीमत बाजार में 30 करोड़ के आसपास आंकी जा रही है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सेठी ने बताया, हमने सोमवार को दो कंटेनर जब्त किए हैं। एक कंटेनर में चांदी के आभूषण थे, जबकि दूसरे कंटेनर में चांदी के आभूषणों के साथ सोना भी भरा हुआ था। उन्होंने आगे बताया कि यह माल अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली से दो प्राइवेट एयरलाइनों के माध्यम से हासिल किया गया है। ये सामान भुवनेश्वर और उसके आसपास के कई व्यापारियों के लिए है। सेठी ने आगे बताया कि ये कंसाइनमेंट इंडिगो और विस्तारा की फ्लाइट्स से भुवनेश्वर लाई गई। इन सोने चांदी के आभूषणों को डिब्बों में रखा गया था। यदि कोई सामान बिना उचित बिल के पाया जाता है तो जीएसटी अधिनियम और नियमों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। वहीं, लोकल मीडिया के मुताबिक, सीटी और जीएसटी डिप्टी कमिश्नर मानस स्वैन ने बताया कि सोने और चांदी, जो कि ज्यादातर आभूषणों के रूप में थे, को कम से कम 12 आभूषण स्टोर में ले जाया जा रहा था। हालांकि, कीमती धातुओं के मालिक टैक्स चालान सहित जरूरी डाक्यूमेंट पेश नहीं कर सके। इसलिए, हमारे अधिकारियों ने सोने और चांदी को जब्त कर लिया। मालिक को संबंधित अधिकारियों के समक्ष पेश होने और सभी डाक्यूमेंट पेश करने के लिए कहा गया है। यदि वह निर्धारित समय अवधि में ऐसा करने में विफल रहता है, तो जब्त सोने-चांदी को सरकारी खजाने में भेज दिया जाएगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: मन एक भीरु शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है।

'कानूनी लड़ाई जारी रखूंगी'

कोर्ट से जमानत मिलने के बाद कविता बोलीं

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में जेल से बाहर आने के एक दिन बाद हैदराबाद जाने से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि न्याय होगा और वह अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेंगी। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद मंगलवार की शाम को तिहाड जेल से रिहा कर दिया गया।

जेल से रिहा होने के दूसरे दिन ही के. कविता ने कहा, मेरा मानना है कि न्याय होगा। हम लड़ेंगें। हम अपना संकल्प नहीं खोएंगे। बता दें कि के. कविता पांच महीने से भी ज्यादा समय तक न्यायिक हिरासत में थी। उन्होंने आगे कहा, मैं इस लड़ाई को आगे बढ़ाऊंगी।

जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में अपने बेटे और भाई केटीआर के साथ मिठाइयां बांटीं। जमानत के लिए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की तरह के. कविता को भी दस-दस लाख रुपये का मुचलका भरना पड़ा और उन्हें अपना पासपोर्ट भी जमा करना पड़ा। के. कविता को जमानत देते हुए अदालत ने कहा कि मामले से संबंधित साक्ष्य जुटा लिए गए हैं, लेकिन अब इस मामले की सुनवाई में लंबा समय लग सकता है, लिहाजा आरोपी को तब तक के लिए जेल में नहीं रखा जा सकता।

क्या है दिल्ली शराब नीति घोटाला

17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार ने राज्य में नई शराब नीति लागू की। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए और हर जोन में ज्यादा से ज्यादा 27 दुकानें खुलनी थीं। इस तरह से कुल मिलाकर 849 दुकानें खुलनी थीं। नई शराब नीति में दिल्ली की सभी शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। इसके पहले दिल्ली में शराब की 60 प्रतिशत दुकानें सरकारी और 40 प्रतिशत प्राइवेट थीं। नई नीति लागू होने के बाद 100 प्रतिशत प्राइवेट हो गईं। सरकार ने तर्क दिया था कि इससे 3,500 करोड़ रुपये का फायदा होगा।

इस शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितता की शिकायतें आईं जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई। हालांकि, नई शराब नीति को बाद में इसे बनाने और इसके कार्यान्वयन में अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द कर दिया गया था।

शांतिपूर्ण माहौल बनाएं रखने में शांति समितियों का सहयोग जरूरी : श्रीनिवास रेड्डी

सीपी ने केंद्रीय शांति और कल्याण समिति के साथ बैठक की

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद के. श्रीनिवास रेड्डी शहर ने आगामी गणेश उत्सव और मिलाद-उन-नबी समारोह के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए टीजीसी एंड सीसी, बंजारा हिल्स में हैदराबाद शहर के सभी क्षेत्रों से केंद्रीय शांति और कल्याण समिति के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी, एल एंड ओ, हैदराबाद सह अध्यक्ष केंद्रीय शांति और कल्याण समिति, पी. विश्व प्रसाद, एडिशनल सीपी, ट्रैफिक, हैदराबाद शहर, एस. चैतन्य कुमार, डीसीपी, एसबी, हैदराबाद शहर सह उपाध्यक्ष, केंद्रीय शांति और कल्याण समिति, सुश्री स्नेहा मेहरा, डीसीपी दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद, शहर सह समन्वयक, केंद्रीय शांति एवं कल्याण समिति, डीसीएसपी, अतिरिक्त डीसीएसपी (एलएंडओ), यातायात और मंडल एसीएसपी (एलएंडओ), हैदराबाद शहर, श्रीकिशन शर्मा, सभी जोन महासचिव, केंद्रीय शांति एवं कल्याण समिति और हाफिज मुजफ्फर हुसैन, संरक्षक और अन्य पदाधिकारी, शांति समिति के लगभग 350 सदस्य और 70 पुलिस अधिकारी शामिल हुए।इस बैठक के दौरान सीपी, हैदराबाद शहर ने शहर के शांतिपूर्ण माहौल को बनाए रखने और शहर की प्रतिष्ठा को बनाए रखने त्योहारों/कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने में अपने अथक काम को जारी रखने के लिए शांति समिति के सदस्यों से सहयोग मांगा। शांति और कल्याण समिति ने न केवल आगामी त्योहारों के शांतिपूर्ण समापन के लिए, बल्कि समाज में अन्य असामाजिक गतिविधियों और बुराइयों को नियंत्रित करने के लिए भी पूरा समर्थन और काम करने की इच्छा का आश्वासन दिया।

भूमि अतिक्रमण में शामिल किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा: सीएम

लोगों के हित में अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दोहराया है कि हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) अपना काम करती है और बफर जोन और जलाशयों के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) क्षेत्र में भूमि के अतिक्रमण में शामिल किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। बुधवार को सचिवालय में मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में, मुख्यमंत्री ने हाइड्रा द्वारा चलाए जा रहे विध्वंस अभियान का बचाव किया और कहा कि कई मशहूर हस्तियां और राजनेता जिन्होंने फार्महाउस बनाए हैं, वे नाले का पानी उस्मान सागर और हिमायत सागर झीलों में छोड़ रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "क्या हैदराबाद के लोगों को नाले का पानी पीना चाहिए? इसलिए, हमने विध्वंस अभियान शुरू किया है।" रंगारेड्डी जिले के जनवाड़ा गांव में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के फार्महाउस के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि उनके चुनावी हलफनामे में पट्टे के विषय का उल्लेख क्यों नहीं किया गया और मांग की कि केटीआर को विधायक पद से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विध्वंस अभियान के दौरान सत्ताधारी पार्टी या विपक्ष के प्रति कोई भेदभाव नहीं कर रही थी, रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि हाइड्रा द्वारा ध्वस्त किया गया पहला घर कांग्रेस नेता पल्लम राजू का था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बीआरएस एमएलसी कविता को जमानत दिए जाने के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सच है कि बीआरएस पार्टी ने हाल ही में हुए संसदीय चुनावों के दौरान कविता की जमानत के लिए एमपी सीटों का त्याग किया था और कविता की जमानत बीआरएस-भाजपा समझौते का हिस्सा थी।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "जब दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इसी मामले में 17 महीने जेल में थे, तब कविता को पांच महीने में जमानत मिल गई थी। इसी तरह, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी इसी शराब नीति मामले में जेल में हैं।" मुख्यमंत्री ने बताया कि फसल ऋण माफी के मामले में सभी जिला कलेक्ट्रेट

कार्यालयों में शिकायत प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बीआरएस नेताओं हरीश राव और केटी रामा राव को सुझाव दिया कि वे कांग्रेस सरकार की आलोचना करने के बजाय ऋण माफी न पाने वालों की सूची प्रस्तुत करें।

175 करोड़ की धोखाधड़ी में एसबीआई शाखा प्रबंधक सहित दो गिरफ्तार

टीजी साइबर सुरक्षा ब्यूरो मुख्यालय ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में साइबर सुरक्षा ब्यूरो मुख्यालय के कर्मियों ने एसबीआई के एक बैंक प्रबंधक सहित दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में मधु बाबू गली, शमशीरगंज शाखा के एसबीआई शाखा प्रबंधक और उपाध्याय संदीप शर्मा हैं। इं दोनों पर 175 करोड़ के घोटाले में शामिल होने का आरोप हैं। साइबर अपराध पुलिस स्टेशन, मुख्यालय, हैदराबाद में एक स्वप्रेरणा शिकायत के आधार पर आईटी अधिनियम की धारा 66डी के तहत सीआर संख्या 28/2024 और बीएनएस अधिनियम की धारा 318(4), 319(2) और 338 के तहत मामला दर्ज किया गया। एसबीआई शमशेरगंज के शाखा प्रबंधक ने धोखेबाजों के साथ मिलकर चालू बैंक खाते खोलने, धन की निकासी में सहायता करने और कमीशन के बदले में धन के डायवर्जन की साजिश रची।

निदेशक, टीजीसीएसबी, हैदराबाद ने कहा कि लोगों को चेतावनी दी जाती है कि वे किसी और के लिए बैंक खाता न खोलें या संदिग्ध लेनदेन में शामिल न हों। यदि आपने पहले से ही खच्चर खाता खोला है, तो इसकी सूचना 1930 या cybercrime.gov.in पर दें। बैंक खाते खोलने के लिए अनचाहे प्रस्तावों से सावधान रहें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/एससी/142-149/2024/ओटी, दि.2%/08/2024

PUB/0861

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.25-09-2024 के 14.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

01 ई-निविदा सं.- 142_एन_एससी_24_ओटी कार्य विवरणः केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शनः एसआर. डीइएन/उत्तर क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/आरडीएम सेक्शन में केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन के बीजीएसएफ-पीटीकेपी स्टेशनों के बीच किमी 319/9-33 पर पुल सं. 66 अप एन्ड डाउन लाइनों पर स्कौर फिल्लिन्ग पायर्स की व्यवस्था करना। अनुमानित निविदा मूल्यः रु.4,00,06,487/-, पूधराः रु.3,50,100/-, पूरा करने की अवधि महिनों मे:12, रखरखाव अवधि महिनों मेः 06

02 ई-निविदा सं. - 143_एन_एससी_24_ओटी, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) एमसीआय पर मौजूदा गूड्स शेड की सुविधाओं में सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 2) पीडीपीएल पर मौजूदा गूड्स शेड की सुविधाओं में सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 3) आरजीपीएम पर मौजूदा गूड्स शेड की सुविधाओं में सुधार कार्य। (दो पैकेट पध्दति), अनुमानित निविदा मूल्यः रु. 23,88,43,197/-पूधराः रु. 13,44,300/- पूरा करने की अवधि महिनों मे:12, रखरखाव अवधि महिनों मे:36

03 ई-निविदा सं. 144_एन_एससी_24_ओटी कार्य विवरणः एडीइएन/बीपीए सब-डिवीजन के तहत पीआरपीआय स्टेशन पर हायवे एप्रोच रोड को कनेक्ट करनेवाले रन्निंग रूम एप्रोच रोड की मरम्मत करना। अनुमानित निविदा मूल्यः रु. 76,18,536/-, पूधराः रु.1,52,400/- पूरा करने की अवधि महिनों मेः 06, रखरखाव अवधि महिनों मे:06

04 ई-निविदा सं. 145_एस_एससी_24_ओटी कार्य विवरणःएसडब्ल्यू1) केजेडजे-केआय एन्ड डीकेजे-एमयुजीआर सेक्शन्सः एनेक्सर नुसार पीक्यूआरएस/मैन्युएल पध्दति द्वारा कुल लंबाई 12.294 किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग ,सहित 35 सेमी युक्त बल्लास्ट कुशन की रिकुपमेन्ट तथा इन्क्रीजीन्ग सीटीआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) केजेडजे-केआय एन्ड डीकेजे -एमयुजीआर सेक्शन्सः एनेक्सर नुसार कुल लंबाई 33.%94 किमी के लिए टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू 3) केजेडजे-केआय सेक्शनः एडीइएन/डीकेजे क्षेत्राधिकार के तहत एनेक्सर नुसार, पीक्यूआरएस/मैन्युएल पध्दति द्वारा कुल लंबाई 4,000किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग तथा रिकुपमेन्ट व 35सेमी तक बल्लास्ट कुशन की इनक्रीजीन्ग संबंधित टीएसआर(पी) कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः रु.3,50,04,052/- पूधराः रु. 3,25,100/- पूरा करने की अवधि महिनों मे:06, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45(दिन)

05 ई-निविदा सं. 146_एस_एससी_24_ओटी कार्य विवरणः केजेडजे-केआय सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) एनेक्सर नुसार पीक्यूआरएस/मैन्युएल पध्दति द्वारा कुल लंबाई 16.145 किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित रिकुपमेन्ट तथा 35 सेमी तक बल्लास्ट कुशन की इन्क्रीजीन्ग सीटीआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) एनेक्सर नुसार कुल लंबाई 31.818 किमी तक टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू 3) एडीइएन/एमडीआर क्षेत्राधिकार के तहत एनेक्सर नुसार, पीक्यूआरएस/मैन्युएल पध्दति द्वारा कुल लंबाई 3.152 किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित 35 सेमी तक बल्लास्ट कुशन की इन्क्रीजीन्ग तथा रिकुपमेन्ट से जुडा टीएसआर(पी) कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः रु. 3.33,50,951/- पूधराः रु. 3,16,800/- पूरा करने की अवधि महिनों मेः 06, रखरखाव अवधि महिनों मे:45(दिन)

06 ई-निविदा सं. 147_एस_एससी_24_ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1)पंडिल्लापल्लीः पीएनडीपी पर मौजूदा गूड्स शेड के सुविधाओं का सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 2) जेपीटीएन पर मौजूदा गूड्स शेड के सुविधाओं का सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 3) मनुगुरु-एमयुजीआर पर मौजूदा गूड्स शेड के सुविधाओं का सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 4) वरंगलः डब्ल्यूएल पर मौजूदा गूड्स शेड के सुविधाओं का सुधार कार्य (दो पैकेट पध्दति)। अनुमानित निविदा मूल्यः रु.31,77,73,410/- पूधराः रु. 17,38,900/- पूरा करने की अवधि महिनों मेः 09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36

07 ई-निविदा सं. 148_एनडब्ल्यू_एससी_24_ओटी कार्य विवरणःपीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) कुल लंबाई 4.847 किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित रिकुपमेन्ट तथा 25 सेमी तक बल्लास्ट कुशन की इन्क्रीजीन्ग से जुडा सीटीआर(एस) कार्य। एसडब्ल्यू 2) कुल लंबाई 7.408 किमी के लिए टीआरआर(एस) कार्य। एसडब्ल्यू 3) टीआरआर कार्य(सभी फिटीन्स)-कुल लंबाई 113.12 किमी के लिए पीएससी स्लीपर ट्रैक पर नवीनीकरण द्वारा फिटीन्ग कार्य। एसडब्ल्यू 4) टीबीआर कार्यः एलपीजेएल से एनजेडबी स्टेशनों के बीच कुल लंबाई 93.666 किमी के लिए किमी 83.605 से 177.271 पर बीसीएम की डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक का बल्लास्टिन्ग कार्य। एसडब्ल्यू 5) टीबीआर(पीएनडसी) कार्यः डीइएन/एनडब्ल्यू/एससी सेक्शन के तहत कुल 31 सेट्स(जीडीआरए-5, केआरएमआर-8, एलपीजेएल-12, एसटीबीडी-6) बीसीएम द्वारा पाइन्ट्स की डीप स्क्रीनींग तथा क्रासिन्स सहित ट्रैक बल्लास्टिन्ग के माध्यम से तत्संबंधित कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः रु. 7,13,38,469/- पूधराः रु.5,06,700/- पूरा करने की अवधि महिनों मेः 12, रखरखाव अवधि महिनों मे:45(दिन)

08 ई-निविदा सं. 149_एनडब्ल्यू_एससी_24_ओटी कार्य विवरणः वीकेबी-पीआरएलआयी सेक्शनः डीइएन/एनडब्ल्यू/एससी सेक्शन के विभिन्न स्थानों पर, एसडब्ल्यू 1) कुल लंबाई 62.625 किमी के लिए टीआरआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) कुल लंबाई 6.00 किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग तथा 25 सेमी तक बल्लास्ट कुशन की इन्क्रीजीन्ग व रिकुपमेन्ट सहित सीटीआर(एस) कार्य। एसडब्ल्यू 3) ट्रैक की बल्लास्टीन्ग द्वारा टीबीआर कार्य सहित कुल लंबाई 6.77 किमी के लिए बीसीएम द्वारा डीप स्क्रीनींग कार्य। एसडब्ल्यू 4) ट्रैक की बल्लास्टिन्ग द्वारा टीबीआर(पीएन्डसी) कार्य सहित कुल 26 सेट्स के लिए बीसीएम द्वारा पाइन्ट्स की डीप स्क्रीनींग एवं क्रासिन्स कार्य तथा एसडब्ल्यू 5) 20 सेट्स (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) का टीटीआरआर कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः रु.6,14,49,456/-,पूधराः रु. 4,57,300/- पूरा करने की अवधि महिनों मेः 12, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45(दिन)

निविदाकर्तागण, केवल ई-टेन्डरिन्ग द्वारा ही इसमें भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर कतई विचार नही किया जायेगा।

सभी भावी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, केवल आनलाईन पेमेन्ट्स / बीजी द्वारा ही पूधरा जमा करें।

रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को निरस्त या रद्ध करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सभी भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें एवं इसे अपने आफर के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि. डीइएन/को-आर्ड./सिकन्दराबाद

A1111

निविदा शर्तें/ नियमों की विस्तृत जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अनूठा शास्त्रीय नृत्य रवींद्र भारती में 31 को

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और शंकरानंद कलाक्षेत्र, संस्कृति विभाग, तेलंगाना सरकार के सहयोग से, ताम्रपत्र लाइव प्रस्तुत कर रहे हैं। विशेष रूप से अन्नामाचार्य की उत्कृष्ट कविता पर आधारित एक अनूठा शास्त्रीय नृत्य है। इसे भारत के 5 प्रमुख नर्तक - आनंद शंकर जयंत, अनुपमा किलाश, दीपिका रेड्डी, गोपिका वर्मा और वैभव अरेकर द्वारा भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी और मोहिनीअट्टम की शैलियों में, शनिवार 31 अगस्त को शाम 7 बजे रवींद्र भारती हैदराबाद में प्रस्तुत किया जाएगा।

भाकपा ने सरकार से गरीबों को विकल्प देने के बाद हाइड्रा ऑपरेशन जारी रखने का आग्रह किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव और कोत्तागुडेम के विधायक कुणामनेनी संबाशिव राव ने आज कहा कि हाइड्रा के मामले में सरकार को पीछे नहीं हटना चाहिए और गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों के घरों को ध्वस्त करना चाहिए, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से जमीन और अपार्टमेंट खरीदे हैं, उन्हें वैकल्पिक रास्ता दिखाने के बाद ही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को शक्तिशाली लोगों से नहीं डरना चाहिए। बुधवार को यहां हिमायतनगर के मकदूम भवन में भाकपा के राज्य कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में फिल्म अभिनेता नागार्जुन के मामले में ही, इस विषय पर अदालत के आदेश के बावजूद, अभिनेता दस साल तक एन कन्वेंशन सेंटर पर राजस्व का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि न केवल एन-कन्वेंशन सेंटर के मालिक, बल्कि तालाबों और पोखरों के बफर जोन में निर्माण करने वाले सभी बड़े बाबुओं को तालाबों और जल निकायों के जीर्णोद्धार के लिए अब तक प्राप्त राजस्व का कुछ हिस्सा अवश्य देना होगा। बीआरएस पार्टी की एमएलसी कविता की जमानत पर रिहाई पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह आरोप लगाना उचित नहीं है कि कुछ लोग अपने राजनीतिक लाभ के लिए बीआरएस पार्टी से भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह झूठी खबर फैलाना भी उचित नहीं है कि बीआरएस पार्टी कांग्रेस पार्टी में विलय करेगी। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार से 17 सितंबर को तेलंगाना विलय दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने का आग्रह किया और यह भी मांग की कि कई कम्युनिस्ट शहीदों के बलिदान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के तत्वावधान में 11 से 17 सितंबर तक शहीदों की याद में वे कम्युनिस्ट पार्टी के शहीदों को याद करते हुए कई कार्यक्रम आयोजित करने जा रहे हैं।

केरल, तेलंगाना में सुधार और सामाजिक प्रगति की भावना साझा है : भट्टी

डिप्टी सीएम ने 400 जोड़ों के सामूहिक विवाह में भाग लिया

केरल/ हैदराबाद 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि केरल में सुधार और सामाजिक प्रगति की भावना तेलंगाना राज्य में हमारे द्वारा प्रिय माने जाने वाले मूल्यों से गहराई से मेल खाती है। भट्टी विक्रमार्क, जो बुधवार को ओचिरा परब्रह्म मंदिर प्रशासन बोर्ड, केरल द्वारा आयोजित 400 जोड़ों के सामूहिक विवाह में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि वह इस मंदिर में आकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं जो सदियों से आध्यात्मिक और सामाजिक ज्ञान का प्रतीक रहा है। पिछले कई वर्षों से सामूहिक विवाह आयोजित करने की मंदिर की परंपरा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। भट्टी ने कहा कि आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित जोड़ों को सम्मान के साथ और वित्तीय तनाव के बोझ के बिना विवाह करने का अवसर प्रदान करके, मंदिर और उसके प्रशासन ने करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का प्रदर्शन किया है। इस कार्यक्रम में केरल के राजस्व मंत्री के राजन, सांसद केसी वेणुगोपाल और विधायक रमेश चेन्निथला ने भाग लिया। भट्टी ने याद दिलाया कि ओचिरा मंदिर जैसे केरल के मंदिर ऐतिहासिक रूप से सिर्फ पूजा स्थल से कहीं अधिक रहे हैं और वे सामाजिक सुधार, शिक्षा और समुदाय निर्माण के केंद्र रहे हैं। जाति आधारित भेदभाव को चुनौती देने वाले महान मंदिर प्रवेश आंदोलनों से लेकर श्री नारायण गुरु, चट्टम्पी स्वामीकल और अय्यंकाली जैसे सुधारकों के नेतृत्व वाले प्रयासों तक, केरल के मंदिर सामाजिक परिवर्तन की अग्रणी पंक्ति में खड़े रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि ये वे स्थान थे जिन्होंने संविधान में ऐसी अवधारणाओं को शामिल किए जाने से बहुत पहले समानता और सामाजिक न्याय के आदर्शों का पोषण किया था। 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में केरल में हुए परिवर्तनकारी आंदोलनों की गूंज दक्षिण भारत के बाकी हिस्सों में भी सुनाई देने की बात याद दिलाते हुए भट्टी ने कहा कि तेलंगाना में भी संघर्ष और सुधार का समृद्ध इतिहास है - सामंती उत्पीड़न के खिलाफ तेलंगाना के किसानों के सशस्त्र संघर्ष से लेकर अलग राज्य की लड़ाई तक - जो सामाजिक न्याय और आत्मसम्मान की इच्छा में निहित है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "केरल की तरह ही ये आंदोलन भी हर व्यक्ति की गरिमा और अधिकारों की पुष्टि करने के बारे में थे, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।"

संयुक्त राष्ट्र के अवर सचिव ने श्रीधर बाबू से मुलाकात की

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र, मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से, राज्य में कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं और छोटे पैमाने के उद्यमों की भागीदारी बढ़ाने के अवसरों पर एक अध्ययन करेगा। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव आर्मिडा साल्सिया अलीसजहबाना ने बुधवार को सचिवालय में आईटी और उद्योग मंत्री डुडिला श्रीधर बाबू से मुलाकात की। संयुक्त राष्ट्र का एक हिस्सा एशिया प्रशांत के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) पहले ही तेलंगाना के दस संगठनों को प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है। समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए एक रोड मैप पहले ही तैयार किया जा चुका है। आगे की कार्रवाई के लिए सरकारी सहायता मांगी गयी। कार्यक्रम में टीजीआईआईसी के सीओओ मधुसूदन, खाद्य प्रसंस्करण विभाग के निदेशक अखिल, लाइफ साइंसेज फाउंडेशन के सीईओ शक्ति नागप्पा और अन्य ने बीटीआई में भाग लिया।

चिकित्सा शिविर से कर्मचारियों के स्वास्थ्य देखभाल में मदद-डॉ. क्रिस्टीना

सचिवालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने सचिवालय कर्मचारी संघ के तत्वावधान में बुधवार को तेलंगाना राज्य सचिवालय में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. क्रिस्टीना जूड चोंग्थू ने चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सचिवालय परिसर में कर्मचारियों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा किए बिना लगातार चिकित्सा जांच कराकर आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगा सकते हैं और आवश्यक सावधानी बरत सकते हैं। इस शिविर में मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग तथा कुछ अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सीय परीक्षण किये गये। यूनियन नेताओं ने सचिवालय में आयोजित चिकित्सा शिविर का समर्थन करने के लिए विजया डायग्नोस्टिक सेंटर को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष नागराजू, उपाध्यक्ष नरसिंग राव, के. सुजाता, अध्यक्ष जी. श्रीनिवास रेड्डी, उपाध्यक्ष वाई.पी. जनार्दन रेड्डी, कार्यकारी सचिव जी.एल.एन. राजू, जी. लावण्यालता, संयुक्त सचिव के. रमादेवी, एसोसिएशन के सलाहकार वाई. रवीन्द्र कुमार उपस्थित थे। एक अन्य कार्यक्रम में कानून सचिव रेडला तिरुपतैय्या ने बुधवार को तेलंगाना राज्य सचिवालय कर्मचारी संघ कार्यालय में अच्छी जल आपूर्ति के लिए नव स्थापित जल फिल्टर का उद्घाटन किया। यूनियन नेताओं ने विधि सचिव को बताया कि यह वाटर फिल्टर कनकंती अभिलाष के माता-पिता द्वारा सचिवालय कर्मचारी संघ को उपहार में दिया गया था। कनकांति अभिलाष की मृत्यु के बारे में जानने पर, कानून सचिव तिरूपतैय्या ने उनके माता-पिता के प्रति संवेदना व्यक्त की। अपने बेटे की याद में वॉटर फिल्टर गिफ्ट करने के लिए सराहना की।

बॉर्डर पर तैनात अग्निवीर की संदिग्ध हालात में मौत

बहराइच, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बहराइच जिले में तहसील नानपारा अंतर्गत गुरघुट्टा गांव में रहने वाले जवान की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। गुरघुट्टा निवासी दिलीप निषाद (21) पुत्र जमुना प्रसाद तीन वर्ष पूर्व अग्निवीर के माध्यम से सेना में भर्ती हुआ था और बांग्लादेश में ट्रेनिंग के पश्चात कोलकाता से 160 किमी दूर बार्डर पर तैनात हुआ था। रात में तबियत बिगड़ी होने की सूचना हेड क्वार्टर से प्राप्त हुई और माता पिता को साथ लेकर आने की बात कही गई। भाई विनोद निषाद ने बताया कि फिर हमें मृत्यु हो जाने की सूचना दी गई।

हम लोग रास्ते में ही हैं। विनोद ने कहा कि कल ही दोपहर हमारी बात हुई थी तब तक मेरा भाई ठीक था। पता नहीं कैसे मृत्यु हो गई। दिलीप ने प्राथमिक शिक्षा गांव से लेकर शंकर इंटर कालेज से इंटर की परीक्षा पास की। दिलीप दूसरे नंबर का भाई है। दिलीप के तीन भाई व दो बहनें हैं। पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

भारी बारिश से बढ़ा जलस्तर रिहंद बांध का एक फाटक खुला

सोनभद्र, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया के विशालतम बांधों में एक रिहंद बांध के फाटक कई वर्षों के बाद एक बार फिर खुल गए हैं। बांध में लगातार आ रहे पानी को देखते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा एहतियात के तौर पर एक गेट को बुधवार की सुबह 8 बजे खोल दिया गया। बांध से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बांध की सुरक्षा के चलते बांध के फाटक खोले गए हैं, जिसे कुछ समय के बाद फिर बंद कर दिया जाएगा। बांध के कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार 869.1 फीट पर है। बांध पर बनी सभी 6 टरबाइनों को फुल लोड पर चलाकर 294 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी किया जा रहा है, जिससे भी बड़ी मात्रा में पानी डिस्चार्ज हो रहा है। अगस्त माह में हुई झमाझम बारिश के बाद रिहंद बांध का पेट भर गया है। कई वर्षों के बाद बांध में पूरा पानी भरा है। 31 जुलाई तक जहां बांध का जलस्तर 839 फीट ही था, वहीं अगस्त माह में हुई अच्छी बारिश के बाद बांध के जलस्तर 869.1 फीट पर पहुंच गया है। फिलहाल बांध के एक फाटक खोला गया है। जरूरत पड़ने पर ही दूसरे फाटकों को खोला जाएगा।

सहरसा में मेला देखकर लौटे 3 बच्चों को मारी गोली

सहरसा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सहरसा में देर रात बदमाशों ने चेहलुम मेला देखकर लौट रहे एक परिवार पर फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में परिवार के 3 बच्चों को गोली लगी है। सभी की हालत गंभीर है। घायलों में 2 लड़कियां और लड़का है। जिनकी पहचान मो। हुशेन, मुस्कान खातून, और साईबा के रूप में हुई है। घटना बनमा इटहरी थाना क्षेत्र के मकदमपुर गांव वार्ड नं 7 की है। फायरिंग की सूचना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि जमीन विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है। जिसका आरोप पीड़ित परिवार ने अपने पड़ोसी पर लगाया है।

जख्मी हुशेन ने बताया, 'हम लोग चेहलुम का मेला देखने गए थे, तभी एक आदमी खिड़की के पास बैठा हुआ था। मोबाइल से बात करते हुए 2 लोग मेरे पीछे आए। इसके बाद उन लोगों ने फायरिंग कर दी।' परिजन मोहम्मद अफसर ने बताया, 'कुछ दिन पहले उनके पड़ोसी के साथ जमीन को लेकर विवाद हुआ था। जिसका मामला कोर्ट में चल रहा है। जिसे लेकर मुझे लगातार धमकी दी जा रही थी। मुझे कहा जाता था कि केस उठा लो नहीं तो जान मार देंगे।

वहीं मंगलवार की रात मेला देखकर अपने परिवार के साथ लौट रहा था तो मेरे पड़ोसी साहेब ने मेरे परिवार पर गोलीबारी कर दी।' बनमा इटहरी थानां अध्यक्ष ज्योतिष कुमार ने बताया, 'रात करीब दो बजे के गोलीबारी की सूचना मिली थी। जिसके बाद सभी घायलों को बख्तियारपुर अस्पताल भर्ती करवाया गया। जहां से सभी को सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इस घटना में तीन बच्चों को गोली लगी है। मामले की जांच की जा रही हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।'

महाकुंभ में कैसे रहेगा गंगा में स्वच्छ और पर्याप्त जल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं और संतों के लिए गंगा में स्वच्छ और पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की मांग में दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार व जिला प्रशासन से 10 सितंबर तक जानकारी मांगी है। पूछा है कि गंगा में स्वच्छ व पर्याप्त जल कैसे उपलब्ध कराया जाएगा? यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति विकास की खंडपीठ ने एडवोकेट सुनीता शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी योगेंद्र कुमार पांडेय और पूर्व पार्षद कमलेश सिंह की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में कहा गया है कि शासन व जिला प्रशासन ने स्वच्छ तथा पर्याप्त गंगाजल उपलब्ध कराने की दिशा में अब तक कोई विचार नहीं किया है। याची की तरफ से अधिवक्ता विजय चंद्र श्रीवास्तव व प्रियंका श्रीवास्तव ने बहस की।

महाकुंभ की तैयारी में जुटी यूपी सरकार

जनहित याचिका के अनुसार, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु, गंगा भक्त व संत प्रयागराज आते हैं। महाकुंभ मेले के लिए शासन और प्रशासन की तैयारी जोरों से चल रही है। सरकार की तरफ से काफी बजट स्वीकृत किया गया है, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई भी निर्णय नहीं लिया है कि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं, संतों एवं गंगा भक्तों को कैसे पर्याप्त व स्वच्छ गंगा जल उपलब्ध कराया जाएगा। यह भी कहा गया है कि महाकुंभ में स्नान व पूजन के लिए पर्याप्त व स्वच्छ गंगाजल तभी संभव हो सकेगा जब सुनीता शर्मा की पुरानी जनहित याचिका में उठाए गए बिंदुओं का अनुपालन कराया जाए।

इनमें कानपुर की टेनरी का पानी रोकने, स्नान पर्व पर गंगा में लगातार प्रतिदिन 4000 क्यूसेक पानी छोड़ने और गंगा-यमुना में गिरने वाले गंदे नाले बंद करने, गंगा किनारे उच्चतम बाढ़ बिंदु से 500 मीटर निर्माण पर रोक के साथ एसटीपी के सुचारू संचालन के आदेश का पूर्णतः पालन की बात है। प्रमुख सचिव, प्रयागराज के कमिश्नर औ डीएम, कुंभ मेला प्राधिकरण, प्रयागराज विकास प्राधिकरण और नगर निगम को याचिका में पक्षकार बनाया गया है।

दो मातृत्व अवकाश के बीच दो साल के अंतर का आदेश कानून के विरुद्धः हाई कोर्ट

प्रयागराज, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्राथमिक विद्यालय मुंडिका मनकारा, रामपुर की सहायक अध्यापिका कुशल राणा को 180 दिन का मातृत्व अवकाश देने से इनकार करने के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नौ अगस्त के आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। याची सहायक अध्यापिका का मातृत्व अवकाश मंजूर कर नियमित वेतन भुगतान का आदेश दिया है। कोर्ट ने बकाए का भुगतान भी छह सप्ताह में करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने कुशल राणा की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची ने बीएसए रामपुर को मातृत्व अवकाश की अर्जी दी, जिसे निरस्त कर दिया गया। कहा गया कि शासनादेश के अनुसार दो बच्चों के मातृत्व अवकाश के बीच दो साल का अंतर होना चाहिए। याची के मामले में ऐसा नहीं है। पहले बच्चे के मातृत्व अवकाश की समाप्ति व दूसरे बच्चे के मातृत्व अवकाश की शुरुआत के बीच दो साल का अंतर होना चाहिए। कोर्ट ने कहा इस मुद्दे पर हाई कोर्ट का रेनु चौधरी केस में फैसला आ चुका है। नौ अगस्त 24 का आदेश कानून के तहत नहीं है। इसलिए रद्द किया जाता है।

कौन हैं एनएसजी के नये डीजी? बिहार से है उनका खास रिश्ता

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बी। श्रीनिवासन को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी दी गई है। श्रीनिवासन 1992 बैच के बिहार कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं वह वर्तमान में बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने श्रीनिवासन की एनएसजी के महानिदेशक के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर 31 अगस्त 2027 तक यानी उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक होगी। एनएसजी महानिदेशक का पद नलिन प्रभात को जम्मू-कश्मीर पुलिस का नया प्रमुख नियुक्त किये जाने के बाद से रिक्त पड़ा था। न्हें इस वर्ष अप्रैल में 31 अगस्त, 2028 (उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि) तक के कार्यकाल के लिए एनएसजी प्रमुख नियुक्त किया गया था। द्र ने हालांकि 15 अगस्त को उनका कार्यकाल कम कर दिया और उन्हें जम्मू-कश्मीर पुलिस का प्रमुख नियुक्त कर दिया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष महानिदेशक के रूप में शामिल हुए प्रभात, 30 सितंबर को वर्तमान महानिदेशक आर। आर। स्वैन की सेवानिवृत्ति के बाद बल की बागडोर संभालेंगे।

बेगूसराय पुलिस ने आरजेडी नेता से की बदसलूकी महिला और नाबालिग से थाने में मारपीट

बेगूसराय, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में बढते अपराध के बीच अपराधियों के सामने बौनी बनी रहने वाली पुलिस वर्दी के रौब में निहत्थे लोगों पर जुल्म ढाने को अपना शान समझती है। बेगूसराय पुलिस पर ऐसा ही आरोप जिला राजद के प्रधान महासचिव और उसके परिवार के लोगों ने लगाया है।आरोप के अनुसार, मामूली विवाद में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों ने दो महिला समेत एक नाबालिग की थाने ले जाकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। इतना ही नहीं महिला के प्राइवेट पार्ट पर भी लाठी डंडे से जुल्म ढाया गया। महिला और युवक का कसूर सिर्फ इतना था कि उन लोगो ने गलत तरीके से गिरफ्तारी पर अपनी आपत्ति दर्ज करायी थी। इसका परिणाम था कि महिला को थाने ले जाकर पुरुष और महिला पुलिसकर्मियो ने एक साथ बुरे तरीके से मारपीट की। इस घटना मे घायल तीन लोगों का इलाज बेगूसराय सदर अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित परिवार ने प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री सहित बिहार की डीजीपी से आरोपी महिला और पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। घटना बेगूसराय के चेरियाबरियारपुर थाना क्षेत्र की है।

हथियार के साथ युवक का फोटो वायरल आरोपी अरेस्ट

बेगूसराय, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय के छौड़ाही थाना क्षेत्र के एकंबा गांव में हथियार के साथ एक युवक का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। पिस्टल-कट्टा के साथ तस्वीर सामने आई थी। आरोपी ने कहा है कि हथियार किसी दूसरे का था। जानकारी के अनुसार हिमांशु कुमार नाम के युवक ने हथियार के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर डाली थी। फोटो सामने आते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। फोटो में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है कि वह फर्श पर बैठा था और उनके सामने दो पिस्टल, एक कट्टा और 24 से अधिक गोली रखा हुआ है। वायरल फोटो के आधार पर मिली गुप्त सूचना पर गढ़पुरा थाना की पुलिस ने उसे एकंबा चौक के समीप से गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार हिमांशु के पास से किसी तरह का हथियार बरामद नहीं हुआ है।

पूछताछ के दौरान उसने बताया है कि यह हथियार किसी दूसरे का था। गिरफ्तार हिमांशु ने कहा है कि हमने सिर्फ फोटो खींचवा लिया था। जिसे किसी ने सोशल मीडिया पर डालकर वायरल कर दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि हिमांशु की दी गई जानकारी के आधार पर हथियार बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। उसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि पिस्टल, कट्टा और गोली कहां से आया था।

चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर बोले पप्पू यादव

भाजपा को अपने नेताओं पर भरोसा नहीं, इसलिए जोड़-तोड़ कर रही

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चंपई सोरेन पर हेमंत सोरेन ने विश्वास किया, लेकिन इसी तरह के आचरण और व्यवहार के कारण लोगों पर विश्वास टूटता जा रहा है। भाजपा पैसे के बदौलत तोड़-जोड़ और घटाव कर रही पप्पू यादव ने कहा कि भाजपा के पास कोई एजेंडा नहीं है। भाजपा पैसे के बदौलत तोड़-जोड़ और घटाव कर रही है। उन्हें अपने नेताओं पर भरोसा नहीं है। जब वे(भाजपा) हेमंत सोरेन को दबा नहीं पाए तो उन्होंने तोड़-जोड़ की राजनीति शुरू कर दी। बता दें कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा करते हुए कहा है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होंगे। शर्मा ने कहा कि सोरेन 30 अगस्त को रांची में पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ सोरेन की मुलाकात की एक तस्वीर पोस्ट की। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी शर्मा भी बैठक में शामिल थे। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हमारे देश के दिग्गज आदिवासी नेता चंपई सोरेन जी ने कुछ समय पहले माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। वह 30 अगस्त को रांची में आधिकारिक तौर पर भाजपा में शामिल होंगे।'

कुकर में बंद दो करोड़ के ड्रग बरामद, दो तस्कर भी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पटना की टीम ने बड़ी कारवाई की है। टीम ने मुजफ्फरपुर में छापेमारी कर दो करोड़ का ड्रग पकड़ी है। इस दौरान दो और ड्रग तस्करों रमाकांत दास और संजीव साहू को गिरफ्तार किया। रामाकांत पूर्वी चंपारण के परसा गांव का रहने वाला है ।वहीं, संजीव साहू इंफाल का रहने वाला है। जब्त ड्रग का नाम मिथेन एम फेटामाईन है। यह प्रतिबंधित श्रेणी का ड्रग है। तस्कर इसे कुकर में छुपाकर कार से ले जा रहे थे। एनसीआरबी की टीम ने दोनों तस्करों को पकड़कर पटना ले आई है। जब्त ड्रग की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो करोड़ बताई जा रही है एनसीआरबी के जोनल डायरेक्टर अभिषेक आनंद के निर्देश पर उनकी टीम ने यह कार्रवाई की है। ब्यूरो इस नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि पूछताछ के दौरान ब्यूरों के अधिकारियों को कई अहम जानकारियां हाथ लगी हैं। इस मामले में कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती है। सूत्रों के अनुसार जब्त ड्रग म्यांमार में बनी थी। वहां से मणिपुर होते हुए भारत में लाई गई। मणिपुर से ड्रग को मोतिहारी ले जाया जा रहा था। इसी बीच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को इसकी सूचना मिली। उसके बाद एक टीम बनाकर अलर्ट किया। जैसे ही ड्रग तस्कर मुजफ्फरपुर पहुंचे, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने दोनों को पकड़ लिया।

आखिरकार पिंजरे में कैद हुआ खूंखार तेंदुआ, दो महिलाओं और एक आदमी की ले चुका जान

बिजनौर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जंगल में लगाए गए पिंजरे में गुलदार (तेंदुआ) के कैद होने से वन विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पिंजरे में कैद हुए गुलदार ने पिलाना व निकटवर्ती गांवों में आतंक मचा रखा था। वन विभाग अधिकारियों के अनुसार पकड़े गए गुलदार ने ही दो महिलाओं तथा एक किसान को मार डाला था। हल्दौर मार्ग स्थित ग्राम कुलचाना के निकटवर्ती गांव सिसौना, पिलाना व जलालपुर भूड़ में गुलदार ने आतंक मचा रखा था। एक माह के भीतर गुलदार पिलाना के जंगल में दो महिलाओं व जलालपुर भूड़ में एक किसान को मार चुका था। कुलचाना गांव के आसपास भी पिछले कई दिनों से गुलदार देखा जा रहा था।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की तो उम्रकैद तक की सजा, डिजिटल मीडिया नीति मंजूर

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश डिजिटल मीडिया नीति-2024 को मंजूरी दे दी गई है। इसमें जहां सोशल मीडिया पर काम करने वाली एजेंसी व फर्म को विज्ञापन की व्यवस्था की गई है, वहीं अभद्र या राष्ट्र विरोधी पोस्ट डालने पर कानूनी कार्रवाई के प्रावधान भी किए गए हैं। प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी, लाभकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी और उसके लाभ को लोगों तक डिजिटल व सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने के लिए यह नीति लाई गई है। इसके तहत एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब पर प्रदेश सरकार की योजनाओं और

उपलब्धियों पर आधारित कंटेंट, वीडियो, ट्वीट, पोस्ट और रील को प्रदर्शित किए जाने के लिए इनसे संबंधित एजेंसी व फर्म को विज्ञापन देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे बड़ी संख्या में रोजगार मिल सकेगा।

विज्ञापन का श्रेणीवार होगा भुगतान

इस नीति के तहत सूचीबद्ध होने के लिए एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में से प्रत्येक को सब्सक्राइबर व फॉलोअर्स के आधार पर चार श्रेणियों में बांटा गया है। एक्स, फेसबुक व इंस्टाग्राम के एकाउंट होल्डर, संचालक, इन्फ्लूएंसर (प्रभाव रखने वाले) को भुगतान के लिए श्रेणीवार अधिकतम सीमा क्रमशः 5 लाख, 4 लाख, 3 लाख और 3 लाख रुपये प्रतिमाह निर्धारित की गई है। यू-ट्यूब पर वीडियो, शार्ट्स, पॉडकास्ट भुगतान के लिए श्रेणीवार अधिकतम सीमा क्रमशः 8 लाख, 7 लाख, 6 लाख और 4 लाख प्रतिमाह निर्धारित की गई है।

राष्ट्र विरोधी कंटेंट पोस्ट करने पर कार्रवाई

इस संबंध में नीति लाने के लिए लंबे समय से प्रयासरत निदेशक सूचना शिशिर सिंह ने बताया कि पोस्ट किया गया कंटेंट अभद्र, अश्लील और राष्ट्र विरोधी नहीं होना चाहिए। अभी सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर पुलिस द्वारा आईटी एक्ट की धारा 66 (ई) और 66 (एफ) के तहत कार्रवाई की जाती है। अब प्रदेश सरकार पहली बार ऐसे मामलों पर नियंत्रण के लिए नीति ला रही है। इसके तहत दोषी पाए जाने पर तीन साल से लेकर उम्र कैद (राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में) तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा अभद्र एवं अश्लील सामग्री पोस्ट करने पर आपराधिक मानहानि के मुकदमे का सामना भी करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार ने ऐसी हरकतों पर अंकुश लगाने के लिए तीन वर्ष पूर्व इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड जारी किए थे।

नवाबगंज पालिका की पूर्व चेयरपर्सन शहला ताहिर

पांच अधिशासी अधिकारी समेत 16 लोग 10.41 करोड़ के गबन में फंसे चार्जशीट दाखिल

बरेली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नवाबगंज नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष शहला ताहिर, पांच अधिशासी अधिकारी समेत 16 लोगों पर 10.41 करोड़ रुपये के गबन के मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई है। मामला लखनऊ के आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज किया गया है। जिसमें पांच कार्यकारी अधिकारी और 10 कर्मचारी और ठेकेदार शामिल हैं। इस मामले में शामिल सरकारी धन गबन के आरोपी

शहला ताहिर, पूर्व अध्यक्ष

पांच कार्यकारी अधिकारीः हीरालाल प्रजापति, हरिलाल राम, नरेंद्र कुमार जौहरी, राजेश कुमार सक्सेना, और विजय कुमार

10 कर्मचारी और ठेकेदारः अमर सिंह, सुरेश पाल, रघुवीर सिंह, कैलाश चंद, रवींद्र कुमार शुक्ला, मोहम्मद अफजाल, मोहम्मद आरिफ, सलीम हैदर, वकील खां, और शिव कुमार जांच में पता चला है कि यह गबन 2012 और 2017 के बीच हुआ था। इस मामले को आईपीसी की धारा 409, 120बी, 420, और 13(1)(आर)(11) के तहत दर्ज किया गया है।

2021 में इसकी शिकायत उत्तर प्रदेश शासन में की गई थी इसके बाद गृह विभाग ने मामले की जांच कराई जांच में आरोप सही पाए जाने पर ईओडब्ल्यू ने रिपोर्ट दर्ज की। सूत्रों के मुताबिक भ्रष्टाचार और गबन के इस मामले की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी गई है। वर्तमान पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर ने कहा कि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। आगे की कार्रवाई कोर्ट के आदेश के आधार पर की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि लखनऊ से एक जांच टीम हाल ही में आई थी, लेकिन उन्हें रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी नहीं है।

अररिया में चोर के प्राइवेट पार्ट में डाला गया मिर्च पाउडर तेजस्वी बोले- बिहार में राक्षस राज कायम हो चुका है

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले में एक युवक के गुप्तांग में मिर्ची पाउडर डालने का वीडियो सामने आने के बाद सियासत तेज हो गई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर नीतीश सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में राक्षस राज कायम हो चुका है। बिहार में कानून और व्यवस्था जैसी कोई चीज नहीं रह गई तेजस्वी यादव ने कहा कि इस अमानवीय व्यवहार के खिलाफ जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून और व्यवस्था जैसी कोई चीज नहीं रह गई है।

ललन सिंह बिहार में रचने जा रहे इतिहास, पटना में 3 दिन तक रहेंगे 27 राज्यों से 800 प्रतिनिधि

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह बिहार में ऐसा काम करने जा रहे हैं, जिसकी चर्चा हमेशा होगा। दरअसल पटना में 10 से 12 सितंबर तक सभी राज्यों के पंचायती राज विभागों की एक बड़ी बैठक होने जा रही है। इसमें 27 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों के 800 से ज़्यादा लोग हिस्सा लेंगे। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचायतों को बेहतर बनाने के नए तरीकों पर चर्चा होगी। बदा दें, बिहार में इस तरह की कार्यशाला पहली बार हो रही है। इसका उद्घाटन केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह करेंगे। बिहार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि अब तक छह राज्यों पंजाब, महाराष्ट्र, केरल, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और आंध्र प्रदेश में अलग-अलग विषयों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हो चुका है। पटना में होने वाली इस सातवीं कार्यशाला का विषय है - 'सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत।' इस कार्यशाला में अलग-अलग राज्यों में पंचायतों को मज़बूत बनाने के लिए किए जा रहे कामों और नए प्रयोगों के बारे में बताया जाएगा। इसके लिए वीडियो के जरिए प्रेजेंटेशन भी दिखाया जाएगा। कार्यशाला में गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, सफाई और महिला सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर पंचायतों के प्रतिनिधि चर्चा करेंगे। पंचायती राज विभाग का मानना है कि पंचायतों के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं।

सिंधुदुर्ग में आमने-सामने आए ठाकरे और नारायण राणे के समर्थक

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में राजनीतिक तनाव का माहौल बना हुआ है, जहां उद्धव ठाकरे और राणे के समर्थक आमने-सामने आ गए हैं। यह विवाद तब उभर कर आया जब छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के बाद आदित्य ठाकरे ने राजकोट किले का दौरा किया। उसी दौरान सांसद नारायण राणे और उनके बेटे भी वहां पहुंच गए जिसके बाद राणे समर्थकों ने आदित्य ठाकरे का रास्ता रोक दिया। दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति बन गई। छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने की घटना के बाद निरीक्षण करने के लिए शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक आदित्य ठाकरे किले पहुंचे थे। जैसे ही उन्होंने प्रवेश किया, वहां का माहौल गर्मा गया। आदित्य ठाकरे के खिलाफ नारेबाजी होने लगी जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाया कि 24 साल के युवक को ठेका किसने दिया? वह फरार है और उसे भागने में किसने मदद की? उन्होंने पीडब्लूडी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की बात भी उठाई और इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। आदित्य ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे किले के भीतर राजनीति न करें और इस विवाद में न उलझें। उन्होंने कहा कि इस तरह के बचकानेपन से दूर रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को चुनाव से पहले दिसंबर में बुलाकर खुश करने की कोशिश की गई थी। उधर, बीजेपी सांसद नारायण राणे भी अपने समर्थकों के साथ मालवण के राजकोट किले में पहुंचे। जब वे निरीक्षण के बाद लौट रहे थे तब एमवीए के नेता वहां पहुंचे। इस दौरान आदित्य ठाकरे, विनायक राऊत और विधायक वैभव नाइक भी वहां मौजूद थे। दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच हल्की बहस हुई, लेकिन पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया और दोनों पक्षों को शांत करने की कोशिश की। नारायण राणे ने कहा कि वे अपने क्षेत्र में हैं और अगर बाहरी लोग आकर यहां उत्पात मचाएंगे और पुलिस उन्हें सुरक्षा देगी तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

टेरर फंडिंग मामले में शब्बीर शाह रिहा, फिर भी जेल में ही रहेगा ये अलगाववादी नेता

पटियाला, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने आतंकी फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को रिहा करने का आदेश दिया है, हालांकि इसके बावजूद वो सलांखो के पीछे ही रहेगा। क्योंकि शब्बीर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए के दर्ज मामलों के चलते अभी न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। अदालत ने आतंकी फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई की।

शब्बीर शाह 26 जुलाई 2017 से लगातार हिरासत में है। ये देखते हुए कि धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत अपराध के लिए अधिकतम 7 साल की सजा से ज्यादा हिरासत में रह चुके हैं। इसलिए कोर्ट ने इस मामले में शब्बीर को रिहा कर दिया। उसके खिलाफ एनआईए के दो अलग-अलग केस की जांच चल रही है। वहीं दूसरे केस के तहत वो अभी जेल में ही रहेगा। जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह एक अलगाववादी नेता है। इसी साल मार्च में शब्बीर की बेटी समा शब्बीर ने सार्वजनिक रूप से अपने पिता यानी शब्बीर शाह की डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी से खुद को अलग कर लिया था। इसके साथ ही बेटी ने भारत संघ की संप्रभुता के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी। कश्मीर में पूर्व सीबीएसई टॉपर के रूप में अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए जानी जाने वाली समा शब्बीर ने एक स्थानीय समाचार पत्र में छपे एक पब्लिक नोटिस के जरिए अपना ये रुख स्पष्ट किया था।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पूछा- डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए क्या किया, सरकार दो हफ्ते में बताए

जबलपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने क्या कदम उठाए हैं? इसका जवाब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सरकार से दो हफ्ते में मांगा है। साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन हुआ है या नहीं, यह भी बताएं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में मध्य प्रदेश डॉक्टर एसोसिएशन की तरफ से दस मांगों की सूची पेश की गई। हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने संबंधित मांगों पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए हैं। डॉक्टरों की सुरक्षा संबंधित मांग के संबंध में युगलपीठ ने सरकार द्वारा की गयी कार्यवाही के संबंध में दिशा-निर्देश प्राप्त कर दो सप्ताह में न्यायालय के समक्ष जानकारी प्रस्तुत करते के आदेश सरकारी अधिवक्ता को दिए हैं। कोलकाता में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में देशभर में विरोध-प्रदर्शन हुए। मध्य प्रदेश में भी जूनियर डॉक्टर घटना के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। इसके खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई करते हुए युगलपीठ ने पूर्व में पारित आदेश का हवाला देते हुए तत्काल हड़ताल समाप्त तत्काल कार्य पर लौटने के निर्देश जारी किए थे। युगलपीठ ने डॉक्टरों की मांग पर सुनवाई के आदेश भी जारी किए थे। इसके बाद जूनियर डॉक्टर हड़ताल समाप्त कर कार्य पर लौट आए थे। याचिका पर पिछली सुनवाई में युगलपीठ को बताया गया कि डॉक्टरों की मांग को संबंध में सर्वोच्च न्यायालय संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रहा है। युगलपीठ ने याचिका पर एक सप्ताह बाद सुनवाई के निर्देश जारी किए थे। याचिका पर मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान डॉक्टर एसोसिएशन की तरफ से दस मांगों की सूची पेश की गई। युगलपीठ सुनवाई के बाद उक्त निर्देश जारी किए। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, अभिषेक पांडे तथा डॉक्टर एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता महेन्द्र पटेरिया ने पैरवी की।

क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड में नागालैंड से आरोपी गिरफ्तार एमपी-राजस्थान में करोड़ों की ठगी का मामला

रतलाम, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले एक साल के भीतर निवेशकों को 30% मासिक रिटर्न का लालच देकर मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों में लोगों के साथ करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एमटीएफई क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड मामले में रतलाम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रतलाम पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, उसे नागालैंड से पकड़ा गया है। आरोपी के खाते में रखे 5 लाख रुपये भी फ्रीज करवाए गए हैं। रतलाम पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि अगस्त 2023 में सलीम खान पिता काले खान ने जावरा औद्योगिक थाना क्षेत्र में रिपोर्ट लिखवाई थी कि एमटीएफई क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड करते हुए मोहम्मद फैज उर्फ निक्कू, आजम खान हुजैफा, जम्माली बोहरा, आलोक पाल, वाजिद और वसीम ने उनसे ठगी की थी। इस मामले में धोखाधड़ी सहित अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी प्रकार रतलाम के स्टेशन रोड थाने में अशरफ अली की रिपोर्ट पर गोविंद सिंह संदीप टांक के खिलाफ 26 लाख 51 हजार की ठगी का अपराध पंजीबद्ध किया गया। दोनों ही मामलों में पूर्व में 9 आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

इस मामले में एक फरार आरोपी किबटो आई को नागालैंड से गिरफ्तार किया गया है। उसके खाते में 5,00,000 की राशि थी, जिसे फ्रीज करवा दी गई है। इस मामले में नागालैंड से पकड़ा गया आरोपी दसवें नंबर का है। अभी पूछताछ के बाद आरोपियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। नागालैंड से पकड़े गए आरोपों के खाते में 5 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ था। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक अभी तक क्रिप्टो करंसी फ्रॉड के मामले में 266 पीड़ित सामने आ चुके हैं, जिनसे एक करोड़ 43 लाख रुपये की ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस मामले में 10 आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि 43 लाख रुपये की राशि खातों में फ्रिज करवा कर शासकीय खातों में रिफंड करवा चुकी है।

शरद पवार से मिले हर्षवर्धन पाटील तो चंद्रशेखर बवानकुले ने कह दी बड़ी बात

'जो भी बीजेपी छोड़ना चाहता है शरद पवार से पुणे में मिल सकता है

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र बीजेपी प्रेसिडेंट चंद्रशेखर बवानकुले ने चुनाव से पहले महाराष्ट्र में हो रहे दलबदल के बीच बड़ा बयान दिया है। बवानकुले ने कहा कि जो भी नेता बीजेपी छोड़ना चाहते हैं वे हर्षवर्धन पाटील की तरह शरद पवार से पुणे में मिल सकते हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले हर पार्टी अपनी स्थिति मजबूत करने में लगी हुई है और कवायद के क्रम में अपने पाले में प्रभावशाली नेताओं को लाने की कोशिश कर रही है तो वहीं व्यक्तिगत स्तर पर भी राजनीतिज्ञ वैसी पार्टी की तलाश में जुटे हुए हैं जहां से उनकी चुनावी जीत की संभावना प्रबल हो सके। इसके लिए वे पाला बदलने से भी नहीं हिचकिचा रहे हैं। उधर, हर्षवर्धन पाटील के पुणे में शरद पवार से मुलाकात पर चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी देर तक बातें भी हुईं। इससे ये अंदाजा लगाया जाने लगा कि पाटील शरद पवार गुट में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी दोनों की तरफ से ऐसा कुछ भी बयान सामने नहीं आया है।

हर्षवर्धन पाटील पर यह बोले देवेंद्र फडणवीस

हालांकि पाटील के शरद पवार से मुलाकात पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का बयान आया है कि उन्हें विश्वास है कि वह बीजेपी नहीं छोड़ेंगे। फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि कौन किससे मिल रहा है इस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। चाहे हर्षवर्धन पाटील हों या पार्टी के दूसरे नेता, सभी साथ रहेंगे।

इंदापुर से चुनाव लड़ना चाहते हैं हर्षवर्धन

माना जा रहा है कि हर्षवर्धन पाटील इंदापुर से चुनाव लड़ना चाहते हैं जबकि अजित पवार ने दत्तात्रय भरणे की उम्मीदवारी का संकेत दिया है। इस चर्चा से बीजेपी के कार्यकर्ता परेशान नजर आ रहे हैं। हालांकि अभी महायुति में इंदापुर के टिकट को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। बता दें कि हर्षवर्धन पाटील पहले कांग्रेस में थे। पूर्व मंत्री ने 2019 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। वह इंदापुर सीट से चार बार के विधायक रहे हैं। उन्होंने 2014 में अविभाजित एनसीपी के दत्तात्रेय भरणे को बेहद कम अंतर से हराया था। दत्तात्रेय भरणे फिलहाल अजित पवार गुट की एनसीपी में हैं।

जमानत पर रिहा होते ही बिसाहन के सरपंच ने किया प्रदर्शन, सरपंच एसोसिएशन के साथ डीसी को सौंपा ज्ञापन

झज्जर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर में बिसाहन के सरपंच इन्द्रजीत ने जमानत पर रिहा होते ही सरपंच एसोसिएशन के साथ मिलकर शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद उन्होंने जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए न्याय की मांग की। यह प्रदर्शन तब हुआ जब सरपंच इन्द्रजीत और उनके बेटे को बिजली विभाग द्वारा दर्ज किए गए एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। सरपंच और सरपंच एसोसिएशन ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस मामले को राजनीतिक रंग देकर सरपंच इन्द्रजीत को झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची गई है। सरपंच एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर सरपंच इन्द्रजीत को न्याय नहीं मिला, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है और सरपंच के समर्थकों में रोष देखा जा रहा है।

दिल्ली में झाड़-फूंक के बहाने 7 साल की मासूम से रेप

51 रुपये देकर बोला तांत्रिक- किसी को बताया तो पापा मर जाएंगे

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के रोहिणी में एक फर्जी तांत्रिक ने सात साल की मासूम बच्ची के साथ पहले रेप किया और फिर बच्ची को डराया कि अगर उसने इसके बारे में किसी को भी बताया तो उसका बीमार पिता मर जाएगा। इतना ही नहीं तांत्रिक ने बच्ची को 51 रुपये भी दिए। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। रोहिणी में पुलिस ने मोहम्मद शरीफ (51) नाम के फर्जी तांत्रिक को गिरफ्तार किया है, जिसने मासूम बच्ची के साथ बलात्कार की वारदात को अंजाम दिया। ये तांत्रिक कब्रिस्तान के पास ही रहता था और लोगों को विश्वास दिलाता था कि वो एक पहुंचा हुआ तांत्रिक है।

ये शर्मनाक घटना बीते सोमवार यानी 26 अगस्त की है। मासूम बच्ची अपने तीन भाई बहनों और पिता के साथ कंझावला में रहती है। बच्ची के पिता सब्जी की रेहड़ी लगाते हैं जबकि मां की मौत हो चुकी है। सोमवार के दिन बच्ची के पिता की तबीयत खराब थी, जिस पर फर्जी तांत्रिक शरीफ उन्हें देखने आया था। जाते वक्त उसने कहा कि राशन और झाड़-फूंक के लिए इस बच्ची को भेज देना।

पिता ने बच्ची के साथ उसके भाई को भेज दिया। भाई कुछ देर में वापस आ गया और बोला कि बहन को शरीफ ने झाड़ फूंक के लिए रोक लिया है। थोड़ी देर में बच्ची वापस आ गई, लेकिन वो चुप थी। अगले दिन मंगलवार को उसकी तबीयत खराब हो गई। जब उसे हॉस्पिटल ले जाया गया तो सेक्सुअल एसॉल्ट की बात सामने आई। फिर पुलिस को शिकायत दी गई, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बच्ची के साथ गलत काम करने के बाद धमकी भी दी थी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो उसके बीमार पिता की मौत हो जाएगी। तांत्रिक ने जाते समय बच्ची को 51 रुपये भी दिए थे और कहा कि जाओ अब पापा सही हो जाएंगे।

अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

बुरहानपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले की खकनार पुलिस ने अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कारखाने पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित हथियार बनाने की सामग्री भी जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पुलिस को अवैध हथियार परिवहन की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने एजेंट को गिरफ्तार कर उससे पांच पिस्टल जब्त की। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने पचौरी में अवैध हथियार बनाने के कारखाने पर छापेमारी की। पुलिस ने यहां से 10 पिस्टल सहित अन्य सामग्री जब्त की। एसपी देवेन्द्र पाटीदार के अनुसार मुखबिर से मिली खबर के बाद पुलिस टीम बनाकर खकनार से पांगरी जाने वाले रास्ते पर मंदिर के पीछे माता नदी पर घेराबंदी की, तभी एक संदिग्ध वहां से गुजरा। पुलिस ने उसे पकड़कर जब पूछताछ की तो उसने अपना नाम लखन पिता बालु निवासी दांतपहाड़ी बताया। आरोपी की तलाशी लेने पर पांच पिस्टल मिली। आरोपी ने सरबत सिंह से पिस्टल लेने की बात कही। सरबत सिंह ने यह पिस्टल दूसरी जगह सप्लाई करने के लिए दिए थे। पुलिस ने जब सरबत सिंह के घर छापा मारा तो घर के पीछे जंगल में कारखाने की जानकारी मिली। पुलिस ने जैसे ही जंगल में रेड मारी, पुलिस को देखते ही आरोपी यहां-वहां भागने लगा। पुलिस ने आरोपी सरबत सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कारखाने से 10 तैयार पिस्टल, अवैध हथियार बनाने का सामान जब्त किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर अवैध हथियार बनाने, परिवहन करने का केस दर्ज किया है। पुलिस ने कारखाने से तीन अधूरी पिस्टल, तीन बैरेल, तीन स्लाइड, चार अधूरी बनी मैगजीन, एक पूरी बनी मैगजीन, पिस्टल बनाने के चार सांचे के साथ ग्लैंडर, हथोड़े, आरी, ड्रिल मशीन और दूसरा सामान जब्त किया है। बता दें बुरहानपुर जिले में 15 महीने में पुलिस ने 172 अवैध पिस्टल जब्त की है और 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस ने जिले अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया था, इस अभियान के तहत ही यह कार्रवाई की गई थी। इस दौरान 172 पिस्टल जब्त की थी।

छुट्टी पर रहे सफाई कर्मी तो कलेक्टर, कमिश्नर और महापौर ने उठाई झाड़ू और शहर किया साफ

इंदौर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की व्यवसाय की राजधानी इंदौर में कलेक्टर नगर निगम कमिश्नर और महापौर सहित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर सफाई कर्मियों के सम्मान में स्वच्छता अभियान चलाया। यह अभियान इसलिए चलाया गया क्योंकि सफाई कर्मी गोगा नवमी के अगले दिन यानी बुधवार को छुट्टी पर हैं। देश के स्वच्छ शहरों में नंबर वन पर आने वाला इंदौर अपने कई विशेषताओं के लिए भी जाना जाता है। जब गोगा नवमी के अगले दिन सफाई कर्मी यहां छुट्टी पर रहते हैं तो कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर, सहित आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी सड़क पर सफाई करने उतर जाते हैं। बुधवार को ऐसी ही तस्वीर इंदौर में देखने को मिली। यहां पर सुबह से ही शहर के प्रथम नागरिक पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर अभिलाष मिश्रा शाहिद शहर के विभिन्न समाजसेवी संगठनों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी सड़क पर झाड़ू लेकर उतर गए।

कलेक्टर ने भी झाड़ू निकालकर सफाई कर्मियों का हौसला बढ़ाया। कलेक्टर आशीष सिंह कहा कि एनजीओ संस्था, विभिन्न संगठन द्वारा आज सफाई अभियान किया जा रहा है। सफाई कर्मी उनके आराध्य देव गोगा जी के जन्मोत्सव के तहत अवकाश पर होने की वजह से सफाई अभियान अवरुद्ध न हो, इसके लिए सभी लोग जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कलेक्टर ने यह कहा कि सफाई रखना सभी की जिम्मेदारी है। इंदौर को इस बार भी नंबर वन पर लाना है।

पीजी हॉस्टल में देह व्यापार

नौकरी के नाम पर महिलाओं से कराया जा रहा था गंदा काम, वीडियो बनाकर करते थे ब्लैकमेल

गाजियाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। यह गंदा काम जिले के साहिबाबाद के एक पीजी हॉस्टल में चल रहा था। पुलिस ने हॉस्टल संचालिका समेत 4 व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। वहीं हॉस्टल से चार महिलाओं का रेस्क्यू किया गया है। यहां महिलाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर उन्हें इस गंदे धंधे में धकेला जाता था। पुलिस ने छापेमारी की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि पीजी हॉस्टल के भीतर महिलाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर बुलाया जाता है, फिर उनके अश्लील वीडियो बनाकर महिलाओं को ब्लैकमेल किया जाता था। उन्हें जबरन गलत काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि कस्टमर ढूंढने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल किया जाता था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की तस्वीर भेज कर उनके शरीर के रेट फिक्स किए जाते थे। साहिबाबाद के पास इलाके के एक हॉस्टल में देह व्यापार का काम चल रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने इस हॉस्टल से चार महिलाओं को भी रेस्क्यू किया है। रेस्क्यू की गई महिलाओं ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि वह सभी नौकरी की तलाश में यहां पर आई थी। लेकिन उन्हें ब्लैकमेल कर इस गंदे काम में धकेल दिया गया। पुलिस ने सभी महिलाओं को जांच के लिए चिकित्सालय भेज दिया है। इस अवैध व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को हॉस्टल की तलाशी के दौरान हॉस्टल के अंदर से आपत्तिजनक सामग्री के साथ चार महिलाएं भी मौके से मिली है। महिलाओं ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह काम के सिलसिले में हॉस्टल संचालिका से मिलने आई थी। हॉस्टल संचालिका ने उन्हें काम दिलाने के बहाने पहले उनकी अश्लील वीडियो क्लिप बना ली, फिर उन्हें वीडियो को दिखाकर ब्लैकमेल करते हुए इस देह व्यापार में धकेल दिया।

द प्रेग्नेंसी बाइबल पर करीना का हाईकोर्ट में जवाब धार्मिक भावनाएं आहत करने की मंशा नहीं थी

जबलपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री करीना कपूर ने अपनी किताब 'द प्रेग्नेंसी बाइबल' पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा कि किताब के शीर्षक से किसी भावनाओं को आहत नहीं किया गया है। न ही उनकी ऐसी कभी मंशा रही है। दरअसल, किताब के टाइटल को आपत्तिजनक बताते हुए करीना के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग याचिका में की गई थी। इस पर करीना कपूर खान की तरफ से मंगलवार को जवाब दाखिल किया गया। हाईकोर्ट जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने जवाब को रिकॉर्ड में लेने का आदेश दिया। साथ ही याचिका पर अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की है। दरअसल, जबलपुर के एडवोकेट क्रिस्टोफर एंथोनी ने 2022 में 'करीना कपूरः द प्रेग्नेंसी बाइबल' किताब के टाइटल पर आपत्ति उठाई थी। याचिका में कहा गया था कि बाइबल ईसाई समुदाय की धार्मिक किताब है। इसके कारण इस किताब से समुदाय विशेष की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। याचिका में मांग की गई थी कि करीना कपूर के खिलाफ धारा- 294, 295 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया जाए। साथ ही किताब की बिक्री पर रोक लगाई जाए। हाईकोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए करीना कपूर खान को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने उन्हें जवाब पेश करने अंतिम बार समय दिया था।

हिटलर के बाद यदि कोई तानाशाह हुआ है तो वह बंगाल की सीएम ममता बनर्जी': कैलाश विजयवर्गीय

नागपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। 'हिटलर के बाद यदि कोई तानाशाह हुआ है तो वह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। ममता बनर्जी और वहां की सरकार का विरोध करने वालों को कुचला जाता है। यह बहुत शर्म की बात है कि जहां महिला मुख्यमंत्री हो और वहां महिला सुरक्षित नहीं है।' ये बातें मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेता कैलाश विजयवर्गीय ने नागपुर में कही। उन्होंने मंगलवार को हुए लाठीचार्ज की घटना की निंदा की और कहा कि एक दिन बंगाल में प्रजातंत्र लौटेगा। विजयवर्गीय ने कहा,'पश्चिम बंगाल में पुलिस और असमाजिक तत्व और राजनेताओं का नेक्सस काम कर रहा है, वहां पर रेपिस्ट पुलिस की मोटरसाइकिल पर घूम रहा था, वह स्वयं सामाजिक पुलिस का सदस्य है ,पुलिस का व्यक्ति अगर रेपिस्ट हो तो महिलाओं के सुरक्षा वहां कैसे होगी? यह बहुत शर्म की बात है कि जहां महिलाएं सीएम हो वहां महिला सुरक्षित नहीं, वहां की सीएम अपराधियों के साथ है। ऐसे सीएम को कुर्सी पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। आज के समय में हिटलर के बाद कोई तानाशाह हुआ है तो वो ममता बनर्जी हैं। ना खाता ना बही वहां ममता जो कहे वही सही। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि बंगाल में डेमोक्रेसी नहीं है, वहां तानाशाही है। ममता बनर्जी का विरोध करने वाले, सरकार का विरोध करने वालों को कुचला जाता है, वहां पर युवाओं पर अत्याचार हुआ, लाठीचार्ज हुआ, उसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने बंद का आह्वान किया है, उम्मीद है एक दिन प्रजातंत्र लौटेगा। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी तैयारी शुरू कर दी है,आज भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी में जोश भरने के लिए एवं कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र बताने के लिए मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय नागपुर पहुंचे। वे सबसे पहले आरएसएस के रेशम बाग स्थित डॉक्टर हेडगेवार स्मृति भवन पहुंचे डॉक्टर हेडगेवार की प्रतिमा को पुष्प अर्पण एवं अभिवादन करने के बाद के बाद कैलाश विजयवर्गीय का काफिला दीक्षा भूमि पहुंचा। दीक्षाभूमि वह जगह है जहां पर 1956 में डॉ बाबासाहेब अंबेडकर ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। लाडली बहन योजना के संबंध में पूछे गए सवाल का उत्तर देते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पार्लियामेंट में उनके लिए सिर्फ चार जातियां हैं। महिला ,युवक ,किसान, गरीब इन चारों की सशक्तिकरण के लिए काम किया जा रहा है।

हाईकोर्ट से बनभूलपुरा के 50 आरोपियों को एक साथ मिली जमानत, 6 महिलाएं भी शामिल

नैनीताल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुई हिंसा के मामले में 50 आरोपियों को जमानत दे दी है, जिनमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं। कोर्ट ने शनिवार को हुई सुनवाई के दौरान फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के निर्देश पर जमीयत उलेमा हल्द्वानी की शाखा शुरू से प्रयासरत थी। मामले में सुप्रीम कोर्ट की सीनियर एडवोकेट नित्या रामा कृष्णन के नेतृत्व में पैरवी की गई थी। हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही थी। अभी शेष आरोपियों की जमानत के लिए भी कार्यवाही जारी है। बता दें कि, इस वर्ष आठ फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन और पुलिस की टीम पर पथराव, आगजनी और गोलीबारी आदि हुई थी। शाम चार बजे शुरू हुई हिंसा देखते ही देखते पूरे इलाके में फैल गई थी। लोगों ने थाने के बाहर खड़े पुलिस और मीडिया कर्मियों के दर्जनों वाहनों को आग लगा दी थी। घटना में कई लोग मारे गए थे और 100 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हो गए थे।

स्थिति की गंभीरता देखते हुए इलाके में कर्फ्यू भी लगाया गया था। हिंसा के दौरान नगर निगम और अनेक सरकारी संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ। नगर निगम ने मामले में मुख्य आरोपी रहे अब्दुल मलिक को नुकसान की भरपाई के लिए वसूली नोटिस भेजा। अब्दुल मालिक और उसकी पत्नी साफिया मलिक लंबे समय तक फरार रहे। बाद में उन्हें और और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया था।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 29 अगस्त- 2024

हम साथ-साथ

पिछले महीने जब पीएम मोदी ने रूस की यात्रा की थी, तब टाइमिंग को लेकर दुनिया भर में तो ठीक, अमेरिका में भी सवाल उठने लगे थे। अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और पीएम मोदी की फोन पर वार्ता हुई, जो गौर करने लायक है। इसी के साथ ये स्पष्ट हो गया कि भारत-अमेरिका साथ-साथ हैं। दोनों के बीच हुई फोन वार्ता पर गहन नजरिए से देखें तो हाल की पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा की सार्थकता ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आती है। पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा ने उन गलतफहमियों को भी खत्म कर दिया है, जो रूस यात्रा के बाद खास तौर पर पश्चिमी हलकों में दिखाई देने लगी थीं। पीएम मोदी की रूस यात्रा अमेरिका में नैटो देशों की प्रस्तावित बैठक के ठीक पहले हुई थी, दूसरे वह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हुई उनकी पहली विदेश यात्रा होने की वजह से भी काफी अहम मानी जा रही थी। ऐसे में अमेरिका की आशंका स्वाभाविक हो सकती थी। यहां तक कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी तब पीएम मोदी की रूस यात्रा पर खुले रूप में नाराजगी जताई थी। बहरहाल, सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पहल पर हुई फोन वार्ता इस बात का साफ संकेत है कि दोनों के बीच जो भी गलतफहमियां रही हों, वे पूरी तरह से मिट चुकी हैं। बता दें कि भारत पहले दिन से ही अपने इस रुख पर अडिग रहा है कि वह बातचीत के जरिए जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के पक्ष में है। पीएम मोदी ने रूस में राष्ट्रपति पूतिन से भी कहा था कि युद्ध के मैदान से कोई स्थायी समाधान नहीं निकलने वाला है। यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी यही सुझाव दिया कि जल्द शांति स्थापित करने के लिए वह रूस से बातचीत शुरू करें। दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना कई लिहाज से अहम है। अपने पड़ोस का यह मुल्क जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसे लेकर आशंकाएं होना स्वाभाविक हैं। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों देशों का अपनी चिंताएं साझा करना काफी अहम मायने रखता है। पीएम मोदी की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मसला उठाना जाहिर करता है कि वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद इस मामले में भारत की चिंता दूर नहीं हुई है। जिस तरह से तथ्यों के विपरीत जाकर बांग्लादेश के कुछ नेता बाढ़ के लिए भारत को दोषी ठहराने की कोशिश कर रहे थे, वह भी बताता है कि वहां भारत के खिलाफ माहौल बनाने वाले तत्व अभी भी सक्रिय हैं। बहराल, दोनों देशों के नेताओं की यह फोन वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब कुछ ही दिनों बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान मोदी और बाइडन मिलने वाले हैं। उसी बीच, क्वॉड देशों की बैठक भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों में हो रही प्रगति की भी समीक्षा भी की। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस टेलीफोनिक बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों की प्रगाढ़ता स्पष्ट रूप से झलकती है, जिसे दुनिया ने भी देखा और सुना।

क्या झारखंड में भी सफल होगा ऑपरेशन लोटस ?

अशोक भाटिया

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। वह 30 अगस्त को झारखंड की राजधानी रांची में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा और सीएम हेमंत सोरेन से नाराजगी की खबरों के बीच चंपई सोरेन सोमवार को दिल्ली पहुंचे और देर रात उनकी मुलाकात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई। इसी मुलाकात में उनके भाजपा में शामिल होने का रास्ता भी साफ हो गया। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झटका देकर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन को भाजपा के साथ जोड़ने में अहम भूमिका निभाने वाले असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड प्रदेश के चुनाव सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने उनके भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, चंपई सोरेन और अपनी मुलाकात की तस्वीर को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के प्रतिष्ठित आदिवासी नेता चंपई सोरेन जी ने थोड़ी देर पहले माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। वह 30 अगस्त को रांची में आधिकारिक तौर पर भाजपा में शामिल होंगे। इसी के साथ मीडिया में चल रही यह खबर भी गलत साबित हो गई कि झारखण्ड में भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' असफल हो गया ।अब पाठक गण यह सोचेंगे कि 'ऑपरेशन लोटस' क्या है । 'ऑपरेशन लोटस' 2008 में बनाया गया एक शब्द है। भारतीय जनता पार्टी को बहुमत दिलाने के लिए जब कर्नाटक राज्य के पूर्व मंत्री जी. जनार्दन रेड्डी ने दलबदल विरोधी कानून को दरकिनार कर विधायकों से समर्थन हासिल करने के लिए एक खास तरीका इस्तेमाल किया, तब इस तरीके को ऑपरेशन कमल या ऑपरेशन लोटस नाम दिया गया। तब से जहाँ भी भाजपा के लिए दलबदल होता है, उसे राजनीतिक हलकों में ऑपरेशन लोटस की संज्ञा देने का रिवाज बन गया है ।ज्ञात हो कि राज्यसभा चुनाव के लिए हो रहे मतदान के वक्त हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर संकट के बादल छा गए थे। ऊपरी सदन के लिए सांसद चुने जाने के दौरान कांग्रेस के छह विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी, इसके कारण कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी हार गए लेकिन बात सिर्फ एक राज्यसभा सीट की नहीं थी। कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग से सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार खतरे आ गई थी। ऐसा लगने लगा था कि बागी विधायकों का गुट भाजपा में जा मिलेगा और कांग्रेस अल्पमत में आ जाएगी हालांकि ऐसा हुआ नहीं।जाहिर है पिछले 10 वर्षों से केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा कई गैर-भाजपा शासित राज्यों में बिना चुनाव जीते सरकार बना चुकी है। आइए ऐसी घटनाओं पर एक नजर डालते हैं:2014 के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 11 सीटें जीतीं, कांग्रेस को 42, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल को 5 और निर्दलीयों के हिस्से दो सीटें गईं लेकिन दो वर्षों में यह संख्या बदल गई। भाजपा के सीटों की संख्या 48 और कांग्रेस के सीटों की संख्या एक हो गई। पीपीए के पास नौ सीटें हो गईं और निर्दलीय दो ही रहे। थोक दलबदल, राष्ट्रपति शासन, एक पूर्व मुख्यमंत्री की मृत्यु, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और तमाम अन्य घटनाओं के बाद अंततः भाजपा ने सत्ता हासिल कर ली.

2014 में ही झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 35 सीटें और उसकी सहयोगी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन ने 5 सीटें जीतीं। जाहिर है उनके पास बहुमत नहीं था। ऐसे में उन्होंने कुछ निर्दलीय सदस्यों को अपने पक्ष में कर लिया। साथ ही झारखंड विकास मोर्चा के 8 में से 6 विधायकों को अपने पाले में किया।बिहार की 2015 की घटना है. 2014 लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार एनडीए से अलग हो गए थे। उन्होंने 2015 का चुनाव राजद और कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था। उस चुनाव में राजद सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। दो साल तक महागठबंधन में सरकार चलाई लेकिन 2017 में भाजपा ने नीतीश कुमार को अपनी तरफ कर लिया और सरकार में आ गयी। बाद में नीतीश फिर राजद से जुड़े लेकिन 2024 के पहले महीने से वह एक बार फिर भाजपा के साथ मिल गए।2017 में गोवा की कुल 40 सीटों में से भाजपा सिर्फ 13 सीटें जीती थी। नतीजों की घोषणा के बाद उन्होंने उन छोटे स्थानीय दलों के साथ गठबंधन किया जिन्होंने खुले तौर पर उनके खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस तरह वह सबसे बड़ी पार्टी बन गए और सरकार बना ली। कांग्रेस को 17 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा।मणिपुर में 2017 में भाजपा ने 60 में से 21 सीटें जीतीं जबकि कांग्रेस को 28 सीटें मिलीं लेकिन भाजपा ने दो स्थानीय पार्टियों नेशनल पीपुल्स पार्टी और नागा पीपुल्स फ्रंट और अपनी सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी के एक अकेले विधायक को अपने पाले में कर सरकार बनाने का दावा किया। राज्यपाल नजमा हेपतुल्ला ने पहले भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। बता दें कि हेपतुल्ला पहले भाजपा सांसद थीं।2018-19 में कर्नाटक में सत्ता हथियाने के लिए दो भाजपा को दो बार कोशिश करनी पड़ी। पहली कोशिश 2018 में की जो असफल रही। 224 सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी के 104 विधायक जीते थे, यानी पार्टी बहुमत से चूक गई थी लेकिन गुजरात के पूर्व भाजपा विधायक वजुभाई वाला ने राज्यपाल के रूप में कांग्रेस-जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन को नजरअंदाज करते हुए, भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। हंगामा हुआ तो सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया और अगले दिन फ्लोर टेस्ट की घोषणा हुई। येदियुरप्पा ने सदन में हार का सामना करने के बजाय इस्तीफा दे दिया और राज्य में कांग्रेस-जेडीएस की सरकार बनी। हालांकि एक साल बाद ही खेल पलट गया। अचानक कांग्रेस के 13, जेडीएस के 3 और कर्नाटक प्रज्ञवंता जनता पार्टी के एक विधायक ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। सरकार अल्पमत में आ गई और इस तरह भाजपा बहुमत करने में सफल रही। राज्य में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार गिर गई और येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सत्ता में वापस आ गई। वर्तमान में कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और आज भी कांग्रेस आरोप लगाती है कि भाजपा 'ऑपरेशन लोटस' के तहत हमारे विधायकों को बरगला रही है ।हरियाणा में 2019 के विधानसभा चुनावों में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने अपना बहुमत खो दिया था। भाजपा को 90 सदस्यीय सदन में 40 सीटें ही प्राप्त थीं। ऐसे में भाजपा ने जननायक जनता पार्टी को चुनाव के बाद गठबंधन का ऑफर दिया जबकि जेजेपी ने अपने चुनाव अभियान में भाजपा पर गंभीर हमला किया था। जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री बनाया गया और बीजेपी सत्ता में वापस आ गई।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2018 में कांग्रेस की जीत हुई थी। कमलनाथ मुख्यमंत्री बने थे लेकिन दो साल के भीतर ही कांग्रेस के विधायकों के एक वर्ग को लुभाकर, भाजपा ने अपनी तरफ कर लिया। कांग्रेस की सरकार अल्पमत में चली और मार्च 2020 में कमलनाथ को पद छोड़ना पड़ गया। इसके बाद राज्य में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी ।महाराष्ट्र में 2019 में भी इस तरह की कोशिश हुई थी। तब विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा-शिवसेना ने बहुमत हासिल किया लेकिन मुख्यमंत्री पद किसे मिलेगा इस पर दोनों में मतभेद हो गया। हफ्तों की उथल-पुथल और विधायकों को होटलों में छुपाने के बाद 22 नवंबर की रात को शिवसेना, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के बीच अजीब गठबंधन हुआ लेकिन अगली सुबह भाजपा ने राकांपा के अजीत पवार को विपक्षी गठबंधन छोड़ने और कथित तौर पर 54 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होने के लिए मना लिया।

अराजकता की नई बस्ती बांग्लादेश

संजीव ठाकुर

विगत दिनों बांग्लादेश में वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटते ही छात्रों की संघर्ष समिति के कुछ नेताओं के साथ मोहम्मद यूनुस में अंतरिम सरकार का गठन कर लिया है छात्र नेताओं को भी मंत्री परिषद में स्थान दिया गया। शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के सर्वे सर्वा बनाए गए हैं मोहम्मद यूनुस को जो अर्थशास्त्री भी है शांति के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था पर उनके नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन और विद्रोह कर सत्ता हथयाई गई, इस विद्रोह को हथियारों से युक्त सेना का समर्थन प्राप्त था और इस हिंसा में सैकड़ो लोगों की हत्या कर दी गई। कायदे से मोहम्मद यूनुस से बांग्लादेश में अराजकता तथा हिंसा करवाने के परिपेक्ष में शांति का नोबेल पुरस्कार या तो उन्हें वापस दे देना चाहिए या उनसे नोबेल पुरस्कार वापस लिया जाना चाहिए। बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाने में छात्रों के अलावा जमात ए इस्लामी आतंकवादी संगठन ने मोहम्मद यूनुस का बहुत साथ दिया था किंतु अब मोहम्मद यूनुस के अंतिम प्रधानमंत्री बनने के साथ-साथ इस संगठन से प्रतिबंध हटा दिए जाने के फलस्वरूप जेल में बंद इनके शागिर्दों को जेल से रिहा कर दिया गया। बताया जाता है कि बांग्लादेश में देश के गठन के बाद यह दूसरी क्रांति अमेरिका,चीन तथा पाकिस्तान के इशारे पर की गई है। बांग्लादेश में आतंकवाद अब पूरी तरह से सिर उठाने लगा है, जमात ए इस्लामी से प्रतिबंध हटते ही वर्तमान मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर दिया है हिंसा की कई घटनाएं हुई है आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी जारी है छात्र संगठनों में भी दो ग्रुप हो गए हैं और एक छात्र संगठनों का ग्रुप मोहम्मद यूनिस सरकार का घोर विरोधी बनाकर आंदोलन कर रहा है। पाकिस्तान की तर्ज में बांग्लादेश में भी सत्ता परिवर्तन होते ही हिंदुओं का बड़ी संख्या में वध किया गया एवं मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। इसमें दो मत नहीं कि यदि बांग्लादेश भी उग्रवादियों आतंकवादियों के कब्जे में चला जाता है तो उसका विकास तेजी से अवरुद्ध हो जाएगा और वह पाकिस्तान की तरह आर्थिक रूप से कमजोर एवं पिछड़ा राष्ट्र बन कर रह जाएगा। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही क्योंकि शेख हसीना ने भारत में शरण ली है फ़ौरी तौर पर बांग्लादेश को शेख हसीना की भारत के प्रति अनुराग एवं मित्रता पसंद नहीं आई होगी। आतंकवादी संगठन जमात ए इस्लामी ने फिर बांग्लादेश में उपद्रव मचाना शुरू कर दिया है। अराजकता और आतंकवादी संगठनों का बांग्लादेश अब एक नया ठिकाना बन गया है चीन और अमेरिका भी इसे अपनी नई बस्ती बनाना चाहते हैं निश्चित तौर पर भारत के लिए यह शुभ संकेत नहीं है पाकिस्तान व चीन स्वतंत्रता के बाद से भारत के पारंपरिक दुश्मन रहे है पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन अभी भी जम्मू कश्मीर में लगातार हिंसा एवं वारदात करने में लगे हुए हैं। अब बदले हुए बांग्लादेश का शासन तंत्र भारत के पक्ष में नहीं होगा ऐसी स्तिथि में भारत अब अनेक पड़ोसी दुश्मन देशों से घिरा हुआ रहेगा फल स्वरुप भारत की सीमा सुरक्षा पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है ऐसे में भारत को अंदरुनी तथा सीमा पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रख चाक चौबंद व्यवस्था रखनी होगी। भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत को धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार ,भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। इनमें चीन और पाकिस्तान को छोड़कर सभी देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रतिनिधि मोदी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सद्भावना पूर्वक शामिल होने आए थे। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए ,जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है। मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं।

आरक्षण की बैसाखी : न टूटे , न छूटे

अजय कुमार झा

पूरी दुनिया आज विश्व के सामने आ रही चुनौतियों , समस्याओं के लिए अपने अपने स्तर पर शोध , खोज , विमर्श कर रहे हैं , इससे इतर कुछ मज़हबी कट्टरता से दबे देशों का समूह लगा हुआ है अपने विध्वसंकारी मंसूबों को पूरा करने में। इन सबसे अलग भारत जो अब विश्व के प्रभावशाली देशों में शामिल है, वहां की राष्ट्रीय राजनीति के बहस , मंथन का विषय है -आरक्षण व्यवस्था। दुखद आश्चर्य है कि देश की स्वतंत्रता के सत्तर वर्ष के पश्चात भी आज भारतीय समाज , राजनीति , जातियों का निर्धारण , पुनर्निर्धारण, वर्गीकरण अंततः आरक्षण व्यवस्था के इर्द गिर्द ही घूम रहे हैं । सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं में योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति का फैसला और फिर उसे आरक्षण व्यवस्था के अनुरूप न पाए जाने को लेकर हाल ही में रद्द की गई लेटरल भर्ती योजना की बात हो या फिर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में निर्णीत एक वाद के आदेश की मुखालफत का जिसमें माननीय अदालत ने वर्षों से चली आ रही आरक्षण व्यवस्था के अभी तक के परिणामों प्रभावों का आकलन विश्लेषण करके आइना दिखा दिया था और इस आदेश की प्रतिक्रिया का हाल ये रहा कि केंद्र सरकार और स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा आरक्षण व्यवस्था को किसी भी प्रकार से कमजोर न किए जाने की बात कहने के बावजूद भी देश भर में हड़ताल बंद और प्रदर्शन किया गया। देश का सबसे पुराना राजनैतिक दल और अब विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी अपनी अतार्किक बातों, बयानों में जिस तरह से सरकार से एक एक व्यक्ति की जाति पूछने बताने के बालहठ पर अड़े हैं, उसकी गंभीरता इसी बात से समझी जा सकती है कि वे भारतीय सुंदरियों की विजेताओं की सूची में जाति तलाश रहे थे और कोई भी आरक्षित जातियों में से क्यों नहीं है , ये सवाल उठा रहे थे। कुछ वर्षों पूर्व बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी क्रिकेट तथा अन्य खेलों में आरक्षण व्यवस्था को लागू करने की बात कही थी। ये बातें , बयान , और सोच बताते हैं कि दलितों , वंचितों शोषितों के सामाजिक उत्थान तथा अवसरों में समानता संतुलन के लिए बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जिस आरक्षण व्यवस्था की कल्पना की थी , ये उससे कहीं दूर और अलग है। देश में पचास वर्षों से अधिक सत्ता और शासन में बैठी कांग्रेस और इसके नेता वर्तमान में सबसे बड़ी वैचारिक दरिद्रता से गुजर रहे हैं इसलिए लगातार तीन चुनावों में बुरी तरह हारने के बावजूद भी देश को जबरन जातीय जनगणना करके दिखाने का दवा कर रहे हैं।

बंगाल पर महिला नेताओं की चुप्पी शर्मनाक

राजेश कुमार पासी

राजनीति में हर वर्ग अपना प्रतिनिधित्व चाहता है ताकि उसकी आवाज व्यवस्था तक पहुंच जाए । राजनीति में अगर आपका संतोषजनक प्रतिनिधित्व है तो आप खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि आपको लगता है कि आपके साथ अगर कुछ गलत होगा तो आपको न्याय दिलाने के लिए आपके वर्ग के लोग खड़े हो जाएंगे। आपको जब राजनीति में समुचित प्रतिनिधित्व हासिल होता है तो आपको अपने हित सुरक्षित महसूस होते हैं। हमारे देश में बहुदलीय राजनीतिक व्यवस्था है जिसके कारण जनता के प्रतिनिधि जनता के न रहकर अपनी पार्टियों के गुलाम बन जाते हैं। सभी सांसद, विधायक और अन्य पदाधिकारी पार्टी लाइन से अलग हटकर न तो बोलते हैं और न ही कुछ करते हैं। जिन लोगों ने उन्हें चुनकर भेजा होता है वो खुद को ठगा सा महसूस करते हैं जब ये लोग उनके लिए खड़े नहीं हो पाते हैं। महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में महिला आरक्षण कानून पास किया है, जो 2026 से लागू हो जाएगा । अब 33% महिलाएं लोकसभा और विधानसभा की सदस्य बन जाएंगी। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि महिलाओं के हितों की आवाज महिलाएं उठा सकें। इसके पीछे सोच यह है कि महिलाएं ही महिलाओं का दर्द अच्छी तरह से समझ सकती हैं। यही कारण है कि एससी-एसटी समाज को राजनीति में आरक्षण दिया गया है ताकि वंचित समाज के लोगों के हितों की आवाज राजनीति में दबाई न जा सके और ये लोग समाज की लड़ाई लड़े । इसके पीछे भी यही सोच है कि इस समाज से आने वाले लोग अपने समाज का दर्द अच्छी तरह से समझते हैं और ये लोग उनका दुख दर्द दूर करने में मददगार साबित होंगे। दिल्ली के निर्भया केस के बाद कोलकाता का अभया रेप कांड बहुत महत्वपूर्ण घटना है क्योंकि इसने निर्भया कांड की तरह पूरे देश की जनता को सड़को पर आने के लिए मजबूर कर दिया है। जितनी बेरहमी, बर्बरता और पशुता के साथ दिल्ली में निर्भया का रेप किया गया था, वैसा ही कोलकाता में अभया के साथ किया गया है। निर्भया की मौत बाद में हुई थी लेकिन अभया तो घटना के दौरान ही संसार को छोड़ गई लेकिन इन दोनों घटनाओं में एक बड़ा अंतर है, जब दिल्ली में निर्भया के साथ ऐसा हुआ था तो पुलिस और शीला दीक्षित की सरकार ने बहुत संवेदनशीलता के साथ मामले में कार्यवाही की थी। निर्भया को इलाज के लिए सिंगापुर भेजा गया और मौत के बाद उसके मृत शरीर को लेने के लिए पूरी सरकार एयरपोर्ट पर खड़ी हुई थी। बलात्कारियों को तत्परता के साथ गिरफ्तार करके कानून के हवाले किया गया था।

दूसरी तरफ बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने अभया के साथ हुई दरिंदगी के मामले को दबाने की पूरी कोशिश की है । सुप्रीम कोर्ट में एक न्यायाधीश ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि मैंने अपने तीस साल के करियर में ऐसी लापरवाही नहीं देखी । इससे पता चलता है कि ममता बनर्जी के प्रशासन ने कितनी घोर लापरवाही के साथ मामले को संभाला है। सीबीआई का कहना है कि हमें पांच दिन बाद मामला सौंपा गया है और सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई है जिसके कारण हमारे लिए जांच करना मुश्किल हो रहा है। सर्वोच्च अदालत में इस मामले को लेकर हुई बहस में बंगाल सरकार के लिए माननीय न्यायाधीशों के सवालों के जवाब देना मुश्किल हो रहा था । कितने ही सवालों पर मिले जवाब के कारण बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट की झाड़ पड़ी है। बंगाल सरकार की लापरवाही के कारण हो रहे विरोध के कारण ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया और पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मामले में एफआईआर दर्ज की । मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष को बचाने की कोशिश नजर आती है । विरोध प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों की टीम पर हजारों गुंडों की भीड़ ने हमला कर दिया ताकि उन्हें विरोध प्रदर्शन से रोका जा सके । रेप कांड के विरोध में सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहे लोगों को बंगाल पुलिस ने नोटिस जारी किये और कई लोगों के खिलाफ कार्यवाही की गई । इससे पता चलता है कि न केवल मामले को दबाने की कोशिश की गई बल्कि जनता की अभिव्यक्ति की आजादी भी खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है ।

अब सवाल उठता है कि एक महिला डॉक्टर की बड़ी बेदर्दी के साथ बलात्कार और हत्या की गई और राज्य सरकार ने बेहद लापरवाही के साथ मामले में कार्यवाही की है लेकिन पूरे देश की महिला नेताओं ने एक आवाज में इसका विरोध क्यों नहीं किया। किसी महिला नेता की स्वतंत्र आवाज सुनाई नहीं दी । बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार चल रही है जो कि इंडी गठबंधन का हिस्सा है इसलिए विपक्ष की सभी पार्टियां इस मामले पर चुप हैं। विपक्ष के जिन नेताओं ने इस घटना पर अपना बयान दिया है उन्होंने इस घटना को दूसरी घटनाओं से जोड़ दिया है।

इन्क्वायरी का नया एपिसोड

सुरेश मिश्रा

एक दिन पुराने शहर के पास एक पुलिस स्टेशन में बड़ा हंगामा हो गया। सब इंस्पेक्टर साहब अपनी कुर्सी पर बैठे चाय सुड़क रहे थे, और बाकी कांस्टेबल टाइम-पास में लगे थे। अचानक, एक आदमी तेजी से अंदर घुसा और जोर से चिल्लाया, साहब, हमारे साथ बड़ा ज़ुल्म हो गया! हमें इंसाफ़ चाहिए!

सब इंस्पेक्टर साहब ने चाय का कप नीचे रखा और उस आदमी की तरफ देखा। अरे भाई, चिल्लाने से कौन सा लड्डू मिलेगा? आराम से बोल, क्या मसला है?

वो आदमी हांफते हुए बोला, साहब, हमारे रास्ते में कुत्ते ने रास्ता काट दिया!

पुलिस स्टेशन में बैठे सब लोग हंसने लगे। अरे मियाँ, कौन सा कुत्ता? और क्यों काटा? तुम्हारे साथ क्या ज़ुल्म हो गया?

वो आदमी थोड़ा झिझकते हुए बोला, ₹साहब, ये मामला सीरियस है। जब हम अपने दोस्त के घर जा रहे थे, तब रास्ते में एक कुत्ता आ गया और रास्ता क्रॉस कर दिया। आप तो जानते ही हैं, कुत्ते का रास्ता काटना बड़ा अपशगुन होता है!

सब इंस्पेक्टर ने हैरानी से पूछा, अच्छा! तो फिर क्या हुआ?

वो आदमी फुल ड्रामा में आकर बोला, ₹साहब, हम जैसे ही अपने दोस्त के घर पहुँचे, तो पहले तो उन्होंने हमें अंदर बिठाया। फिर अचानक उनका एक हट्टा-कट्टा आदमी आया और हमें 7-8 थप्पड़ मार दिए। ये सब उस कुत्ते के अपशगुन का नतीजा है!

पुलिस स्टेशन में हंसी का माहौल बन गया। सब इंस्पेक्टर साहब ने सिर खुजाते हुए कहा, अरे मियाँ, तुम हमें कॉमेडी दिखाने आए हो क्या? तुम्हारे दोस्त के घर पर थप्पड़ खाने का और रास्ते में कुत्ते का रास्ता काटने का क्या कनेक्शन है?

वो आदमी अपनी बात पर अड़ा रहा, साहब, यही तो हम कह रहे हैं। कुत्ता रास्ता क्रॉस करे तो बड़ा अपशगुन होता है। आपको एक्शन लेना चाहिए! सब इंस्पेक्टर साहब ने खीझते हुए कहा, भाई, अगर तुझे कुत्ता रास्ता क्रॉस करता दिखा था, तो थोड़ी देर रुक जाता न! या फिर उल्टा घूम कर अपने घर चले जाता।वो आदमी फिर ज़ोर से बोला, साहब, अगर हम रुक जाते तो हमारे साथ और बड़ा अपशगुन हो जाता। सब इंस्पेक्टर साहब ने फिर पूछा, अच्छा, ये बता और क्या-क्या हुआ? वो आदमी गहरी सांस लेते हुए बोला, साहब, उसके बाद तो और बड़ा कांड हो गया। हमें ज़ोर से धक्का मारकर कुर्सी से गिरा दिया। हमारी शर्ट के बटन तक टूट गए। ये सब उस कुत्ते के कारण हुआ!

सब इंस्पेक्टर ने सिर पर हाथ मारते हुए कहा, अरे मियाँ, ये तो तेरी शर्ट में पहले से बटन ही नहीं थे, तुझे क्या पता? अब ये कुत्ते का मामला कैसे हुआ?

वो आदमी अड़ गया, साहब, हमारी शर्ट में बटन थे, वो तो कुत्ते के कारण ही टूटे। आप जांच करवा लो!

सब इंस्पेक्टर साहब हंसते हुए बोले, अरे मियाँ, अब इस मामले में क्या जांच कराएं? तुम जैसे लोग हर बात को तिल का ताड़ बनाते हो। तुम्हारे शर्ट के बटन टूट गए तो क्या हुआ, नया सिलवा लो। लेकिन अब ये कुत्ते का अपशगुन वाला ड्रामा बंद करो।

वो आदमी गुस्से में बोला, साहब, आप हमारी बात नहीं समझ रहे। ये तो बहुत बड़ा अपमान है, हमें इंसाफ चाहिए!

सब इंस्पेक्टर साहब ने गहरी सांस लेते हुए कहा, भाई, तुझे इंसाफ चाहिए या बटन सिलवाने वाला दर्जी? हमारी तरफ से इंसाफ ये ही होगा कि तू जा कर नई शर्ट सिलवा ले और इस कुत्ते वाले मसले को भूल जा।

पुलिस स्टेशन के लोग हंसी-मजाक करते हुए उस आदमी को बाहर कर देते हैं। वो आदमी बाहर जाते हुए बोलता है, देख लेना, एक दिन ये कुत्ते का अपशगुन पूरे मोहल्ले का मसला बनेगा, तब सब को पता चलेगा! सब इंस्पेक्टर साहब हंसी में चाय का घूंट लेकर बोलते हैं, अरे भाई, अब तू जा, और अपने बटन का इंतज़ाम खुद कर। वरना कल फिर कोई नया कुत्ता रास्ता काटेगा और तू फिर आ जाएगा।

गुरुवार और एकादशी का योग

अजा एकादशी पर भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण के साथ करें गुरु ग्रह की पूजा, शिवलिंग पर चढ़ाएं पीले फूल

गुरुवार, 29 अगस्त को भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी है, इसका नाम अजा है। गुरुवार को एकादशी होने से इस दिन भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण के साथ ही देवगुरु बृहस्पति की पूजा का शुभ योग बन रहा है।अजा एकादशी पर किए गए व्रत-उपवास से भगवान विष्णु की कृपा से भक्तों की मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो सकती हैं। जानिए इस एकादशी पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

एकादशी की सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य चढ़ाकर दिन की शुरुआत करें। इसके लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करेंगे तो बेहतर रहेगा। जल में लाल फूल और चावल भी डाल लेना चाहिए। जल चढ़ाते समय ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें।

घर के मंदिर में भगवान विष्णु, महालक्ष्मी और श्रीकृष्ण की पूजा करें। पूजा में देवी-देवताओं का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करें। इसके लिए शंख में केसर मिश्रित दूध भरें और भगवान की प्रतिमाओं को स्नान कराएं। हार-फूल और नए लाल-पीले वस्त्रों से श्रृंगार करें। तुलसी के साथ मिठाई और माखन-मिश्री का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती हैं। कृं कृष्णाय नमः और ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

ज्योतिष में गुरु ग्रह को गुरुवार का कारक माना जाता है। ये ग्रह धनु और मीन राशि का स्वामी है। इस ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। जिन लोगों की कुंडली में गुरु ग्रह से जुड़े दोष हैं, उन्हें हर गुरुवार शिव जी की विशेष पूजा करनी चाहिए। शिवलिंग पर केसर मिश्रित जल चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतूरा और आंकड़े के फूल के साथ पीले फूल भी चढ़ाएं। शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। चने की दाल और गुड़ चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

एकादशी पर किसी गौ शाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं। किसी तालाब में मछलियों के लिए आटे की गोलियां बनाकर डालें। चींटियों की लिए शकर और आटा डालें। घर की छत पर पक्षियों के अनाज डालें।

जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल, छाता दान करें। छोटे बच्चों को खाना खिलाएं या मिठाई का दान करें।

एकादशी से जुड़ी खास बातें

एक साल में कुल 24 एकादशियां आती हैं। जिस वर्ष में अधिकमास रहता है, उस वर्ष में 2 एकादशियां बढ़ जाती हैं। एकादशी व्रत भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए किया जाता है। इस तिथि के स्वामी विष्णु जी ही हैं।

महाभारत के समय भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया था। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम का अध्याय है, जिसमें सभी एकादशियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

इस मंदिर के सामने बनी दीवार है बहुत शक्तिशाली

आज तक कोई भी नहीं पाया है तोड़, देवी करती हैं कमाल!

कुछ मंदिरों की कहानी इतनी खास होती है कि लोग वहां की कहानी जानने के लिए झट से पहुंच जाते हैं। यूपी के महाराजगंज जिले के सिहाभार क्षेत्र में भी एक ऐसा ही मंदिर है। इस मंदिर में बनी एक दीवार बहुत अनोखी है। कहा जाता है कि यह दीवार इतनी अनोखी है कि कोई इसे चाहकर भी तोड़ नहीं सकता है। इस मंदिर का नाम है सिहाभार मंदिर।

महाराजगंज का अनोखा मंदिर

इस मंदिर के लिए लोगों के बीच बहुत सी मान्यताएं और अलग-अलग कहानियां हैं। प्राचीन समय में यह मंदिर जहां स्थित है, वह पूरी तरह से जंगलों वाला क्षेत्र हुआ करता था। हालांकि, समय गुजरता गया और वनों की कटाई के साथ ही लोगों का वहां रहना भी शुरू कर दिया।

मंदिर के सामने बनी दीवार

मंदिर के सेवादार ने बताया कि प्राचीन समय में इस मंदिर के सामने कोई भी अपना घर नहीं बनवाता था। इसके पीछे का कारण यह था कि देवी को यह बिल्कुल भी स्वीकार नहीं था। उस समय के एक धनवान व्यक्ति ने बहुत बार अपना एक बड़ा घर बनवाने की कोशिश की लेकिन वह घर नहीं बनवा पाता था।

सेवादार ने बताया कि उसे व्यक्ति ने गुस्से में आकर देवी पर गोली चला दी जिसकी वजह से सिहाभार मंदिर में स्थित इस मूर्ति के माथे पर एक बड़ा निशान भी मौजूद है। मंदिर के सामने कुछ दूरी पर यह घर बना है, जिसकी दीवारें आज भी दिखाई देती हैं। इस दीवार को बहुत लोगों ने तोड़ने की कोशिश भी की लेकिन उसमें सफल नहीं हो सके।

बड़ी ईंटों से बनी है दीवार

सिहाभार मंदिर के सामने बने इस घर के दीवारों की ईंटें आज के समय की तुलना में काफी लंबी और चौड़ी हैं। इसके अलावा इन ईंटों में बहुत ही ज्यादा मजबूती है, जिसकी वजह से भी इसे कोई तोड़ नहीं पाता है। इस रहस्य से भरे मंदिर और दीवारों को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। मंदिर परिसर में लोग धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा पाठ करते रोजाना नजर आते हैं।

दिल्ली का 500 साल पुराना चमत्कारी मंदिर! यहां खुद प्रकट हुई थीं देवी

अनोखे मंदिरों की भारत में कोई कमी नहीं है। राजधानी दिल्ली में भी कई सारे चमत्कारी मंदिर हैं। आज हम आपको दिल्ली के सबसे पुराने मंदिरों में से एक काली मंदिर के बारे में बताने वाले हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में मांगी हुई हर मुराद पूरी हो जाती है। इस मंदिर के पीछे की कहानी भी लोगों को यहां पूजा-पाठ करने के लिए आकर्षित करती है।

दिल्ली का प्रसिद्ध काली मंदिर

यह अनोखा काली मंदिर दिल्ली के कनॉट प्लेस में शिवाजी स्टेडियम के पास स्थित है। इस मंदिर के पुजारी वेद प्रकाश मिश्रा ने लोकल 18 की टीम से बात करते हो बताया कि वह इस मंदिर में 1996 से अपना सेवा दे रहे हैं। वहीं, पंडित जी ने बताया कि यह मंदिर पहले राजा बाजार के नाम से जाना जाता था। जहां कुलदेवी का मंदिर स्थित था।

500 साल पुराना है मंदिर

ब्रिटिश सरकार और नई दिल्ली की स्थापना हुई। वहीं, कूल देवी के मंदिर में अपने आप शिवलिंग के रूप में माता प्रकट हुई। जहां लोगों की उनके प्रति और भक्ति और श्रद्धा बढ़ने लगी। इस मंदिर को ब्रिटिश सरकार ने बहुत हटाने की कोशिश की पर फिर भी यह मंदिर अपने स्थान से नहीं हिला। जिस वजह से इस मंदिर की मान्यता लोगों के बीच में और बढ़ती गई। बता दें कि यह मंदिर 500 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है। कहते हैं इस मंदिर में जो भी भक्त सच्चे दिल से प्रार्थना करता है, उसकी मनोकामनाएं अवश्य पूरी होती है।

सभी देवी देवता हैं विराजमान

इस काली मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां आपको सभी देवी देवता के दर्शन करने को मिल जाएंगे। मां वैष्णो देवी की भी यहां स्थापना की गई है। दिल्ली में ही रहकर आप वैष्णो देवी का दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा खाटू श्याम, तिरुपति बालाजी की भी बहुत सुंदर प्रतिमा यहां स्थापित है।

दिल्ली के काली मंदिर में कैसे पहुंचे

काली मंदिर जाने के लिए आपको आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन उतरना होगा। जहां से आप ऑटो लेकर मंदिर तक जा सकते हैं।

चांदनी चौक में गौरी शंकर शिव मंदिर? कैसे जाएं और कैसे करें पूजा-अर्चना

भगवान शिव की महिमा अपरंपार है और जहां शंकर-पार्वती जोड़े के रूप में विराजमान हों उस स्थान का दर्शन करना अपनी किस्मत चमकाने जैसा है। भारत में कई ऐसी जगहें हैं जहां भगवान शिव के मंदिर हैं और सभी को लोग अपनी-अपनी मान्यताओं के कारण जानते हैं। इन्हीं में से एक है दिल्ली का शिव मंदिर, जहां हर सोमवार को आपको इतनी भीड़ देखने को मिलती है कि ऐसा लगता है मानो यह सावन का महीना हो या फिर महा शिवरात्रि।

हालाँकि, शिव के पवित्र महीने यानी सावन माह की महाशिवरात्रि और जिस दिन शिव-पार्वती की विशेष पूजा की जाती है, उस दिन दिल्ली के इस प्रसिद्ध मंदिर में प्रवेश करने के लिए गेट से कई किलोमीटर तक लंबी कतारें लगती हैं। दिल्ली का प्रसिद्ध 800 वर्ष पुराना शिव-पार्वती मंदिर कहाँ स्थित है? यह कितनी पुरानी है? पहचान क्या है? किसने कराया था निर्माण और कैसे होती है पूजा? आइए जानते हैं इन सभी सवालों के जवाब और दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध शिव मंदिर के बारे में।

दिल्ली में सबसे प्रसिद्ध शिव मंदिर कहाँ स्थित है?

दिल्ली में कई प्रसिद्ध शिव मंदिर हैं। प्राचीन नील छत्री मंदिर, मंगल महादेव बिड़ला मंदिर, श्री शिव दुर्गा मंदिर, दूधेश्वर नाथ मंदिर और श्री गौरी शंकर मंदिर का नाम सबसे पहले लिया जाता है।

दिल्ली में गौरी शंकर का मंदिर कहाँ स्थित है?

श्री गौरी शंकर मंदिर दिल्ली के चांदनी चौक में स्थित है। लाल किले के सामने और लाल मंदिर के समानांतर श्री गौरी शंकर मंदिर, एक जैन मंदिर है। यहां शंकर-पार्वती का द्विरूप रूपी शिवलिंग विद्यमान है। इसके अलावा यहां अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी हैं।

चांदनी चौक में गौरी शंकर मंदिर कितना पुराना है?

चांदनी चौक स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर करीब 800 साल पुराना है। सोमवार को छोड़कर शिवरात्रि या महाशिवरात्री जैसे विशेष अवसरों पर यहां भक्तों की भारी भीड़ होती है। पूरे मंदिर को फूलों से सजाया गया है. सावन के महीने में यहां आपको एक अलग ही माहौल देखने को मिलता है।

गौरी शंकर मंदिर का निर्माण किसने और कब करवाया?

चांदनी चौक स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर का निर्माण महंत किशन पुरी महाराज ने कराया था। महंत यहां तपस्या करते थे और उन्हें सपने में बाईं ओर भगवान शिव और माता पार्वती दिखाई दिए। इस सपने के बाद महंत किशन पुरी महाराज ने श्री गौरी शंकर मंदिर का निर्माण कराया। इस मंदिर में गौरी मां भगवान शिव के बाईं ओर विराजमान हैं, इसलिए इस मंदिर को गौरी शंकर मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह भी कहा जाता है कि मंदिर भवन का निर्माण मराठा सैनिक आपा गंगाधर ने वर्ष 1761 में करवाया था। कई दशकों के बाद वर्ष 1959 में सेठ जयपुर द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया।

गौरी शंकर मंदिर के बारे में क्या है मिथक?

कई साधु श्री गौरी शंकर मंदिर में कुछ दिनों के लिए तपस्या करने और भगवान शिव की पूजा करने आते हैं। कहा जाता है कि यह एक चमत्कारी मंदिर है। मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से गौरी शंकर मंदिर में आकर 40 दिनों तक शिवलिंग पर जल चढ़ाता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

चांदनी चौक गौरी शंकर मंदिर कैसे जाएं?

अगर आप दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर जाना चाहते हैं तो इसके लिए आप कई तरह की परिवहन सुविधाएं ले सकते हैं। श्री गौरी शंकर मंदिर के पास एक बस स्टैंड और एक मेट्रो स्टेशन है। हालाँकि, अगर आप अपनी कार लेने की सोच रहे हैं तो यह गलती न करें। यहां पार्किंग की सुविधा नहीं मिलेगी. चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन और लाल किला मेट्रो स्टेशन के बीच, श्री गौरी शंकर मंदिर जाने के लिए लाल किला मेट्रो स्टेशन चुनें।

शिव मंदिर कब जाना चाहिए?

वैसे तो हर दिन मंदिर जाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन सोमवार का दिन शिव मंदिर के लिए खास होता है। सोमवार के दिन शिव मंदिर जाने के अलावा आप भगवान शिव का व्रत भी रख सकते हैं।

कैसे करें भगवान शिव की पूजा?

सुबह स्नान के बाद साफ कपड़े पहनकर शिव मंदिर जा सकते हैं। -शिवलिंग पर जल या दूध चढ़ाने के साथ चंदन का तिलक लगाएं। कमल ककड़ी या कमल का फूल चढ़ाएं। आप शिवलिंग पर शहद और दही भी चढ़ा सकते हैं। इसके अलावा दीपक जलाएं और 108 बार ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

> **जिस व्यक्ति का कोई लक्ष्य नहीं है, वह जीवन भर ऊपर-नीचे दौड़ता रहता है, लेकिन किसी एक मंजिल पर नहीं पहुंच पाता है।**

हम कभी भी लक्ष्य तय करने के लिए और सपने देखने के लिए बूढ़े नहीं होते हैं। ध्यान रखें किसी भी उम्र में लक्ष्य तय किए जा सकते हैं और उन्हें हासिल किया जा सकता है।

सितंबर 2024 में 3 बड़े ग्रहों का गोचर, इन राशियों की जिंदगी में आएगा नया मोड़

सितंबर 2024 जल्द ही शुरू होने वाला है। सितंबर 2024 का महीना ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि इस महीने में चार बड़े ग्रहों का राशि परिवर्तन होगा। ये ग्रह गोचर सभी 12 राशियों पर अलग-अलग प्रभाव डालेंगे, जिनमें कुछ को लाभ मिलेगा तो कुछ को सावधानी बरतनी होगी। इस लेख में आज हम आपको बताएंगे कि किन राशियों पर इन ग्रह गोचरों का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उनके जीवन में क्या बदलाव आ सकते हैं।

सितंबर में इन ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सितंबर माह में बुध, सूर्य और शुक्र गोचर करने वाले हैं। 4 सितंबर को बुध, कर्क राशि से सिंह राशि में प्रवेश करेगा। 16 सितंबर को सूर्य,

कन्या राशि में प्रवेश करेगा। 18 सितंबर को शुक्र, तुला राशि में गोचर करेगा।

इस गोचर के दौरान इन राशियों को मिलेगा लाभ

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए सितंबर का महीना उन्नति और सफलता लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे और जो लोग नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होगी। परिवार से भी सहयोग मिलेगा और संबंध मधुर रहेंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि के लिए यह समय आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और व्यापार में विस्तार के योग बनेंगे। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है और परिवार के साथ यात्रा का भी मौका मिलेगा।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए यह महीना शुभ रहेगा। नौकरी बदलने के योग बन रहे हैं और साथ ही आमदनी के नए स्रोत भी मिल सकते हैं। पुराने निवेश से लाभ होगा और परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। नए परिचय से जीवन में नई संभावनाएं बनेंगी।

तुला राशि

तुला राशि के लिए सितंबर का ग्रह गोचर आर्थिक क्षेत्र में वृद्धि का समय है। निवेश से लाभ होगा और गृहस्थ जीवन में सुख-समृद्धि का अनुभव करेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवन में शांति का अनुभव करेंगे।

अभिनेता नानी ने कमल हासन को बताया सिनेमा के लिए उपहार, अमिताभ बच्चन को कहा अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा

नानी साउथ के लोकप्रिय और मशहूर अभिनेता हैं। फैंस उन्हें प्यार से नैचुरल स्टार बुलाते हैं। नानी इन दिनों अपनी फिल्म 'सारिपोधा सानिवारम' को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता को साउथ में पसंद करने वाले फैंस की लंबी कतार है। हालांकि, उन्होंने हाल में ही एक अन्य दिग्गज अभिनेता कमल हासन की प्रशंसा की है। उन्होंने दिग्गज अभिनेता के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनकी सराहना की है। अभिनेता ने कहा कि वह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक हैं।

अभिनेता नानी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा किन अभिनताओं ने सबसे ज्यादा प्रेरित किया है। इसका जवाब देते हुए 'सारिपोधा सानिवारम' अभिनेता ने कमल हासन का नाम लिया। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि सिनेमा ने हमें और निर्देशकों को बहुत कुछ दिया है और अगर हमने सिनेमा को कुछ वापस दिया है, तो वह हैं कमल हासन, सर। मुझे लगता है कि वह सिनेमा के लिए ही एक उपहार हैं। उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई चीजों में महारत हासिल की है। उन्होंने अपना जीवन सिनेमा को दे दिया है।

नानी ने कमल हासन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कई चीजों में महारत हासिल की है। इसके साथ ही कई तरह के नए-नए प्रयोग भी किए हैं। उन्होंने आगे कहा,"जिस समय में उन्होंने काम किया है, उन्होंने हर चीज सबसे पहले देखी है। उन्होंने सबसे पहले डिजिटल, मेकअप ट्रायल देखा है। अब आगे से जो भी बदलाव होंगे, वो उस पैमाने पर नहीं होंगे। सिनेमा के इस पूरे विकास की प्रक्रिया में कमल सर का योगदान काफी ज्यादा है।

अभिनेता नानी शुरू में बतौर निर्देशक ही फिल्मी करियर आगे बढ़ाना चाहते थे। इस इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि किस चीज ने उन्हें निर्देशन को लेकर प्रेरित किया, तो उन्होंने जवाब दिया कि अलग-अलग समय पर उन्हें अलग-अलग निर्देशकों ने प्रेरित किया। उन्होंने कहा, अलग-अलग समय पर अलग-अलग निर्देशकों ने मुझे प्रेरित किया, लेकिन अगर आप मुझसे मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा के बारे में पूछें, तो वह अमिताभ बच्चन सर हैं। उनकी फिल्म अग्निपथ देखना एक प्रमुख कारण था, जिसके बाद मैं फिल्म निर्देशित करना चाहता था।"

बताते चलें कि विवेक अथ्रेया द्वारा निर्देशित, 'सारिपोधा सानिवारम' को तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम में रिलीज किया जा रहा है। हिंदी में ये फिल्म 'सूर्या का सैटरडे' शीर्षक से रिलीज हो रही है। फिल्म में उनके अलावा प्रियंका अरुल मोहन, एसजे सूर्या, मुरली शर्मा, प्रियंका अरुलमोहन, अदिति बालन और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसे विवेक अथरेया ने ही लिखा भी है। फिल्म का निर्माण डी.वी.वी. द्वारा किया गया है। फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजय वर्मा ने बिग बी को बताया मददगार कहा- सेट पर आकर सभी लोगों को देते हैं समय

अभिनेता विजय वर्मा को जल्द ही वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' में देखा जाएगा। इंडस्ट्री में लगभग सभी कलाकारों का सपना होता है कि वो एक बार अमिताभ बच्चन के साथ काम करें। विजय वर्मा उन खुशकिस्मत लोगों में से हैं, जिन्हें बिग बी के साथ काम करने का मौका मिला है। हाल ही में, एक पॉडकास्ट में विजय वर्मा ने अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। साथ ही साथ बिग के सेट पर व्यवहार के बारे में भी बात की।

विजय वर्मा ने अमिताभ बच्चन के बारे में क्या कुछ कहा, उसे जानने से पहले आपको बता दें कि दोनों ने 'पिंक' फिल्म में एक साथ काम किया था, जो साल 2016 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया था। विजय वर्मा ने बताया कि जिस ढंग से अमिताभ बच्चन काम करते हैं, उसे देखकर कहा जा सकता है कि वो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की कोशिश में लगे रहते हैं।

विजय वर्मा ने कहा कि अमिताभ बच्चन, जब सेट पर होते हैं तो कुर्सी खींचकर अन्य कलाकारों को अभिनय करते हुए देखते रहते हैं। भले ही वो उस सीन में हो या ना हो। विजय ने कहा कि बिग बी शूटिंग के वक्त फिल्म के सेट पर जमे रहते हैं और उन्हें फिल्म बनने की प्रक्रिया में शामिल होना बढ़िया लगता है। विजय ने यह तमाम बातें शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बताई।

अमिताभ बच्चन को काफी मददगार बताते हुए विजय वर्मा ने कहा कि वो जब सेट पर आते हैं तो वहां मौजूद सभी लोगों को समय देते हैं। बिग बी एक साथ लोगों की तरफ हाथ हिलाकर आगे नहीं बढ़ते, बल्कि सभी को नमस्ते कहते हैं और लोगों का अभिवादन करने में एक घंटा लगाते हैं।

विजय वर्मा की आने वाली वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है, जो इससे पहले भीड़, थप्पड़, आर्टिकल 15 और मुल्क बना चुके हैं। इस सीरीज में छह एपिसोड होंगे। इसकी स्ट्रीमिंग 30 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर शुरू होगी। इसमें मनोज पाहवा, पंकज कपूर, नसीरुद्दीन शाह, कुमुद मिश्रा और अरविंद स्वामी समेत कई कलाकारों ने काम किया है।

अनुष्का ने की 'एंग्री यंग मेन' की तारीफ, बताया इतिहास-ज्ञान से भरपूर

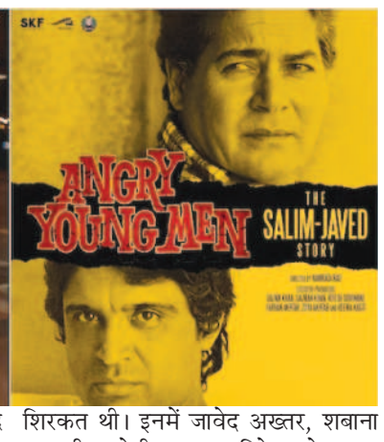

अमेजन प्राइम वीडियो पर डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मेन' हाल में ही रिलीज हुई है। इस डॉक्यूमेंट्री में बॉलीवुड की मशहूर लेखक जोड़ी सलीम-जावेद की कहानी और उनका सफर दिखाया गया है। एक जमाने में सलीम खान और जावेद अख्तर की जोड़ी ने एक से बढ़कर फिल्मों की कहानी लिखी थी। इस बेहतरीन जोड़ी ने हिंदी सिनेमा की 'शोले' और 'मिस्टर इंडिया' समेत कई शानदार फिल्मों की कहानी लिखी है। प्राइम वीडियो की ये डॉक्यूमेंट्री इन दोनों की जोड़ी का सफर दर्शाती है, जिसे काफी पसंद भी किया जा रहा है। इस सीरीज को कई बॉलीवुड सितारों से काफी सराहना मिल चुकी है। अब इस कड़ी में अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का नाम भी जुड़ गया है।

अनुष्का शर्मा ने सलीम-जावेद की डॉक्यूमेंट्री 'एंग्री यंग मेन' की सराहना की है। 20 अगस्त को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर हुई इस डॉक्यूमेंट्री की तारीफ करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस सीरीज का एक वीडियो साझा करते हुए इसे इतिहास और ज्ञान से समृद्ध बताया है। अभिनेत्री इन दिनों अपने पति और मशहूर भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के साथ लंदन में हैं। उन्होंने लिखा, इतना सारा इतिहास, लेकिन साथ ही, इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज में ज्ञान भी बहुत है।

'एंग्री यंग मेन' को दर्शकों के अलावा कई बॉलीवुड सितारों से भी तारीफें मिली हैं। इसके रिलीज के दौरान एक स्पेशल स्क्रीनिंग भी की गई थी, जिसमें कई सितारों ने शिरकत थी। इनमें जावेद अख्तर, शबाना आजमी, बोनी कपूर, रितेश देशमुख, शोभिता धुलिपाला, अगस्त्य नंदा आदि कई सितारे शामिल हुए थे। बीते दिनों ही वरुण धवन ने भी इसकी सराहना करते हुए प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने इसे सबसे अच्छी चीज बताते हुए कहा था कि दो दिग्गजों की यात्रा को देखना उनके लिए काफी अद्भुत है।

'एंग्री यंग मेन: द सलीम-जावेद स्टोरी' मशहूर और सम्मानित बॉलीवुड लेखक जोड़ी सलीम खान और जावेद अख्तर के सफर को दर्शाती है। तीन भागों वाली ये सीरीज बताती है कि कैसे सलीम-जावेद ने 1970 के दशक में अपनी शानदार स्क्रिप्ट और प्रसिद्ध 'एंग्री यंग मैन' वाले चरित्रों से हिंदी सिनेमा को बदल दिया। इसका निर्देशन नम्रता राव ने किया है। वहीं, इस डॉक्यूमेंट्री का निर्माण सलमान खान फिल्म्स, एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी के द्वारा किया गया है। इसमें सलीम खान, जावेद अख्तर, सलमान खान, आमिर खान, ऋतिक रोशन, करण जौहर, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर आदि के इंटरव्यू शामिल हैं।

बात करें अनुष्का शर्मा के वर्क फ्रंट की, तो वह जल्द ही फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित एक बायोपिक है। इस फिल्म से अभिनेत्री वर्षों बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उनकी ये आगामी स्पोर्ट्स ड्रामा नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

विजय सेतुपति ने क्यों ठुकराई राम चरण की 'आरसी16'?

विजय सेतुपति की गिनती देश के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में होती है। शाहरुख खान समेत हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई दिग्गज उनके अभिनय के कायल हैं। हाल ही में विजय को लेकर जानकारी सामने आई थी कि 'आरसी16' निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया है। फिल्म में उन्हें राम चरण के पिता का किरदार निभाने की पेशकश की गई थी। हालांकि, अभिनेता ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिसके बाद निर्माताओं ने इस रोल के लिए शिवराज कुमार से संपर्क किया था।

विजय सेतुपति ने इतने बड़े प्रोजेक्ट को क्यों ठुकराया अब इसको लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता एक ही तरह के किरदार में बंधना नहीं चाहते हैं। टाइपकास्ट होने की चिंता की वजह से उन्होंने इस भूमिका को बहुत ही विनम्रता के साथ अस्वीकार कर दिया।

'उप्पेना' और 'महाराजा' जैसी फिल्मों में वह पिता की भूमिका में नजर आ चुके हैं। इन दोनों ही फिल्मों में उनकी अदाकारी को लोगों ने खूब सराहा था। कहा जा रहा है कि फैंस से मिले इन किरदारों को प्यार के बावजूद विजय भविष्य में इस तरह के और किरदार को दोहराने नहीं चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के दावे के मुताबिक उन्होंने बुची बाबू से यह कहते हुए फिल्म को अस्वीकार कर दिया कि वह फिल्म की हाई-प्रोफाइल प्रकृति के बावजूद, इस तरह की भूमिकाओं में वर्गीकृत होने से बचना चाहते थे। विजय को हाल ही में फिल्म महाराजा में देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। वहीं, ओटीटी पर भी इस फिल्म ने खूब धमाल मचाया था। फिल्म 'आर16' की बात करें तो इसमें जान्हवी कपूर राम चरण के साथ मुख्य भूमिका में होंगी। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म होगी। फिलहाल, यह फिल्म प्री-प्रोडक्शन चरण में है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

विजय की फिल्म को दोबारा करना पड़ा सेंसर

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार विजय अपनी आगामी फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' को लेकर चर्चा में हैं। वेंकट प्रभु के निर्देशन में बनी यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

फिल्म को किया गया दोबारा सेंसर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की टीम ने द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में कुछ नए दृश्य जोड़े हैं, जिसके बाद इसे दोबारा सेंसर करना पड़ा है। अब विजय की इस फिल्म की समय अवधि तीन घंटे और तीन मिनट हो गई है। इससे पहले सेंसर किए जाने के बाद फिल्म दो घंटे 59 मिनट की बनी थी।

जोड़े गए शूटिंग के दौरान के कुछ सीन

फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने यू/ए सर्टिफिकेट दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें शूटिंग के दौरान के भी कुछ सीन जोड़े गए हैं जो अक्सर वेंकट प्रभु की फिल्मों में देखने को मिलते हैं। गाली-गलौज और कई आपत्तिजनक शब्दों को म्यूट कर दिया गया है। वहीं, सेंसर सर्टिफिकेट के अनुसार फिल्म से तीन सेकंड की फुटेज को काट दिया गया है, जबकि दो सेकंड की फुटेज में बदलाव किया गया है।

इस दिन से शुरू होगी एडवांस बुकिंग

इससे पहले विजय की पिछली 'मास्टर' तीन घंटे से कुछ लंबी थी। लेकिन अब जीओएटी इससे भी आगे निकल चुकी है। तमिलनाडु में इस फिल्म के लिए एडवांस टिकट बुकिंग 30 अगस्त से शुरू की जाएगी। विजय की 68वीं फिल्म है। इस फिल्म में वह डबल रोल में नजर आने वाले हैं।

जब श्रद्धा ने शादी को लेकर बताई थी दिल की बात, कैसे रहेंगी अपने हमसफर के साथ

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसके अलावा श्रद्धा अक्सर अपने लव रिलेशनशिप को लेकर भी लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान 'स्त्री 2' अभिनेत्री ने खुलकर अपनी शादी के बारे में अपने विचार व्यक्त किए थे। साथ ही श्रद्धा ने हमसफर को लेकर अपने दिल की एक खास बात भी बताई थी।

श्रद्धा कपूर इन दिनों 'स्त्री 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि 'स्त्री 2' की रिलीज के बाद से श्रद्धा की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। यहां तक की उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कई दिग्गजों को पछाड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समय श्रद्धा इंस्टाग्राम पर तीसरे नंबर पर हैं। या यूं कह सकते हैं कि श्रद्धा जल्द ही क्रिकेटर विराट कोहली को भी पछाड़ सकती हैं।

श्रद्धा को उनके निर्मल स्वभाव की वजह से डाउन-टू-अर्थ माना जाता है और वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को सकारात्मक संदेश भेजती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान श्रद्धा ने अपनी शादी के बारे में अपने विचार खुलकर बताए थे। श्रद्धा ने अपने जीवनसाथी के साथ पूरी तरह से खुश रहने बात कही थी।

दरअसल, यह बात है 2020 में स्ट्रीट डांसर 3डी के प्रमोशन के दौरान की, जब श्रद्धा कपूर ने बताया था कि शादी के बाद वह खुद को कैसे देखती हैं। श्रद्धा ने सुझाव दिया कि उन्हें अपने पार्टनर के समान ही पागलपन के स्तर पर रहने की जरूरत है। आगे श्रद्धा ने कहा था, जब भी मैं शादी करूंगी, चाहे मैं किसी से भी शादी करूं, मुझे उस व्यक्ति के साथ पूरी तरह से घुलना-मिलना होगा। यह मेरे लिए बहुत अहम बात है। प्रमोशन के दौरान श्रद्धा के साथ मौजूद वरुण ने उनसे कहा कि वह भविष्य में इसे पा लेंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बीच, श्रद्धा कपूर ने हाल ही में 'स्त्री 2' की रिलीज के बीच अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। कथित तौर पर, श्रद्धा ने उनकी बहन, उनके प्रोडक्शन हाउस और उनके कुत्ते के अकाउंट को भी अनफॉलो कर दिया है। जुलाई में श्रद्धा द्वारा राहुल के साथ अपने रिश्ते को सोशल मीडिया पर दिखाने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया था। श्रद्धा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल के साथ एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें दोनों सफेद रंग के आउटफिट में नजर आ रहे थे। श्रद्धा ने कैप्शन में एक मजेदार नोट लिखा, दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार।

श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले 14 अगस्त की रात को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में श्रद्धा के अलावा राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और पंकज त्रिपाठी ने मुख्य भूमिका निभाई हैं। वहीं 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की फिल्म 'खेल खेल में' और जॉन अब्राहम की 'वेदा' से टकराई। श्रद्धा की फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाई हुई है।

'सूर्या 44' का हिस्सा बनीं श्रिया सरन

अभिनेत्री श्रिया सरन को आखिरी बार 2024 की हिंदी वेब सीरीज 'शोटाइम' में देखा गया था। अब अभिनेत्री के वर्कफ्रंट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो वह फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित अस्थायी शीर्षक वाली फिल्म 'सूर्या 44' का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में वह इसके मुख्य कलाकार सूर्या के साथ एक डांस नंबर में दिखाई देंगी।

सूर्या और कार्तिक सुब्बाराज की अगली फिल्म 'सूर्या 44' का फिल्मांकन पूरे जोरों पर चल रहा है। हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि अभिनेत्री श्रिया सरन, सूर्या अभिनीत फिल्म में डांस नंबर पर थिरकती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने कथित तौर पर ऊटी शेड्यूल के दौरान अपने हिस्से का फिल्मांकन पूरा कर लिया है और कार्तिक सुब्बाराज निर्देशित इस फिल्म में तमिल स्टार के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

हालांकि, निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर फिल्म में श्रिया की भागीदारी की घोषणा नहीं की है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह पहली बार होगा जब श्रिया सूर्या के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। फिल्म के लिए संगीत संतोष नारायणन तैयार कर रहे हैं।

'सूर्या 44' का फिल्मांकन तेजी से आगे बढ़ रहा है। टीम ने हाल ही में ऊटी में एक शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। प्रोडक्शन अब एक छोटे शेड्यूल के लिए केरल चला गया है। लोकेशन से हाल ही में तमिल अभिनेता सूर्या की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें उनका विंटेज लुक देखने को मिला था।रिपोर्ट्स की मानें तो कुछ दिनों की शूटिंग के बाद टीम एक छोटा ब्रेक लेगी।

फिल्म 'सूर्या 44' की शूटिंग लगभग 70 प्रतिशत तक पहले ही हो चुकी है और पूरा प्रोडक्शन अक्तूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा लिखित और निर्देशित 'सूर्या 44' सूर्या और निर्देशक के बीच पहला सहयोग है। फिल्म के एक्शन से भरपूर रोमांटिक कॉमेडी होने की उम्मीद है। हालांकि, टीम ने अभी तक कलाकारों और चालक दल के बारे में अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

किचन की सफाई के लिए चमत्कार से कम नहीं ये हरा पत्ता, करता है ऐसे-ऐसे काम कि नहीं होगा यकीन

किचन में रोटियां बनाने से लेकर सब्जी काटने का काम स्लैब पर होता है। ऐसे में इसे बैक्टीरिया से मुक्त रखने के लिए मुट्ठी भर करी पत्तों को पानी के साथ पीसकर पेस्ट बना लीजिए। अब इसे स्लैब पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दीजिए। फिर गीले कपड़े की मदद से साफ कर दीजिए। इससे स्लैब की क्लीनिंग होने के साथ बैक्टीरिया भी मर जाएंगे।

भारतीय घरों की किचन में करी पत्ता मिलना बहुत ही आम बात है। खाने में करी पत्ते का इस्तेमाल फ्लेवर और स्वाद दोनों ही बढ़ा देता है। दाल, सांभर, इडली, डोसा जैसे व्यंजन में करी पत्ता जरूर डाला जाता है। सब्जी में तड़का लगाने के साथ चावल फ्राई करते समय भी कुछ लोग करी पत्ते का उपयोग करते हैं, इसे डालते ही स्वाद ही बदल जाता है।

वैसे क्या आपको पता है कि पकवानों का स्वाद बेहतर बनाने वाला ये पत्ता किचन में क्लीनिंग के काम भी आता है। इसकी मदद से रसोई की अजीब गंध दूर करने के साथ आप गंदे और काले बर्तन को चमका सकते हैं। इसके अलावा किचन स्लैब को बैक्टीरिया फ्री करने में भी बेहद मददगार है तो चलिए बताते हैं आपको इसे यूज करने का तरीका।

किचन की अजीब गंध करेगा दूर

अगर आपकी रसोई में से अजीब सी गंध आती है तो करी पत्ता आपके बहुत काम आ सकता है। आपको मुट्ठी भर करी पत्तों को पानी में उबालने के लिए रखना होगा। फिर देखना भाव का जादू आपकी किचन में किस तरह चलता है। करी पत्ते की नेचुरल फ्रेगरेंस कुछ ही देर में आपकी किचन को खूशबूदार बना देगी।

किचन स्लैब को बनाए बैक्टीरिया फ्री

गंदे और काले बर्तन चमकाएं

करी पत्ते की मदद से आप गंदे और काले बर्तन भी चमका सकते हैं। इसके लिए पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लीजिए। इसमें थोड़ा नारियल तेल मिला लें फिर पॉलिशिंग पेस्ट की तरह इस्तेमाल करें। 15 मिनट तक पेस्ट लगे रहने देने के बाद रगड़ कर साफ कर लीजिए। देखगा फिर आपके बर्तन चमकदार हो जाएंगे

दाग-धब्बे बिल्कुल भी नहीं दिखेंगे।

स्टोवटॉप से हटाएं चिकनाई

तेल और मसालों से खाना बनाते समय अक्सर स्टोवटॉप पर ग्रीस और दाग रह जाते हैं करी पत्ते में मौजूद नेचुरल तेल से आप इन्हें चुटकियों में साफ कर सकते हैं। इसके लिए करी पत्ता को थोड़े से बेकिंग सोडा और पानी के साथ पीस लीजिए। अब इस पेस्ट को स्टोवटॉप और बर्नर को साफ के लिए यूज करें।

स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय कौन सा है? अंकुरित अनाज के स्वास्थ्य लाभ

अंकुरित अनाज, जिन्हें स्प्राउट्स भी कहा जाता है, एक बेहद पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक आहार के रूप में जाने जाते हैं। ये छोटे-छोटे बीज जब अंकुरित होते हैं, तो उन में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे वे एक संपूर्ण और संतुलित भोजन का हिस्सा बन जाते हैं। स्प्राउट्स में प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, और एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुर मात्रा होती है। अंकुरित होने पर बीजों में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे ये अधिक पौष्टिक बन जाते हैं। लेकिन किसी भी चीज का उचित समय और सही तरीके से सेवन ही स्वास्थ्य के लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है। स्प्राउट्स का सेवन कब और कैसे किया जाए, यह जानना महत्वपूर्ण है।

स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय

स्प्राउट्स को किसी भी समय खाया जा सकता है, लेकिन कुछ विशेष समय ऐसे हैं जब इनका सेवन अधिक लाभदायक होता है।

नाश्ते में अंकुरित अनाज का सेवन

सुबह के समय स्प्राउट्स का सेवन करने से दिन की शुरुआत ऊर्जा से भरी होती है। स्प्राउट्स में उच्च प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करते हैं और आपको दिन भर ऊर्जा बनाए रखने में मदद करते हैं।

दोपहर के भोजन से पहले

दोपहर से पहले स्प्राउट्स खाना अच्छा होता है, क्योंकि यह हल्का और पचने में आसान होता है। यह पेट को हल्का महसूस कराता है और आपको दोपहर के भोजन से पहले अधिक खाने की जरूरत नहीं होती।

शाम के स्नैक्स के रूप में

शाम के समय स्प्राउट्स को एक स्नैक्स के रूप में खाया जा सकता है। यह भूख को शांत करता है और वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए एक स्वस्थ विकल्प साबित होता है।

कसरत के बाद

वर्कआउट के बाद स्प्राउट्स का सेवन आपके शरीर को पुनः ऊर्जा देने में मदद करता है। इनमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, जो मांसपेशियों की रिकवरी के लिए आवश्यक है।

अंकुरित अनाज के स्वास्थ्य लाभ

पाचन में सुधार

स्प्राउट्स में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है। यह कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है।

वजन घटाने में सहायक

स्प्राउट्स में कैलोरी की मात्रा कम होती है और यह पेट को भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आपको भूख कम लगती है। यह वजन घटाने के लिए एक आदर्श आहार है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना

स्प्राउट्स में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करती है और शरीर को बीमारियों से बचाने में सहायक होती है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करना

स्प्राउट्स का सेवन ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यह शुगर स्पाइक्स को कम करता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

स्प्राउट्स में एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने और रक्तचाप को कम करने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए लाभकारी

स्प्राउट्स में मौजूद विटामिन ए, सी, और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को चमकदार और बालों को मजबूत बनाते हैं। यह त्वचा की रंगत सुधारता है और बालों की ग्रोथ में मदद करता है।

भारत की हर मां अपने बच्चे को जरूर मारती है ये ताना, आपने भी एक बार तो जरूर ही सुना होगा

आप भी इस बात से सहमत होंगे कि इंडियन मदर्स काफी अलग होती हैं लेकिन उनके एक-दूसरे से स्वभाव और डायलॉग काफी मिलजे-ुजलते होते हैं। यहां पर माओं के कुछ ऐसे ही डायलॉग्स या तानों के बारे में बताया गया है। आप भी इस बात से सहमत होंगे कि इंडियन मदर्स काफी अलग होती हैं लेकिन उनके एक-दूसरे से स्वभाव और डायलॉग काफी मिलजे-ुजलते होते हैं। यहां पर माओं के कुछ ऐसे ही डायलॉग्स या तानों के बारे में बताया गया है।

इतनी जल्दी क्यों उठ गए

अब, इसका मतलब वह नहीं है जो आप सोच रहे हैं। जब माa आपसे यह पूछती हैं, तो आपको पहले से ही पता होना चाहिए कि आप ज्यादा देर तक सो लिए हैं। आपके भी सोने के टाइम को लेकर आपकी मां ने ताने मारे ही होंगे। आप आसानी से समझ पाएंगे कि मां के इस डायलॉग का क्या मतलब होता है।

10 बज चुके हैं

जब आपकी मां आपको जगाते हुए कोई खास समय बताती है, तो कभी उन पर विश्वास न करें। यह भारतीय माओं का एक आम तरीका है जिससे वे पूरे घर को जागते ही घबराहट का झटका देती हैं। अपने बच्चे को सुबह जगाने के लिए अक्सर माएं इस ट्रिक को अपनाती हैं और इंडियन माओं में तो ये गुण कूट-कूट कर भरा होता है।

वहीं तो रखा है

यह वो वाक्य है जिसे अब तक कोई बच्चा समझ नहीं पाया है। जब मां कहती हैं कि चीज वहीं रखी है, तो इसका मतलब होता है कि अब उसे ढूंढना आपकी जिम्मेदारी है। अक्सर बच्चों को मांएं बोलती हैं कि उन्हें रसोई में वहां से कोई डिब्बा ला दो लेकिन जब बच्चा वहां जाता है, तो उसे वहां कुछ नहीं मिलता है।

मैं तेरी मां हूं या तू मेरी मां है?

यह वाक्य उस स्थिति को दर्शाता है जहां कोई व्यक्ति यह जताना चाहता है कि उसकी बात को चुनौती देना या उसका आदेश न मानना सही नहीं है।

यह वाक्य अक्सर परिवारिक संबंधों में, खासकर मां-बच्चे के रिश्ते में, प्रयोग किया जाता है जब कोई अपने अधिकार या स्थिति को स्पष्ट करना चाहता है। यह एक तरह का दबाव डालने का तरीका होता है जिससे यह जताया जाता है कि बड़ों की बात को न मानना या सवाल उठाना उचित नहीं है।

शर्म-हया तो नहीं है तुमको

इसका मतलब होता है, ₹क्या तुम्हें शर्म और लाज नहीं आती?₹ यह वाक्य अक्सर तब इस्तेमाल किया जाता है जब बच्चा मान्यताओं, आचार-व्यवहार या संस्कारों का पालन नहीं करता और इसका परिणाम असभ्य या अनुशासनहीन व्यवहार के रूप में सामने आता है। मां अक्सर अपने बच्चों से आज्ञाकारिता की उम्मीद करती हैं। जब बच्चे उनके निर्देशों या अपेक्षाओं का पालन नहीं करते, तो मां इस तरह के सवाल पूछती हैं ताकि बच्चों को अपनी गलती का एहसास हो सके और उन्हें अपने आचार-व्यवहार पर सोचने पर मजबूर किया जा सके।

साड़ी से लेकर सूट तक पर जंचेगी नेल आर्ट की ऐसी डिजाइन

जिस तरह से चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मेकअप का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक उसी तरह से नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आजकल नेल आर्ट कराने का चलन है। एक समय था, जब नाखूनों पर महिलाएं सिर्फ साधारण सी नेल पॉलिश लगाती थीं, लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब महिलाएं अपने नाखूनों पर नेल आर्ट कराना ज्यादा पसंद करती हैं।

नेल आर्ट की वजह से ही नाखूनों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। जगह-जगह पर नेल स्टूडियो खुल गए हैं जो नाखूनों को अलग-अलग तरीके से सजाने का काम करते हैं। ज्यादा कठिन डिजाइन के लिए तो आपको नेल स्टूडियो जाना पड़ेगा, लेकिन कई ऐसी डिजाइन भी आजकल ट्रेंड में हैं, जिन्हें आप खुद से भी बना सकती हैं। अगर आप अपने नाखूनों पर नेल आर्ट कराना चाहती हैं तो यहां हम आपको कुछ ऐसे डिजाइन दिखाने जा रहे हैं, जो साड़ी से लेकर सूट तक पर खूबसूरत लगेगी।

पहली डिजाइन

अगर आपको थोड़े चटक रंग पसंद हैं तो इस तरह की डिजाइन आपके लिए परफेक्ट है। इस तरह की डिजाइन शादी-विवाह के मौके पर भी अच्छी लगेगी। मैरून रंग के साथ गोल्डन रंग का ये कॉम्बिनेशन काफी जच रहा है। ऐसे में इस डिजाइन का चयन आप कर सकती हैं।

दूसरी डिजाइन

चटक रंगों से बनीं नेल आर्ट की ये डिजाइन भी देखने में काफी प्यारी है। इस पर जो फूल बना है, उसकी वजह से इसकी खूबसूरती और भी ज्यादा बढ़ गई है। आप चाहें तो अपने नाखूनों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए इस डिजाइन का चयन भी कर सकती हैं।

तीसरी डिजाइन

जिन महिलाओं को न्यूड शेड पसंद आता है, उनके लिए ये

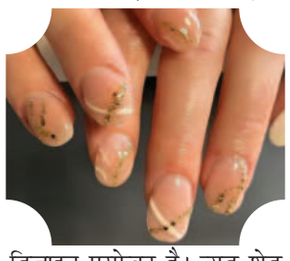

डिजाइन परफेक्ट है। न्यूड शेड का बेस लेकर जो ये नेल आर्ट की गई है, वो देखने में कमाल की लग रही है। इसकी खूबसूरती बढ़ाने के लिए इस पर गोल्डन ग्लिटर का इस्तेमाल किया गया है।

चौथी डिजाइन

अगर स्लीक सी डिजाइन बनवाने की सोच रहीं हैं तो नेल आर्ट की ये डिजाइन एक बेहतर विकल्प है। इस तरह की डिजाइन लंबे नाखूनों पर अच्छी लगती है। यहां लंबे नाखूनों का मतलब ज्यादा लंबे नाखूनों से कतई नहीं

है। इसे फ्रेंच नेल्स कहते हैं।

पांचवीं डिजाइन

इस डिजाइन में सारे नाखूनों

पर हल्के रंग से नेल आर्ट करके सिर्फ एक नाखून पर ग्लिटर का इस्तेमाल किया गया है। इस तरह की नेल आर्ट साड़ी से लेकर सूट तक पर काफी जचती है। आप इस डिजाइन का चयन भी कर सकती हैं।

छठवीं डिजाइन

अगर कुछ अलग तरह की डिजाइन का चयन करना चाहती हैं तो ये एक बेहतर विकल्प है। ऐसी डिजाइन में सभी उंगलियों के नाखूनों को सिंपल रख के आप सिर्फ अंगूठे पर कुछ अलग से अटैच करा सकती हैं। ये डिजाइन एथनिक वियर के साथ कमाल की लगेगी।

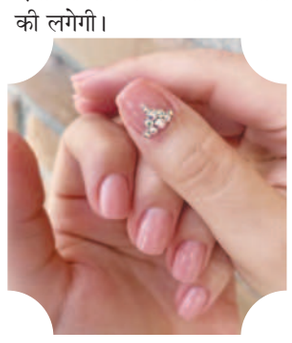

त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है सी-वीड्स यानी समुद्री शैवाल

सी-वीड्स यानी समुद्री शैवाल आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हैं। तभी तो त्वचा की देखभाल के लिए सौंदर्य उत्पादों में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। आजकल बाजार में सी-वीड्स यानी समुद्री शैवाल से युक्त कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट मिल रहे हैं, जैसे कि पाउडर और क्रीम आदि, जिसका इस्तेमाल त्वचा में निखार लाने के लिए किया जा रहा है। असल में, समुद्री शैवाल एक प्रकार का पौधा है, जो समुद्र में उगता है।

यह लाल, हरा या भूरे रंग का हो सकता है। समुद्री शैवाल आमतौर पर जड़ या अन्य ठोस संरचनाओं से जुड़े होते हैं। इनमें विटामिन सी, पोटैशियम, लोहा, विटामिन बी12 और कोलीन जैसे तत्व होते हैं। इन शैवाल का उपयोग त्वचा और बालों के लिए बेहद लाभदायी हो सकता है।

त्वचा की मरम्मत

समुद्री शैवाल में एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को मुक्त कणों की क्षति से बचाने और उसकी मरम्मत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह संवेदनशील या रूखी त्वचा वाली महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभदायक होता है। इसमें प्राकृतिक सूजनरोधी यौगिक पाए जाते हैं, जो त्वचा की लालिमा, जलन और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

रंगत में सुधार

समुद्री शैवाल में विटामिन सी, के, बी, ए और ई भरपूर मात्रा में होते हैं, जो त्वचा की रंगत, बनावट और लचीलेपन को बेहतर बनाते हैं। यह प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंट कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा को कोमल और महीन रेखाओं को मुलायम बनाने में मदद करता है। यह ह्यूमेक्टेंट्स से भरपूर होता है, जो त्वचा को हाइड्रेट करने और नमी बनाए रखने में मदद करते हैं।

महीन रेखाओं को हटाने में मददगार

समुद्री शैवाल हानिकारक त्वचा उत्पाद के उपयोग से होने वाले नुकसान की भरपाई करते हैं। हानिकारक उत्पादों के उपयोग से त्वचा में महीन रेखाएं हो जाती हैं। यह उन रेखाओं को कम करने में मदद कर सकता है।

इसका इस्तेमाल कोलेजन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा को सुंदर और निखार देने में मदद करता है।

पिगमेंटेशन से छुटकारा

यदि आप पिगमेंटेशन से परेशान हैं तो इससे छुटकारा दिलाने में भी ये मददगार साबित होंगे। समुद्री शैवाल में मौजूद प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट्स पर्यावरण से नमी को खींचते हैं और उसे त्वचा में बंद कर देते हैं, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है।

यह हाइड्रेशन बूस्ट त्वचा को कोमल बनाने और बारीक लकीरों एवं झुर्रियों को कम करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है।

मुंहासे के लिए खास

समुद्री शैवाल में विटामिन ए और नियासिनमाइड सहित कई आवश्यक विटामिन होते हैं, जो सीबम उत्पादन को विनियमित करने में मदद करते हैं।

मुंहासे वाली त्वचा के लिए समुद्री शैवाल प्राकृतिक एंजाइम प्रदान करके सौम्य एक्सफोलिएशन विधि प्रदान करते हैं, जो मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाती है और बंद छिद्रों को खोलती है।

यह प्रक्रिया मुंहासों को रोकने में मदद करती है और चमकदार त्वचा को जन्म देती है।

बिना पैसे खर्च किए ये घरेलू फेस पैक से चमक जाएगा चेहरा

हरतालिका तीज का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास माना जाता है। ये व्रत अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। इस साल सुहागिनों का ये त्योहार 6 सितंबर को मनाया जाएगा। इसके लिए महिलाओं ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। इस दिन महिलाएं खूब अच्छे से तैयार होकर महादेव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। बहुत सी जगहों पर तो सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए कुंवारी कन्याएं भी ये व्रत

रखती है।

हरतालिका तीज के दिन सजने-संवरने का भी काफी महत्व होता है। ऐसे में अगर आप हरतालिका तीज के दिन दमकती त्वचा पाना चाहती हैं तो अभी से घर पर बने फेस पैक का इस्तेमाल करें। यहां हम आपको कुछ ऐसे घरेलू फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको बनाने के लिए आपको पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बेसन और हल्दी से फेस पैक बनाने का सामान

2 टेबलस्पून बेसन
1/2 टेबलस्पून हल्दी
1 टेबलस्पून नींबू का रस
1-2 टेबलस्पून दही

विधि : इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको सबसे पहले सभी सामानों को मिलाकर पेस्ट बना तैयार करना है। अब इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। सूखने पर हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें। इससे आपकी त्वचा खिल उठेगी।

टमाटर और बेसन से फेस पैक बनाने का सामान

2 टेबलस्पून टमाटर का रस
1 टेबलस्पून बेसन
1/2 टेबलस्पून नींबू का रस

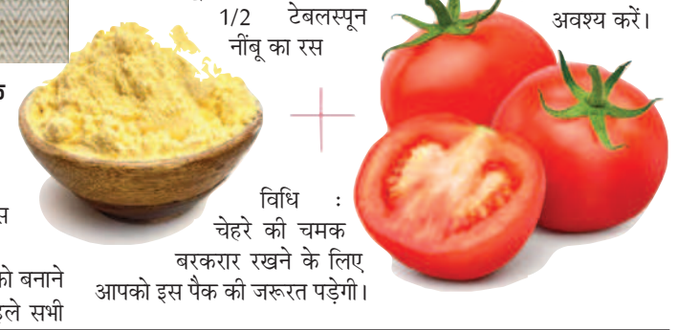

विधि : चेहरे की चमक बरकरार रखने के लिए आपको इस पैक की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए सबसे पहले इन सभी सामग्रियों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। ये पैक चेहरे के दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

शहद और दूध से फेस पैक बनाने का सामान

2 टेबलस्पून शहद
1 टेबलस्पून कच्चा दूध

विधि : इस पैक को बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले शहद और दूध को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यह त्वचा को मॉइस्चराइज और नरम बनाता है। अगर आपकी त्वचा ड्राई है, तब तो इसका इस्तेमाल अवश्य करें।

अनिल अंबानी की कंपनी का नाम गुम जाएगा

चेहरा बदल जाएगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारी कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल बिक गई है। अब इसका नाम भी बदलने वाला है। इस कंपनी को हिंदुजा ग्रुप की इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी लिमिटेड ने खरीदा है। कंपनी ने एनसीएलटी की मुंबई पीठ को बताया है कि टेकओवर के बाद रिलायंस कैपिटल को इंडसइंड नाम से रिब्रांड किया जाएगा। रिलायंस कैपिटल की देश के फाइनेंशियल सेक्टर में तूती बोलती थी। साल 2007 में इसका मार्केट कैप 70,000 करोड़ रुपये था और यह एचडीएफसी से भी बड़ी थी। इसकी गिनती देश के टॉप वित्तीय संस्थानों में होती थी। लेकिन धीरे-धीरे इसका पतन होने लगा। नवंबर 2021 में आरबीआई ने हस्तक्षेप करते हुए रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया और कंपनी को इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग में भेज दिया।

आईआईएचएल ने 9,841 करोड़

रुपये की बोली लगाकर रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण किया था। लेकिन अनिल अंबानी की कंपनी अनिल धीरूभाई अंबानी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड ने एनसीएलटी में दाखिल याचिका में आग्रह किया था कि हिंदुजा ग्रुप को रिलायंस नाम का इस्तेमाल करने से रोका जाए। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुजा ग्रुप की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि हिंदुजा की रिलायंस ब्रांड के तहत बिजनस करने की कोई मंशा नहीं है। हम चाहते हैं कि यह ट्रांजिशन जल्दी से जल्दी हो क्योंकि हम रिलायंस ब्रांड के बोझ से मुक्ति चाहते हैं। एनसीएलटी ने दोनों पक्षों को दो दिन में लिखित में जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई ती सितंबर को होगी।

क्या है विवाद

एडीएवीएल और रिलायंस कैप के बीच अप्रैल 2014 में 10 साल के लिए एक ब्रांड लाइसेंसिंग एग्रीमेंट हुआ था। यह इस साल अप्रैल में खत्म हो गया। एनसीएलटी ने आईआईएचएल को तीन साल तक रिलायंस ब्रांड यूज करने की अनुमति दी थी। लेकिन एडीएवीएल ने इसके खिलाफ याचिका दायर की थी। हिंदुजा के वकील ने कहा कि आईआईएचएल रिलायंस ब्रांड का इस्तेमाल नहीं करना चाहता है लेकिन ट्रांजिशन में समय लगेगा। रिलायंस कैपिटल के तहत कई कंपनियां हैं, इसके लाखों पॉलिसीहोल्डर्स हैं और इसके लिए तरह की मंजूरियों की जरूरत है। ऐसी स्थिति में केवल ट्रांजिशन के लिए ही ब्रांड नाम का इस्तेमाल होगा।

एडीएवीएल के वकील ने कहा कि ट्रांजिशन की प्रक्रिया तीन साल तक चल सकती है और इस दौरान आईआईएचएल को मुफ्त में रिलायंस का नाम यूज करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। उनका कहना था कि एग्रीमेंट 1 अप्रैल को खत्म हो गया है और इसके साथ ही रिलायंस कैपिटल का ब्रांड नाम का यूज करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून में यह नियम नहीं है जिससे एनसीएलटी खत्म हो चुके एग्रीमेंट को रिवाइव कर सके।

रोल्स रॉयस कार देखने गए तो सेल्समैन ने अपमानित किया

उसी कार को खरीद कर लक्की ड्रॉ में उपहार दे दिया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एक कहावत है तोल-मोल के बोल। मतलब कि हर शब्द और वाक्य को तोल-मोल के बोलें। कब आपकी कौन सी बात सामने वाले को बुरी लग जाए, कहा नहीं जा सकता। ऐसा ही कुछ हुआ मलयाली ज्वैलरी चेन जोयालुक्कास ग्रुप के चेयरमैन जॉय अलुक्कास के साथ। दरअसल, जब वह यूएई में रोल्स रॉयस कार के एक शोरूम में गए थे तो सेल्समैन की एक बात उन्हें चुभ गई थी। बस, उन्होंने वहीं खड़े-खड़े उस कार को खरीद डाली और उसका खुद उपयोग नहीं किया। उस करोड़ों रुपये की कार को लक्की ड्रॉ के पुरस्कार के रूप में दे दिया।

भारत के 50वें सबसे अमीर

ज्वैलरी ग्रुप जोयालुक्कास के अध्यक्ष जॉय अलुक्कास ने हाल ही में उस समय को याद किया जब उन्होंने अपनी पहली रोल्स रॉयस खरीदी थी। साथ ही उस घटना का भी जिक्र किया, जिसने उन्हें लक्जरी कार खरीदने के लिए प्रेरित किया था। उल्लेखनीय है कि 67 वर्षीय अलुक्कास के पास इस समय 4.4 अरब डॉलर की संपत्ति है। इसी के साथ वह भारत के 50वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

बीते दिन अल्लुकास ने सीएनबीसी-टीवी18 को दिए एक साक्षात्कार में इस घटना का जिक्र किया। उस दौरान उन्होंने बताया कि साल

2000 में वह किसी काम से संयुक्त अरब अमीरात गए थे। इसी दौरान उन्होने रोल्स रॉयस के एक शोरूम का भी दौरा किया। जैसे ही उन्होंने शोरूम में प्रवेश किया, एक सेल्समैन ने आ कर उनसे पूछा कि वह क्या चाहते हैं। इस पर अल्लुकास ने बताया, मैंने कहा कि मैं कार, रोल्स रॉयस देखना चाहता हूं। इसके बाद उसका हाव-भाव व्यंग्यात्मक हो गया। उसने कहा ₹नहीं, नहीं, नहीं। यदि आप कार खरीदना चाहते हैं, तो आप मित्सुबिशी शोरूम में जाएं, आपको वहां एक कार मिल जाएगी। उस सेल्समैन को शायद पता नहीं था कि वह इतनी बड़ी कंपनी के मालिक हैं।

अलुक्कास ने कहा, फिर मैंने सोचा... मुझे इस तरह के व्यवहार से शर्मिंदगी महसूस हुई और मैंने एक कार खरीदने का फैसला किया... उतनी ही सावधानी के साथ। मैंने इसे खरीद लिया। रोल्स रॉयस खरीदने के बाद, उन्हें लगा कि उन्हें अल्ट्रा लक्ज़री कार की ज़रूरत नहीं है और इसलिए, उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में अपनी आभूषण श्रृंखला के वार्षिक रैफ़ल ड्रा के विजेता को वही लग्जरी कार उपहार में देने का फैसला किया।

आज की तारीख में जॉय अलुक्कास के पास लग्जरी कारों का पूरा कारवां है। उन्होंने इसी साल मार्च में कथित तौर पर अपनी नवीनतम लक्जरी कार, रोल्स-रॉयस कलिनन खरीदी है। इस कार की कीमत 6 करोड़ थी।

चांदी एक दिन में 1242 रुपए सस्ती हुई 84,720 प्रति किलोग्राम पर पहुंची

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में आज (28 अगस्त) गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, बुधवार को एक किलो चांदी की कीमत 1242 रुपए गिरकर 84,720 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले मंगलवार को चांदी की कीमत 85,962 रुपए प्रति किलो थी।वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 68 रुपए घटकर 71,694 रुपए पर आ गया है। सोमवार को इसके दाम 71,762 रुपए प्रति दस ग्राम थे। इस साल सोना अप्रैल में 73,302 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

इस साल सोने में अब तक 8 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

IBJA के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,342 रुपए बढ़ चुके हैं। वहीं, चांदी की कीमत 12,567 रुपए बढ़ चुकी है। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 71,694 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 84,720 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना सहित कई राज्य पडे हैं इस कंपनी के पीछे

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। फॉक्सकॉन ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। ऐपल के लिए आईफोन बनाने वाली ताइवान की इस कंपनी ने अपनी होम कंट्री और चीन में फॉक्सकॉन सिटी बनाई है। अब वह भारत में भी इसी तरह का शहर बनाना चाहती है। उसे जमीन देने के लिए दक्षिण के तीन राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में होड़ मची है। तेलंगाना सरकार ने कंपनी को 2,000 एकड़ जमीन की पेशकश की है। सूत्रों के मुताबिक कम से कम दो और राज्यों ने भी फॉक्सकॉन को जमीन ऑफर की है। आंध्र प्रदेश ने कंपनी को औद्योगिक पार्क बनाने के लिए 2,500 एकड़ और कर्नाटक ने तीन सौ एकड़ जमीन की पेशकश की गई है।

हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि राज्य सरकारों ने कंपनी को किस जगह जमीन की पेशकश की है। तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने ईटी को बताया कि हाल ही में राज्या के मुख्यमंत्री ने फॉक्सकॉन के चेयरमैन से मुलाकात की थी। उन्होंने फॉक्सकॉन सिटी स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई। इसके जवाब में हमारी सरकार ने करीब 2,000 एकड़ जमीन की पेशकश की है। प्रस्ताव के मुताबिक कंपनी अपनी जरूरत के मुताबिक जमीन का विकास करेंगे। मुमकिन है कि कंपनी अपने सप्लायर्स को भी जमीन का कुछ हिस्सा दे सकती है। इसमें ताइवान, चीन या अमेरिका की कंपनियां शामिल हो सकती हैं। बाबू ने कहा कि फॉक्सकॉन ने संकेत दिया है कि उनकी एक टीम भूमि का आकलन करने के लिए इस सप्ताह तेलंगाना का दौरा करेगी। तमिलनाडु में चेन्नई के करीब श्रीपेरंबदूर में कंपनी की इंडस्ट्रियल हाउसिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर 17 अगस्त को फॉक्सकॉन के प्रेसिडेंट यंग लियू ने बताया कि उनकी कंपनी चेन्नई के पास एक औद्योगिक टाउनशिप बनाने की सोच रही है। अब अन्य दक्षिणी राज्य भी ताइवान की प्रमुख कंपनी से इसी तरह की पहल की मांग कर रहे हैं। बाबू ने कहा कि हमने फॉक्सकॉन को टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी विकल्प तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया है।

उन्होंने कहा कि अगर कंपनी हैदराबाद के पास किसी टियर 2 शहर में जमीन का चयन करने का फैसला करती है, तो हम इस प्रक्रिया को आसानी से पूरा कर सकेंगे। फॉक्सकॉन ने इस बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने बताया कि दक्षिण के दूसरे राज्यों और फॉक्सकॉन के बीच बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक फॉक्सकॉन को एक सप्लायर पार्क बनाने के लिए लगभग 300 एकड़ जमीन की पेशकश कर रहा है। अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। लेकिन इस फैसिलिटी को बनाने के लिए कंपनी के साथ बातचीत चल रही है। चेयरमैन लियू की भारत यात्रा के दौरान भी इस पर चर्चा हुई थी। दक्षिणी राज्य फॉक्सकॉन से अलग-अलग 'मॉडल' की मांग कर रहे हैं। तमिलनाडु में लियू ने स्पष्ट किया था कि कंपनी की योजना एक टाउनशिप या औद्योगिक पार्क बनाने की है जहां मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी और कामगारों के लिए आवास एक ही परिसर में होंगे।

13 साल में सबसे ज्यादा कमाई वाला देश बना कजाकस्तान

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। चीन दूसरे नंबर पर है और पिछले दो दशक से ग्लोबल इकॉनमी का इंजन बना हुआ है। जापान दुनिया की चौथी बड़ी इकॉनमी है। भारत सबसे तेज रफ्तार इकॉनमी है। साथ ही हम दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी हैं। लेकिन पिछले 13 साल में सबसे ज्यादा वेल्थ कमाने के मामले में एक मध्य एशियाई देश में सबको पीछे छोड़ दिया है। साल 2010 के बाद सबसे ज्यादा वेल्थ कमाने के मामले में कजाकस्तान पहले नंबर पर हैं। इससे देश की वेल्थ में पिछले 13 साल में 190% बढ़ोतरी हुई है। कजाकस्तान तेल, यूरेनियम और दूसरे नेचुरल रिसोर्सेज का प्रमुख उत्पादक देश है। 2010 के बाद सबसे ज्यादा वेल्थ कमाने के मामले में चीन दूसरे नंबर पर है। इस देश की वेल्थ में पिछले 13 साल में 185% बढ़ोतरी हुई है। शहरीकरण, रियल एस्टेट में तेजी और फाइनेंशियल सर्विसेज तक पहुंच बढ़ने से चीन की वेल्थ में तेजी से इजाफा हुआ। चीन करीब दो दशक से ग्लोबल इकॉनमी का इंजन बना हुआ है लेकिन हाल के महीनों में वहां आर्थिक मोर्चे पर कई तरह की समस्याएं सामने आई हैं। विदेशी निवेशक वहां के बाजार से पैसा निकाल रहे हैं और लोग पैसा खर्च करने के बजाय बचाने में लगे हैं। रियल एस्टेट संकट के कारण चीन की पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इसकी वजह यह है कि चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की एक तिहाई से ज्यादा हिस्सेदारी है।

भारत का हाल

पिछले 13 साल में सबसे ज्यादा वेल्थ कमाने के मामले में खाड़ी देश कतर तीसरे नंबर पर है। इस देश की वेल्थ 2010 के बाद 157 फीसदी बढ़ी है। गाजा पट्टी के साथ हमास के साथ युद्ध में फंसे इजरायल की वेल्थ पिछले 13 साल में 140% बढ़ी है। इसके बाद भारत का नंबर है। भारत की वेल्थ 2010 से 2023 के बीच 133 फीसदी बढ़ी है। इस लिस्ट में भारत के बाद हॉन्ग कॉन्ग का नंबर है। चीन का हिस्सा बन चुके हॉन्ग कॉन्ग की वेल्थ पिछले 13 साल में 127 फीसदी बढ़ी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह मे	सिंह-	05-18 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	कन्या-	07-24 बजे
मंगल	मिथुन मे	तुला-	09-28 बजे
बुध-	कर्क मे	वृश्चिक-	11-38 बजे
गुरु-	वृष मे	धनु-	13-52 बजे
शुक्र-	सिंह मे	मकर...	16-00 बजे
शनि-	कुंभ. मे	कुंभ-	17-48 बजे
राहु-	मीन मे	मीन-	19-28 बजे
केतु-	कन्या मे	मेष--	21-04 बजे
		वृष..	22-57 बजे
		मिथुन..	00-48 बजे
		कर्क..	03-48 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-05 सूर्यास्त. -18-28
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 01-37 तक उपरान्त द्वादशी
मास - भाद्रपद कृष्ण , गुरुवार 29 August
नक्षत्र - आद्रा 16-39 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - सिद्ध 18-16 तक उप व्यतिपात
करण- बव 13-24 तक उप बालव
विशेष:- अजा एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:01 - 07:36 शुभ	अमृत.	18:28 - 19:57 शुभ
रोग	07:36 - 09:10 अशुभ	चंचल.	19:57 - 21:24 शुभ
उत्पात	09:10 - 10:43 अशुभ	रोग.	21:24 - 22:50 अशुभ
चंचल	10:43 - 12:17 शुभ	काल	22:50 - 00:17 अशुभ
लाभ	12:17 - 13:50 शुभ	लाभ	00:17 - 01:43 शुभ
अमृत	13:50 - 15:24 शुभ	उत्पात	01:43 - 03:10 अशुभ
काल	15:24 - 16:57 अशुभ	शुभ	03:10 - 04:37 शुभ
शुभ	16:57 - 18:28 शुभ	अमृत	04:37 - 06:01 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

कुछ बड़ी चीजे आपके कार्य क्षेत्र में आपका इंतजार कर रही है । आपको कुछ समय से अपने कार्य के प्रति प्रशंसा नहीं मिल रही थी ,ये पूरी तरह से आज गायब हो जाएगा और आपको उच्च वेतन और अधिक भत्तों के साथ एक दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है जो आपकी सोच से परे थी , हालांकि इस नौकरी के लिए आपका स्थानांतरण हो सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशे के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

दिन की शुरुआत में ही अपने सभी कार्य खत्म करने की कोशिश करे ! आपको दिन के उत्तरार्द्ध में काम करने का मौका नहीं मिलेगा । किसी भी क्रय या विक्रय में सावधानी बरते अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है । आपको अपनी इच्छा शक्ति पर एक मजबूत नियंत्रण करना होगा , ताकि आप अपने खर्च को संतुलित कर पाए ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

25,129 का ऑलटाइम हाई बनाकर गिरा निफ्टी

ये 34 अंक की तेजी के साथ 25,052 पर बंद, आईटी फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में रही तेजी

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। निफ्टी ने आज यानी 28 अगस्त को 25,129 का नया ऑलटाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में यह उपरी स्तर से 77 अंक गिरकर 34 अंक की तेजी के साथ 25,052 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं, सेंसेक्स में भी 73 अंक की तेजी रही, ये 81,785 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 29 में तेजी और 21 में गिरावट रही। NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो IT, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। जबकि, बैंकिंग, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विस, FMCG, मेटल और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही।

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.22% की तेजी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 1.02% की गिरावट रही। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.40% गिरा और कोरिया के कोस्पी 0.022% चढ़ा।

NSE के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 27 अगस्त को 1,503.76 करोड़ के शेयर खरीदे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 604.08 करोड़ के शेयर बेचे। 27 अगस्त को अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.024% चढ़कर 41,250 के स्तर पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.16% चढ़ा, ये 17,754 के स्तर पर बंद हुआ। S&P500 0.16% की गिरावट के साथ 5,625 के स्तर पर बंद हुआ। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड का IPO पहले दिन टोटल 2.17 गुना सब्सक्राइब हुआ प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO के लिए आज बोली लगाने का दूसरा दिन है। पहले दिन में ओरिएंट टेक्नोलॉजीज का IPO टोटल 2.17 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। रिटेल कैटेगरी में IPO 1.91 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) में 0.04 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) कैटगरी में 5.53 गुना सब्सक्राइब हुआ।

जल्दी ही आप कोलकाता से कार चलाते हुए थाईलैंड पहुंचेंगे

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जबकि आप कोलकाता के प्रसिद्ध हावड़ा ब्रिज से कार लेकर निकलें और ड्राइव करते-करते थाईलैंड की राजधानी बैंकाक तक पहुंच जाएं। यह राजमार्ग भारत से म्यांमार होते हुए बैंकाक तक जाएगा। जी हां, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के इस त्रिपक्षीय राजमार्ग को जमीन पर उतारने का प्रयास तेजी से चल रहा है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो साल 2027 तक यह परियोजना पूरी हो जाएगी। इससे संबंधित एक रिपोर्ट हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया ने छापी है।

कोलकाता-बैंकाक हाईवे, जिसे त्रिपक्षीय हाईवे या राजमार्ग के नाम से भी जाना जाता है, एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसका उद्देश्य भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच संपर्क बढ़ाना है। भारत में कोलकाता से थाईलैंड में बैंकाक तक फैला यह हाईवे म्यांमार से होकर गुजरेगा। इसके बन जाने से तीनों देशों के व्यापारिक संबंधों में सुधार होगा और क्षेत्रीय एकीकरण में मदद मिलेगी। यह परियोजना भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी के साथ अलाइंड है। साथ ही बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल का हिस्सा है और भारत में सबसे लंबी राजमार्ग परियोजनाओं में से एक बनने के लिए तैयार है।

इस राजमार्ग को डेवलप करने के पीछे भारत के पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दृष्टि थी। उनके नेतृत्व में ही साल 2002 में त्रिपक्षीय राजमार्ग की कल्पना की गई थी। इससे भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा मिलने की पूरी उम्मीद है।

इस परियोजना का उद्देश्य तीनों देशों के बीच निर्बाध संपर्क बनाना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाना है। कई चुनौतियों और देरी का सामना करने के बावजूद, इस राजमार्ग के 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है, जो इस क्षेत्र में व्यापार और यात्रा को एक नया आयाम प्रदान करेगा। कोलकाता-बैंकाक राजमार्ग के पूरा होने से व्यापार और कनेक्टिविटी के मामले में महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। यहां हम बता रहे हैं इस राजमार्ग से मिलने वाले कुछ प्रमुख लाभः-

व्यापार में वृद्धिः राजमार्ग भारत और आसियान देशों के बीच निर्यात और आयात में वृद्धि की सुविधा प्रदान करेगा, आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा और व्यापार की मात्रा को बढ़ाएगा।

शिवाजी की मरीन गुरिल्ला हमला करके समंदर में गायब हो जाते थे, जिससे औरंगजेब हुआ था त्रस्त

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 5 जनवरी, 1664 को 10 हजार घुड़सवारों के साथ एक दाढ़ी वाल शख्स ने अरब सागर के किनारे बसे मुगलों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर सूरत पर हमला कर दिया। तीन दिन तक इस अमीर शहर को लूटा गया और मुगलों के दो तिहाई कारखानों को आग लगा दी गई। उस वक्त हिंदुस्तान पर मुगल बादशाह औरंगजेब की हुकूमत थी। ब्रिटिश भारत के एक इतिहासकार कैप्टन ग्रांट डफ ने अपनी किताब 'द हिस्ट्री ऑफ मराठा' में लिखा है कि सूरत में औरंगजेब का गवर्नर शाइस्ता खां था, जिसे इस तरह के भयावह और औचक हमले का अंदाजा भी नहीं था। मुगल सैनिकों को भागने का मौका भी नहीं मिला। यह खबर जब दिल्ली में बैठे औरंगजेब तक पहुंची तो वह गुस्से से उबल पड़ा। उसने हरकारे से पूछा कि ये कौन है, जिसने मुगल हुकूमत को नई चुनौती दी है? जवाब मिला-कोई शिवाजी है। औरंगजेब तब समझ चुका था कि मुगल साम्राज्य को अब मराठों के रूप में बड़ी चुनौती मिलने जा रही थी। हाल ही में सिंधुदुर्ग में शिवाजी की 35 फीट ऊंची प्रतिमा ढहने का मामला काफी गरमा गया है। इसे भारतीय नौसेना ने बनवाया था। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर शिवाजी की इस प्रतिमा का अनावरण किया था। आइए-जानते हैं शिवाजी महाराज की नौसेना की रणनीति और सिंधुदुर्ग जैसे किले बनाने के पीछे की कहानी।

300 से ज्यादा किले जीते, 16 की उम्र में पहली जीत

छत्रपति शिवाजी महाराज एक नौसैनिक रणनीतिकार के साथ-साथ किले की लड़ाई के भी उस्ताद थे। किलों पर विजय प्राप्त करने की शुरुआत शिवाजी महाराज ने 16 साल से कम उम्र में बीजापुर के तोरणा किले से की थी। उस किले को उन्होंने सेनापति को रिश्वत देकर हासिल किया था। इसी किले की वजह से उनका बीजापुर की आदिलशाही सल्तनत के गवर्नर अफजल खान से टकराव हुआ, जिसे उन्होंने बघनख से फाड़कर सबको हैरान कर दिया था। जीवन के 35 साल के दौरान शिवाजी ने 300 से अधिक किलों पर विजय प्राप्त की थी। इन किलों ने जमीनी और समुद्री रक्षा दोनों में अहम भूमिका निभाई। 1674 में उन्हें औपचारिक रूप से मराठा साम्राज्य के राजा के रूप में ताज पहनाया गया। उन्होंने अपने साम्राज्य का विस्तार करते हुए इसमें वर्तमान महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के महत्वपूर्ण हिस्सों को शामिल किया।

रायगढ़ का किला जीतकर रखी मराठा साम्राज्य की नींव

1630 को वर्तमान महाराष्ट्र में जुन्नार के पास शिवनेरी किले में जन्मे शिवाजी ने महाराष्ट्र में रायगढ़ का किला जीता था, जिसे पहले रायरी के नाम से जाना जाता था। इस किले को जीतकर शिवाजी ने इसे अपनी राजधानी बनाया था। उन्हें 1674 में यहीं मराठा साम्राज्य का राजा बनाया गया था। शिवाजी महाराज को उनकी खास सैन्य रणनीति के लिए जाना जाता है, जिसमें पश्चिमी घाट के पहाड़ी इलाकों में गुरिल्ला युद्ध की शुरुआत भी शामिल है, जिसे 'गनिमी कावा' के नाम से जाना जाता है।

क्यों गिरा शिवाजी का 35 फीट ऊंचा स्टैच्यू? नौसेना ने जांच के लिए बनाई टीम, सुप्रिया सुले बोलीं-ठाणे का था ठेकेदार

सिंधुदुर्ग, विजयदुर्ग के जरिए की समुद्री सीमाओं की रक्षा

शिवाजी महाराज ने समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए कई किले बनवाए थे, जिसमें से एक महाराष्ट्र के मालवन तट पर स्थित सिंधुदुर्ग का किला था। यह एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा भी था। यह कोंकण तटरेखा की रक्षा के लिए शिवाजी महाराज द्वारा बनाए गए कई नौसैनिक किलों में से एक था। शिवाजी ने इसी तरह से कोंकण तट पर विजयदुर्ग का किला भी बनवाया था। यहां पर समुद्री जहाज बनाए जाते थे।

3000 मजदूरों ने 3 साल में बनाया था सिंधुदुर्ग का किला

छत्रपति शिवाजी ने इस किले की नींव 25 नवंबर, 1664 को रखी थी। इस किले का निर्माण कोंकण तट पर शिवाजी के कमांडर हीरोजी इंदुलकर की देखरेख में किया गया था। हीरोजी

ने इसे अभेद्य बनाने के लिए गोवा के पुर्तगाली इंजीनियरों की मदद ली थी। इस किले में दुश्मन किसी भी तरीके से घुस नहीं सकता था। आज तो बस इसके खंडहर ही बचे हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और समुद्र के किनारे की खूबसूरती इस किले की भव्यता में चार चांद लगा देते हैं। करीब 48 एकड़ में फैले इस किले की ऊंचाई 30 फुट है। इस किले की तीन दीवारें 12 फुट मोटी हैं, जो पुर्तगालियों, अंग्रेजों के साथ-साथ अरब सागर के समुद्री लुटेरों से भी बचाने में मददगार हुआ करती थीं। इसे 3000 से अधिक मजदूरों ने बनाया था। उस वक्त यह तीन साल में बनकर तैयार हुआ था। इस किले का निर्माण डच, फ्रांसीसी और पुर्तगालियों के आक्रमण को रोकने के लिए किया गया था।

20 जंगी जहाजों का बेड़ा बनाया, जो हर वक्त रहती मुस्तैद

मराठा नौसैनिक अड्डे की पहली नींव 1654 में कल्याण के पास रखी गई थी। समय के साथ उन्होंने कई नौसैनिक अड्डे और एक बेड़ा बनाया जिसमें 20 युद्धपोत शामिल थे, जो हर वक्त लड़ाई के लिए मुस्तैद रहती थी। इसकी कमान पुर्तगाली और सिद्दी लोगों सहित स्थानीय और विदेशी भाड़े के सैनिकों के हाथ में थी। बाद में शिवाजी के बेड़े में कम से कम 500 जंगी जहाज शामिल हो गए थे।

शिवाजी ने समुद्र में गुरिल्ला युद्ध की अवधारणा को आगे बढ़ाया, जिसमें दुश्मन को हैरान करते हुए उसके जहाजों पर अचानक तेल हमले करना। समंदर में तेजी से चलने वाले जहाजों का इस्तेमाल करना। यह रणनीति दुश्मन को चकमा देने के लिए डिजाइन की गई थी, जिससे रणनीतिक फायदा लिया जा सके। सिंधुदुर्ग और विजयदुर्ग जैसे किले बनाने वाले शिवाजी का नौसैनिक बेड़ा विविध था। इस बेड़े में कई तरह के जहाज जैसे गुरब, गैलीबाट और मंजुहस्म शामिल थे, जिनका इस्तेमाल अचानक हमला करने और नौसैनिक नाकाबंदी करने में किया जाता था। शिवाजी की मराठा नौसेना में कभी भी सभी जंगी जहाजों को एक जगह पर नहीं रखा जाता था। उन्हें छोटे स्क्वाड्रनों में समुद्री खाड़ियों और चट्टानों के पीछे छिपा दिया जाता था। ये दुश्मन को करारा जवाब में देने में ज्यादा चुस्त और डायनामिक होते थे। इससे दुश्मन यह आकलन नहीं कर पाता था कि हमला कब और कहां से होगा।

'द ग्रेट मराठा' किताब लिखने वाले रंजीत देसाई ने लिखा है कि शिवाजी महाराज ने मुगल सेना के विरुद्ध सफलतापूर्वक युद्ध लड़ने के लिए गुरिल्ला युद्ध शैली का इस्तेमाल किया। गुरिल्ला शब्द का अर्थ है 'छोटे दल'। शिवाजी ने पहाड़ी क्षेत्रों की भूगोलिक परिस्थितियों के मुताबिक छोटी, मगर हमेशा मुस्तैद रहने वाली लड़ाकू मराठा आर्मी तैयार की थी। यही तरीका शिवाजी की मरीन आर्मी समंदर में भी अपनाती थी। वह खाड़ी में छिपकर दुश्मन के नौसैनिक बेड़े पर अचानक टूट पड़ती और तहस-नहस करके गायब हो जाती। इस टुकड़ी ने हिंदुस्तान के पश्चिमी समुद्र तटीय हिस्सों को समुद्री लुटेरों, सिद्दियों से रक्षा की थी।

कैसे काम करती थी यह आर्मी, जिसमें शामिल थे मुसलमान

किताब 'द ग्रैंड रिबेल' में लेखक डेनिस किनकैड के अनुसार, गुरिल्ला आर्मी तेजी से चलने और अचानक हमला करने में माहिर थी। वे छोटी-छोटी बटालियनों में जमीनी जंग में मुगल सेना पर हमला करते और फौरन पहाड़ों में वापस लौट जाते और छिप जाते। रात के समय छिपकर हमला करना भी इन योद्धाओं की एक खासियत थी। शिवाजी की सेना में उस वक्त तक तोपखाना नहीं था, इसलिए ये योद्धा तलवारबाजी और छोटे हथियारों का इस्तेमाल करते थे। गुरिल्ला युद्ध शैली से त्रस्त होकर मुगल सेना पूरी तरह से असहाय हो गई। इसमें स्थानीय कबायली मुसलमान और पठान भी शामिल थे, जो बेहद लड़ाकू हुआ करते थे।

नौसैनिक स्ट्रैटेजी अटैकिंग के साथ-साथ डिफेंसिव भी

शिवाजी ने नौसैनिक लड़ाइयों में विशेषज्ञता के लिए पुर्तगाली नाविकों को काम पर रखा। अपने नौसैनिक बल में विविधता लाने के लिए भाड़े के मुस्लिम सैनिकों को भी शामिल किया, जो ऐसी लड़ाइयों में माहिर हुआ करते थे। शिवाजी की नौसेना का पहला मकसद था कि मराठा क्षेत्र की लंबी तटरेखा की रक्षा करना और व्यापार मार्गों की सुरक्षा करना था। उनकी नौसैनिक रणनीति न केवल आक्रामक थी बल्कि रक्षात्मक भी थी, जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित समुद्री वातावरण बनाना था। द ग्रेट मराठा किताब के अनुसार, शिवाजी महाराज ने अपनी नौसेना का इस्तेमाल कूटनीति के रूप में भी किया। वह अपनी नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रणनीतिक गठबंधनों और संधियों में लगे रहे, जिससे मराठा साम्राज्य के भू-राजनीतिक प्रभाव में वृद्धि हुई। उन्होंने उस दौर की नौसैनिक तकनीक अपनाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। उनके जहाजी बेड़े उन्नत नेविगेशन सिस्टम और तोपखाने से लैस थे, जो उन्हें नौसैनिक लड़ाइयों में शिवाजी को अजेय बनाते थे। उनका एक महत्वपूर्ण नौसैनिक संघर्ष कोंकण तट के पास जंजीरा द्वीप के सिद्दियों के खिलाफ था, जिन्हें अपनी नौसेना के दम पर उन्होंने पस्त कर दिया था।

अंग्रेजों ने शिवाजी के नौसैनिक तौर-तरीकों को अपनाया

जब हिंदुस्तान में अंग्रेजों का राज आया तो उन्होंने शुरुआत में अपने व्यापार मार्गों की सुरक्षा और समुद्री डकैती से निपटने पर फोकस किया, जिसके कारण 17वीं शताब्दी में बॉम्बे मरीन की स्थापना हुई। इसका काम मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी में ब्रिटिश व्यापारी जहाजों की सुरक्षा का काम सौंपा गया था। अंग्रेजों ने अपनी नौसैनिक फोर्स का एकीकरण किया, जो बाद में बॉम्बे मरीन, रॉयल इंडियन मरीन और अंततः 1934 में रॉयल इंडियन नेवी बन गया। इसने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवाजी पहली हस्ती थे, जिन्होंने समुद्र तट और व्यापार मार्गों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत नौसेना की रणनीतिक अहमियत को समझा। यहीं से भारतीय नौसेना की भी नींव पड़ी।

सिंहदेव बोले-अपनी एजेंसियों पर भरोसा नहीं, सरकार कैसे चलाएंगे

महादेव सट्टा केस सीबीआई को सौंपने पर बोले पूर्व डिप्टी सीएम– दिल्ली जैसी हालत न हो

सरगुजा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चर्चित महादेव सट्टा ऐप केस की जांच छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को सौंप दी है। इस पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि आईटी, ईडी मामले की जांच कर रही थी। भाजपा को अपनी ही जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं, ये सरकार क्या चलाएंगे। सिंहदेव ने कहा कि कोई भी एजेंसी जांच करे, हश्र दिल्ली केस जैसा न हो।

टीएस सिंहदेव ने कहा कि अब मामले में सीबीआई की जरूरत पड़ रही है तो भारतीय जनता पार्टी कह रही है कि हमको विश्वास नहीं है कि आईटी और ईडी में क्षमता है। पहली चीज यह कि वे एजेंसियों पर ही सवाल लगा दे रहे हैं, ये तो बेकार है। ये कुछ नहीं कर सकते।

राज्य की इकाइयों पर नहीं किया भरोसा

सिंहदेव ने कहा कि स्वयं की राज्य की इकाइयों में केस दर्ज कराया। ईओडब्ल्यू और एंटी करप्शन में मामला दर्ज कराया। एंटी करप्शन ब्यूरो, ईओडब्ल्यू पर भी राज्य सरकार को भरोसा नहीं है। अपनी ही इकाइयों पर भरोसा नहीं है। पहले उन्होंने खुद कहा था कि हम जांच ईओडब्ल्यू से कराएंगे। अब एक महीने में सीबीआई से जांच कराने की बात कर रहे हैं।

टीएस सिंहदेव ने कहा कि सीबीआई को मामला जाए, मुझे या किसी और को आपत्ति नहीं है। किसी भी एजेंसी से आप जांच कराइए। जल्दी से जल्दी जांच कराइए। सही तथ्यों को सामने लाइए। इसमें भी राजनीति नहीं होनी चाहिए। गलत प्रक्रिया नहीं अपनाई जानी चाहिए, जो मनीष सिसोदिया के साथ अपनाई गई। जो अरविंद केजरीवाल के साथ अपनाई जा रही है।

सिंहदेव ने कहा कि जो अन्य लोगों के साथ अपनाई जा रही है। डेढ़ साल से अधिक समय तक आपने मनीष सिसोदिया को जेल में बंद करके रखा। अंत में सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि ये क्या है। अरविंद केजरीवाल पर ईडी की कार्रवाई चल रही है। ईडी से बेल की बात चल रही है और उसमें बीच में सीबीआई भी ला देते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

16 महीने से महादेव सट्टा ऐप केस की जांच ईडी कर रही थी। ईडी ने बताया कि, इस केस में कांग्रेस सरकार में मंत्री रह चुके नेता, प्रदेश के कुछ पुलिस अफसर और बड़े प्रॉपर्टी डीलर शामिल रहे हैं।

9 महीने पहले बनी भाजपा सरकार ने यह तीसरा केस सीबीआई को दिया है। इससे पहले बिरनपुर और सीजीपीएससी घोटाला भी सीबीआई को दे चुके हैं। ईडी, ईओडब्ल्यू के अलावा महादेव ऐप केस में एसईबीआई (भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड) भी जांच कर रही है। ईडी की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि महादेव सट्टा ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और शुभम सोनी ने सट्टेबाजी की काली कमाई को सफेद करने शेयर मार्केट में 1000 करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। इसी की जांच एसईबीआई कर रही है।

नक्सलियों ने पुलिसकर्मी के भाई को मार डाला

गांव से किडनैप कर ले गए थे जंगल, 5 दिन में 3 लोगों का मर्डर

बीजापुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक पुलिसकर्मी के भाई को मार डाला। नक्सली गांव से युवक को अगवा कर ले गए, फिर जंगल में धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। नक्सलियों ने 5 दिन में तीसरे ग्रामीण का मर्डर किया है। पूरा मामला मिरतूर थाना क्षेत्र के तिमेनार का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम सुदरू कारम (27) है। कारम का भाई दंतेवाड़ा में प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत है। कारम खेती किसानी का काम कर रहा था, तभी कुछ नक्सली पहुंचे। वहां से उसे उठाकर ले गए और मारकर फेंक दिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। 22 अगस्त को बीजापुर जिले में नक्सलियों ने जमीदार लांचा पुनेम की हत्या कर दी थी।

असम सीएम बोले- चंपाई सोरेन की हो रही थी जासूसी

स्पेशल ब्रांच के 2 पुलिस अधिकारी दिल्ली में पकड़े गए, राज्यपाल से करेंगे शिकायत

रांची, 28 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि 'चंपाई सोरेन की जासूसी हो रही थी। दिल्ली पुलिस ने ऐसे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों को दिल्ली पुलिस ने अपनी कस्टडी में रखा है।' हिमंता ने कहा कि 'इन दोनों के नाम और उनकी तस्वीर मेरे पास है, लेकिन मैं इसे सार्वजनिक नहीं कर रहा क्योंकि संभव है कि वह किसी और नक्सल ऑपरेशन या किसी मामले की जांच में हों।'

हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि 'पूछताछ में दोनों ने आईजी प्रभात कुमार का नाम लिया। उनके कहने पर ही दोनों सब इंस्पेक्टर जासूसी कर रहे थे। संभव है कि चंपाई सोरेन का फोट टैप भी हुआ है। दोनों फ्लाइट में चंपाई सोरेन के साथ यहां आए और चंपाई जहां ठहरे थे उसके पास ही होटल लेकर रह रहे थे।

चंपाई सोरेन को कई बार एहसास हुआ कि कोई उनका पीछा कर रहा है। उनकी तस्वीर ले रहा है। चंपाई सोरेन ने भी इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है।' हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 'यह एक गलत परंपरा है। यह एक बड़ा मुद्दा है। प्राइवेसी को पूरी तरह खत्म करने की कोशिश है। दोनों व्यक्ति इस वक्त चाणक्यपुरी थाने में है। यह संवैधानिक भारत में नहीं हुआ। मेरा संदेश है कि फोन टैप भी हुआ होगा, अगर किसी ने पूरी फंडिंग की है, फ्लाइट में आने के लिए फंडिग की है। होटल में ठहरने के लिए फंडिग की है तो यह कितना बड़ा मामला है आफ समझ सकते हैं। 30 अगस्त को रांची में राज्यपाल से मिलकर इस मामले से अवगत कराया जाएगा। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन आज ही झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) छोड़ सकते हैं। वे दोपहर 2 बजे दिल्ली से रांची लौटेंगे। चंपाई 30 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होंगे।झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'हमने क्या किया, नहीं किया इसका फैसला राज्य की जनता, महिला और युवा करेंगे।'असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार रात सोशल मीडिया X पर लिखा- चंपाई सोरेन ने कुछ देर पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वे रांची में आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे।

कार ने पांच को कुचला

दो लोगों की मौके पर मौत और तीन घायल, हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद

कोरबा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक तेज रफ्तार कार ने 2 अलग-अलग बाइक को टक्कर मार दी, जिससे 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं 3 की हालत नाजुक है। हादसे के बाद भीड़ ने आरोपी ड्राइवर को पकड़ लिया। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाले का नाम मनोज गिरी है, जो रामपुर आईटीआई का रहने वाला था, जबकि दूसरे का नाम शिवकुमार है, जो निहारिका क्षेत्र का रहने वाला था। वहीं दूसरे बाइक पर सवार तीन लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों की हालत गंभीर है। हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार

रात करीब 9 बजे तेज रफ्तार कार निहारिका की ओर से कोसाबाड़ी की तरफ जा रही थी। इस दौरान एक बाद एक बाइक सवारों को कुचलती गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। वहीं भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान राहगीरों की मदद से सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन 2 लोगों को डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। वहीं तीन लोगों का जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामले में कोरबा एसपी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। साथ ही शराब के नशे में धुत होकर गाड़ी चलाने को लेकर कहा कि मुलाहिजा कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कह पाएंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में बुधवार रात को दो अलग-अलग हादसे हुए। एक हादसे में डंपर ने बाइक सवारों को रौंद दिया। जिससे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक और हादसे में तेज रफ्तार बाइक सवार ट्रक के पीछे से टकराया।

इसका लाइव वीडियो भी सामने आया है। यह दोनों हादसे नेशनल हाईवे-130 पर हुए।

महिला फॉरेस्ट गार्ड का रिश्वत लेते वीडियो

जब्त ट्रैक्टर को छोड़ने मांगे डेढ़ लाख पैसे नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी

बलरामपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में महिला वनरक्षक का रिश्वत लेने का वीडियो सामने आया है। फॉरेस्ट गार्ड ने जब्त ट्रैक्टर को छोड़ने के एवज में डेढ़ लाख रुपए रिश्वत मांगी थी। पैसे नहीं देने पर वाहन जब्त कर जेल भेजने की धमकी भी दी गई, फिर सौदा 60 हजार में तय हुआ था। वीडियो 8 जुलाई का बताया जा रहा है। मामला राजपुर वन परिक्षेत्र के ओकरा बीट का है। अमदरी वन भूमि पर ट्रैक्टर से जुताई करते समय वन विभाग की टीम ने वाहन को जब्त किया था। लोगों ने कलेक्टर, डीएफओ और थाना प्रभारी राजपुर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं वन अधिकारी वीडियो को प्रायोजित बता रहे हैं। शिकायत के मुताबिक, यह घटना 8 जुलाई की है। ग्राम अमदरी के 47 साल के विद्यासागर गुप्ता ने शिकायत में बताया कि कोरगी में वन भूमि 75 डिसमिल का पट्टा, 27 फरवरी 2021 को छत्तीसगढ़ शासन से मिला है। शासन से मिली वनभूमि पर खेती करने के लिए गया था। जमीन की जुताई करने के बाद अपने घर के पास स्थित अपनी पैतृक भूमि पर ट्रैक्टर लेकर खड़ा था। इस दौरान वन अमला पहुंचा और सरकारी जमीन पर वाहन खड़े करने का आरोप लगाते हुए ट्रैक्टर जब्त कर लिया।

मंत्री राजवाड़े के जेठ ने पुलिसकर्मी का नोचा बैच

छत्तीसगढ़ में नशे में सस्पेंड कराने की धमकी, कांग्रेस बोली-मैडम रिश्तेदारों को काबू में रखें

अंबिकापुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में थाने के अंदर नशे में एक युवक का वीडियो सामने आया है, जिसमें वो खुद को मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जेठ बता रहा है। फोन लगाकर मंत्री से बात करने की जिद की, क्योंकि पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया था। कांग्रेस ने भी वीडियो शेयर कर लिखा है कि मैडम, अपने रिश्तेदारों को काबू में रखें।

हेड कॉन्स्टेबल का आरोप है कि, उसे सस्पेंड कराने और बस्तर भेज देने की धमकी भी दी गई। नशे में धुत राजू राजवाड़े ने उसका बैच भी नोचा था। वहीं शिकायत करने पर कॉन्स्टेबल देव नारायण नेताम को ही लाइन हाजिर कर दिया गया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर किया है। जिसमें लिखा है कि, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जी, आपका देवर सरकारी दारू पीकर सड़क में तमाशा मचा रहा है। आपसे बात करना चाहता है, ताकि आप मामला रफा-दफा कर दें, बात कर लीजिए मैडम और आपके रिश्तेदारों को काबू में रखें, आम जनता परेशान होती है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने भी कहा कि, अगर ऐसा है तो दुर्भाग्य पूर्ण है। लक्ष्मी जी जिला पंचायत की सदस्य से ना केवल विधायक बनीं बल्कि मंत्री भी बन गईं। उनके परिवार को और उनसे जुड़े लोगों को भी जवाबदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उनके किसी आचरण से कहीं कमी ना आए जिसका उल्टा प्रभाव समाज पर पड़ता है। 25 अगस्त की रात पुलिस चौकी से लगे बस स्टैंड पर एक कार खड़ी थी, जिससे बसों को खड़ी होने के लिए जगह नहीं मिल पा रही थी, वहां कुछ गाड़ियां भी फंसी थीं। पुलिस चौकी में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल देव नारायण नेताम कार के पास पहुंचे। इस दौरान 2 लोग कार में कथित रूप से शराब पी रहे थे। हेड कॉन्स्टेबल ने जब गाड़ी हटाने की बात कही, तो उन्होंने कहा कि तुम मुझे जानते नहीं हो, जिसे बुलाना हो बुला लो। पुलिस ने मंत्री के जेठ और उसके साथी का मेडिकल चेकअप भी कराया, जिसमें वे नशे की हालत में मिले। इसके बाद थाने लाए गए, जहां हंगामे करने लगा। इस मामले में हेड कॉन्स्टेबल देव नारायण नेताम ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत की है कि राजू राजवाड़े ने उनके साथ हुज्जत की। बैच निकालकर धमकी दी। आवेदन पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है।

सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की 'पुरानी रणनीति' का सहारा ले रही भाजपा

दुमका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वह फिर से अपने पुराने तरीके अपनाकर सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। सोरेन की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब झामुमो के विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री ने दिल्ली में एलान किया है कि वह भाजपा में शामिल होंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने फिर से 'सरकार तोड़ो अभियान' और 'विधायक तोड़ो अभियान' शुरू कर दिया है, जैसा कि उसने लोकसभा चुनावों के दौरान भी किया था। दुमका जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा) झारखंड के आगामी विधानसभा चुनावों में लोगों से करारा जवाब मिलना तय है, जैसा कि लोकसभा चुनावों में मिला था। इससे पहले दोपहर में चंपई सोरेन ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि वह अपने बेटे के साथ 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके नेता धर्म और समुदाय के नाम पर बांटने की राजनीति में शामिल है।

निजी स्कूलों की तर्ज पर खोले गए थे 80 स्कूल

रांची, 28 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस चल रहे हैं। इनमें हिंदी और इंग्लिश दोनों मीडियम से पढ़ाई हो रही हैं। 11वीं और 12वीं में 19,815 छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं। इनमें साइंस के 5845, आर्ट्स के 12,285 और कॉमर्स के 1685 विद्यार्थी शामिल हैं। लेकिन शिक्षा विभाग ने साइंस स्ट्रीम में 11वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स को सिर्फ हिंदी मीडियम की किताबें थमा दी हैं। जबकि 60% स्टूडेंट्स इंग्लिश मीडियम के हैं।

554 दिन में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के खात्मे की तैयारी

30 करोड़ से हाईटेक होगी पुलिस, 7 राज्यों की जेटीएफ, अक्टूबर तक नई सरेंडर पॉलिसी

रायपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 24 अगस्त को रायपुर में कहा था- 'मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म कर देंगे। अब समय आ गया है कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर एक मजबूत और रुथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाए।' यानी फरवरी 2026 के आखिर तक छत्तीसगढ़ को 554 दिन में नक्सलवाद खत्म करने का टारगेट दिया गया है। इसके लिए पुलिस को हाईटेक बनाया जाएगा। जेटीएफ का गठन होगा। नक्सल प्रभावित इलाकों में हर उम्र के लोगों को साक्षर बनाया जाएगा। अब समझिए शाह की बैठक के बाद प्रदेश पुलिस के इन्फ्रास्ट्रक्चर में क्या बदलाव होगा? नक्सल ऑपरेशन कैसे चलेगा? जेटीएफ क्या है? पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ कैसे करेगा काम? छत्तीसगढ़ पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए 30 करोड़ देने की घोषणा की गई है। इससे पुलिस के पास नक्सली इलाकों में ऑपरेशन के लिए आधुनिक इक्विपमेंट, थानों में नेटवर्क और डिजिटल वर्क, पुलिस इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंटेलिजेंस को मजबूत करने, शहरी इलाकों में पुलिस व्हीकल, कैमरे वगैरह की व्यवस्था की जाएगी। केंद्रीय गृहमंत्री की बैठक के बाद तय किया गया है कि डीजीपी हर सप्ताह नक्सल ऑपरेशन में लगी टीम के साथ बैठक करेंगे। मुख्य सचिव को हर 15 दिन में एक बार नक्सल अभियान से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेनी होगी। छत्तीसगढ़ पुलिस अब पहले के मुकाबले और एग्रेसिव ढंग से झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र पुलिस के साथ नक्सल ऑपरेशन करेगी। इसके निर्देश खुद केंद्रीय गृहमंत्री ने दिए हैं। ये भी कहा गया है कि जॉइंट टास्क फोर्स (जेटीएफ) बनाई जाए।

भारत ने 73 हजार अमेरिकी राइफल्स का ऑर्डर दिया

837 करोड़ में डील हुई, 2019 में 647 करोड़ में 72,400 राइफल्स मंगाई थीं

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने अमेरिका से 73,000 सिग सॉ असॉल्ट राइफल्स का दूसरा ऑर्डर दिया। सिग सॉ ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस डील को भारत ने 837 करोड़ रुपए में साइन किया है।

इससे पहले फरवरी 2019 में फास्ट-ट्रैक खरीद के तहत भारत ने 647 करोड़ रुपए में 72,400 सिग-716 राइफल्स का ऑर्डर दिया था। राइफल्स की दूसरी खरीद को दिसंबर 2023 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुआई में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने मंजूरी दी थी। इसकी डिलीवरी के बाद भारतीय सेना के पास 1.45 लाख से ज्यादा सिग-716 असॉल्ट राइफल्स हो जाएंगी। 2018-19 में राइफल्स की बढ़ती जरूरत के लिए भारत ने रूस से एके-203 राइफल्स का ऑर्डर दिया था, लेकिन इनके मिलने में देरी के चलते भारत ने फरवरी 2019 में अमेरिकी फर्म सिग सॉ से डील की थी। पहले लॉट में आईं 72,400 राइफल्स से सेना को 66,400, एयरफोर्स को 4,000 और नेवी को 2,000 राइफल्स दी गई थीं। ये धीरे-धीरे इनसास राइफल की जगह लेंगी।

भारत एके-203 कलाश्निकोव राइफल्स को रूस की मदद से अमेठी के इंडो-रूस राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड में बना रहा है। इसमें 35,000 एके-203 कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल्स की पेंडिंग डिलीवरी जुलाई 2024 में कर दी गई है।

किम जोंग ने बढ़ाई अमेरिका की टेंशन

नए महाविनाशक रॉकेट लॉन्चर का उत्तर कोरिया ने किया टेस्ट

सियोल तक कर सकता है हमला

प्योंगयांग, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया एक बार फिर अपने हथियारों की टेस्टिंग करने में लगा है। खास बात है कि इन हथियारों की टेस्टिंग का निरीक्षण खुद किम जोंग उन ने किया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने उन्नत 240 मिमी रॉकेट लॉन्चर सिस्टम के परीक्षण का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि निरीक्षण परीक्षण के दौरान सिस्टम ने गतिशीलता और स्ट्राइक की सटीकता में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। बयान में कहा गया है कि लॉन्चर को तकनीकी रूप से इसकी गतिशीलता और केंद्रित फायरिंग क्षमता में अपडेट किया गया है।

मुइज्जू ने मालदीव में तख्तापलट की कोशिश का आरोप लगाया

कहा- दोषी जेल जाएंगे, सरकारी बैंक ने विदेशी मुद्रा में लेनदेन बंद किया था

माले, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मालदीव में राष्ट्रपति मुइज्जू ने विपक्ष पर उनके 'वित्तीय तख्तापलट' की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को गिराने की साजिश के पीछे जो भी लोग हैं, उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, रविवार को बैंक ऑफ मालदीव (बीएमएल) ने डेबिट और क्रेडिट कार्ड के लिए विदेशी मुद्रा में लेनदेन बंद कर दिया था। बैंक ने गोल्ड क्रेडिट कार्ड की सीमा को भी घटाकर 100 अमेरिकी डॉलर कर दिया।

इस फैसले से देश में महंगाई और आर्थिक स्थिरता का खतरा पैदा हो गया। मुइज्जू सरकार को जब फैसले का पता चला तो उन्हें इसे तुरंत वापस ले लिया। अब मुइज्जू इसे ही तख्तापलट की कोशिश बता रहे हैं।

सोमवार रात पार्टी की मीटिंग में मुइज्जू ने कहा कि बैंक ने यह

फैसला उन्हें बताए बिना लिया। मुइज्जू ने कहा सामान्य ज्ञान रखने वाला कोई भी व्यक्ति यह जानता होगा कि ऐसा क्यों किया गया। लेकिन जैसे ही उन्हें इस फैसले का पता चला उन्होंने इसका हल ढूंढना शुरू कर दिया। मालदीव के राष्ट्रपति ने कहा कि वे सरकार के तख्तालट को रोकने के लिए संविधान से मिली हर शक्ति का इस्तेमाल करेंगे। मुइज्जू ने कहा कि पुलिस इसकी जांच शुरू कर चुकी है। सरकार जांच पर कोई प्रभाव नहीं डालेगी। जांच के बाद फैसला सुनाया जाएगा। दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

सरकार के पास बैंक में नहीं है बहुमत

बीएमएल एक सरकारी बैंक है और इसमें सरकारी हिस्सेदारी 62% है। मुइज्जू ने कहा कि लोग सवाल पूछ रहे हैं कि एक सरकारी बैंक ने आखिर ऐसा फैसला कैसे ले लिया। उन्हें नहीं पता कि बीएमएल के डायरेक्टर बोर्ड में सरकार का बहुमत नहीं है। 9 में 4 डायरेक्टर्स सरकारी हैं। बाकी 5 डायरेक्टर्स को सरकार ने नियुक्त नहीं किया है। इस बीच मालीदव के अखबार अधाधू ने दावा किया है कि बीएमएल बोर्ड के 9 में से 6 डायरेक्टर को सरकार ही लेकर आई है। मई में ही उन्हें नियुक्त किया गया था। अखबार ने सूत्रों के हवाले से ये भी बताया है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो गया है। जुलाई 2024 तक, मालदीव का विदेशी मुद्रा भंडार $388.41 मिलियन था। मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण (एमएमए) ने आशंका जाहिर की थी कि अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो देश में डॉलर के भंडार अगस्त से पहले खत्म हो सकता है। मालदीव के अखबार द एडीशन के मुताबिक मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के अध्यक्ष फैयाज इस्माइल ने मुइज्जू के दावों को हास्यास्पद बताया है। उन्होंने कहा कि समस्या पार्टी के भीतर है। मुइज्जू की सरकार का तख्तापलट बाहर से नहीं पार्टी के भीतर से ही होगा। हम आने वाले दिनों में ऐसा होते हुए देखेंगे। इस्माइल ने कहा कि केंद्रीय बैंक को नियंत्रित करने वाले राष्ट्रपति ही उस पर आरोप लगा रहे हैं। यह बैंक की साख पर बड़ा सवाल है। इससे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बीच बैंक के प्रति विश्वास में कमी आएगी।

अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों की कश्मीरी नेताओं से मुलाकात

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला से घर पर मिले, अगले महीने कश्मीर में होने हैं चुनाव

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में अमेरिकी दूतावास के सीनियर अधिकारियों ने 26 अगस्त को कश्मीरी नेताओं से मुलाकात की। दूतावास के अधिकारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से उनके घर पर मिलने श्रीनगर पहुंचे। ये मुलाकात उमर अब्दुल्ला के घर गुपकार पर हुई। कश्मीरी नेताओं से मिलने वाले अधिकारियों में अमेरिकी दूतावास में राजनीतिक मामलों के मिनिस्टर-काउंसलर ग्राहम मेयर, फर्स्ट सेक्रेटरी गेरी एप्पलगार्थ और राजनीतिक काउंसलर अभिराम घडयालपाटिल शामिल थे।

ग्राहम मेयर इससे पहले भी 2023 में कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद रुहुल्लाह मेहदी भी मौजूद थे। इसी महीने 12 अगस्त को हैदराबाद में अमेरिकी कॉन्सुलेट की कॉन्सुल जनरल जेनिफर लार्सेन ने एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी से मुलाकात की थी। कॉन्सुल जनरल जेनिफर लार्सेन ने मुलाकात की तस्वीर एक्स पर पोस्ट की थी।

मुलाकात के दौरान दोनों लोगों ने अलग-अलग मुद्दों पर बातचीत की थी। जेनिफर ने मुलाकात के लिए उन्होंने ओवैसी का धन्यवाद भी किया। अमेरिकी अधिकारियों ने ये मुलाकात उस समय की है जब अगले महीने कश्मीर में चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग ने 16 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कश्मीर में चुनाव कराने का ऐलान किया था। राज्य में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फेज में वोटिंग होनी है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल 90 सीटे हैं।

टेलीग्राम सीईओ के हनी ट्रैप में फंसने का शक

फ्रांस में 12 केस दर्ज थे, फिर भी यहां आए और गिरफ्तार हुए, अब गर्लफ्रेंड लापता

वाशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव की गिरफ्तारी तीन दिन बाद भी रहस्य बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी गिरफ्तारी के बाद से उनकी 24 साल की गर्लफ्रेंड यूलिया वाविलोवा लापता हैं।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यूलिया की वजह से ही डुरोव की गिरफ्तारी हुई है। वे डुरोव के साथ एक प्राइवेट जेट में अजरबैजान से पेरिस पहुंची थीं। हैरानी की बात है कि फ्रांस में डुरोव पर 12 केस दर्ज थे। इसके बाद भी वे वहां गए।

सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया जा रहा है कि यूलिया की वजह से ही डुरोव गिरफ्तार हुए। दरअसल जब वे दोनों पेरिस पहुंचे तो यूलिया ने डुरोव के प्राइवेट जेट से कई सारी इंस्टा स्टोरी पोस्ट कीं। कहा जा रहा है कि इसी वजह से पुलिस को पता चला और डुरोव की गिरफ्तारी हुई। यूलिया भी डुरोव की तरह रूसी मूल की हैं। खुद को क्रिप्टो ट्रेनर बताने वाली यूलिया दो साल से

दुबई में रहती हैं। वे रूसी, अंग्रेजी, अरबी और स्पेनिश समेत कई भाषाएं जानने का दावा करती हैं। चार महीने पहले यूलिया डुरोव के संपर्क में आई थीं। दोनों को कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और अजरबैजान समेत कई जगहों पर एक साथ देखा गया। उनकी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर आई थीं। डुरोव की गिरफ्तारी के बाद से यूलिया का कोई पता नहीं है। इस वजह से सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि डुरोव हनीट्रैप का शिकार हो गए हैं। उन्हें गिरफ्तार कराने के लिए ही यूलिया ने उनसे नजदीकियां बढ़ाईं और उन्हें पेरिस लेकर गईं।

डुरोव को टेलीग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री के आदान-प्रदान का जरिया, ड्रग ट्रैफिकिंग और संगठित अपराध को बढ़ावा देने साथ ही सूचनाएं साझा नहीं करने के आरोप में शनिवार (24 अगस्त) को गिरफ्तार किया गया था। रूस में जन्मे डुरोव ने अपने भाई के साथ मिलकर 2013 में टेलीग्राम की स्थापना की थी। उन्हें रूस का जुकरबर्ग भी कहा जाता है। रूसी सरकार उनसे रूसी जनता से जुड़ा डेटा मांग रही थी, जिससे परेशान होकर उन्होंने 2014 में देश छोड़ दिया था और सेंट किट्स एंड नेविस की नागरिकता हासिल कर ली थी।

शुरुआती कुछ साल में डुरोव ने कई देशों में सफर किया। उन्होंने 2017 में दुबई में अपना हेडक्वार्टर स्थापित किया। डुरोव ने 2021 में फ्रांसीसी नागरिकता हासिल की थी, हालांकि गिरफ्तारी के पहले तक यूएई ही उनका ठिकाना था। अलजजीरा के मुताबिक डुरोव के पास यूएई की भी नागरिकता है, इसलिए वह इस मामले पर बारीकी से नजर रख रहा है। यूएई ने फ्रांस को सभी कांसुलर सेवाएं मुहैया कराने को कहा है। फोर्ब्स के मुताबिक डुरोव की कुल संपत्ति 15.5 बिलियन डॉलर (1 लाख 30 हजार करोड़) आंकी गई है। वे अरबपतियों की सूची में 120वें स्थान पर हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डुरोव ने शादी नहीं की है, लेकिन उनके अलग-अलग महिलाओं से 5 बच्चे हैं। जो अपनी मांओं के साथ रहते हैं। रूसी मीडिया वेबसाइट में दावा किया गया है कि डारिया बोंडारेंको उनकी पहली पत्नी हैं जिनसे उनके 2 बच्चे हैं। डारिया और डुरोव तलाक ले चुके हैं।

इसी साल जुलाई में एक रूसी महिला इरिना बोल्गर ने दावा किया था कि वह डुरोव के 3 बच्चों की मां है। उसके मुताबिक वह और उनके बच्चे स्विट्जरलैंड में रहते हैं। हालांकि, डुरोव ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की थी।

डुरोव ने 29 जुलाई को यह दावा कर सबको हैरान कर दिया था कि उनके 100 से ज्यादा बायोलॉजिक बच्चे हैं।

इलॉन मस्क की कंपनी का पोलारिस डॉन मिशन टला

खराब मौसम के कारण टाला गया, मिशन में 4 एस्ट्रोनॉट 700 किमी ऊपर स्पेसवॉक करेंगे

वॉशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का पोलारिस डॉन मिशन फिर से टल गया है। खराब मौसम के कारण इस मिशन को दो दिन के लिए टाला गया है। अब ये मिशन कब लॉन्च होगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पोलारिस डॉन मिशन में 4 एस्ट्रोनॉट पृथ्वी से करीब 700 किमी ऊपर स्पेस में स्पेसवॉक करने जा रहे हैं। यह दुनिया की पहली प्राइवेट स्पेसवॉक होगी।

5 दिन के इस मिशन में एस्ट्रोनॉट जिस ऑर्बिट में जाएंगे उसमें 50 साल से ज्यादा समय से कोई एस्ट्रोनॉट नहीं गया है। इस मिशन को मंगलवार शाम 4:08 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन हीलियम लीक के कारण इसे एक दिन टाला गया। बताया गया कि इसे बुधवार दोपहर लॉन्च किया जाएगा, लेकिन खराब मौसम के कारण फिर से इसे टाल दिया गया।

इस मिशन के दौरान, ड्रैगन कैप्सूल उस उंचाई तक जाने का प्रयास करेगा जहां अपोलो प्रोग्राम के बाद से अब तक कोई नहीं गया। यहां दो एस्ट्रोनॉट पहली प्राइवेट एक्स्ट्राव्हीकलर एक्टिविटी (स्पेसवॉक) करेंगे। इस दौरान वो स्पेसएक्स के डेवलप्ड ईवीए सूट पहनेंगे।

मिशन के दौरान ह्यूमन हेल्थ से जुड़ी 36 रिसर्च स्टडी और एक्सपेरिमेंट भी किए जाएंगे। इसके अलावा स्पेस में स्टारलिंक के लेजर-बेस्ड कम्युनिकेशन की टेस्टिंग होगी। यह पहली बार होगा जब स्पेसएक्स के दो एम्प्लॉई ह्यूमन स्पेसफ्लाइट क्रू का हिस्सा होंगे।

एस्ट्रोनॉट जेरेड आइसेकमैन और सारा गिलिस इस मिशन के तीसरे दिन पृथ्वी से 700 किमी ऊपर स्पेस वॉक करेंगे। ये वॉक 15-20 मिनट की होगी।

बच्चे को सजा देने के लिए पिटबुल से कटवाया

अमेरिका में मां ने 6 साल के बच्चे के हाथ-पैर बांधकर कुत्ते के सामने छोड़ा, 3 गिरफ्तार

वाशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के ओहायो राज्य में एक महिला ने अपने 6 साल के बच्चे के हाथ-पैर बांधकर उसपर एक पिटबुल कुत्ते से हमला करवाया। कुत्ते के काटने से बच्चे की गर्दन और कान पर चोटें आईं, जिसके बाद उसे तुरंत एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। ऐशलैंड शेरिफ ऑफिस ने बताया कि ओहायो के क्लीवलैंड में एंजेलीना विलियम्स नाम की महिला अपने रिश्तेदार रॉबर्ट मिचाल्स्की के घर पर थी। इन दोनों के अलावा एंजेलीना का बॉयफ्रेंड टेलर भी घर में मौजूद था, जिसने बच्चे को बांधने में मदद की।

कुत्ते के साथ दूसरे कमरे में छिपा आरोपी

पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, 17 अगस्त की शाम करीब 5 बजे उन्हें एक इमरजेंसी कॉल रिसीव हुई। इसमें एक कुत्ते के बच्चे पर हमला करने की जानकारी दी गई। जब पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तब बच्चा गंभीर हालत में था। पुलिस के वहां पहुंचने से पहले ही रिश्तेदार रॉबर्ट अपने पिटबुल कुत्ते के साथ वहां से फरार हो चुका था। छानबीन के बाद 26 अगस्त को पुलिस ने पता चला कि कुत्ते के हमले से पहले उसके हाथ-पैर को बांधा गया था। पुलिस को घर की दूसरी मंजिल पर रॉबर्ट और उसका कुत्ता एक कमरे में छिपे हुए थे। कुत्ते को हिरासत में लेकर खतरनाक कुत्तों के साथ रखा गया है। वहीं तीनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों पर ढाई लाख रुपए का जुर्माना

बच्चे की मां, उसके बॉयफ्रेंड और रिश्तेदार पर बच्चे की जान खतरे में डालने और उसे शारीरिक तौर पर सजा देने की कोशिश के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर ढाई लाख तक का जुर्माना भी लगाया गया है।

पिटबुल एक क्रॉस ब्रीड डॉग है, जिसकी वजह से उसका टेंपरामेंट यानी स्वभाव खराब हो जाता है। इसे गुस्सा बहुत आता है। यह बेहद जिद्दी होता है। इसी वजह से कई बार जान के लिए भी खतरा बन जाता है।

रीजनल दफ्तर के बाहर एसएसबी कॉन्स्टेबल ने मारी गोली

छत्तीसगढ़ में ड्यूटी के दौरान दी जान, 2 दिन पहले सीआरपीएफ जवान ने किया था सुसाइड

भिलाई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) के एक कॉन्स्टेबल ने मंगलवार रात इंसास राइफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। जवान का नाम मनोज कुमार (32) था। उसके सुसाइड करने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। मामला नेवई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जवान मनोज कुमार पुत्र सुभाष चंद एसएसबी 28वीं बटालियन में पदस्थ था। वह अंतागढ़ से जनरल ड्यूटी पर एसएसबी क्षेत्रीय मुख्यालय भिलाई आया था। बताया जा रहा है कि रात 8:30 से 11:30 बजे तक उसकी तैनाती मुख्य गेट पर थी। ड्यूटी के दौरान रात करीब 9.12 बजे उसने अपनी सर्विस राइफल से कनपटी पर गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर साथी जवान भागकर मौके पर पहुंचे तो मनोज लहूलुहान हालत में पड़ा था। उसे उठाकर स्पर्श मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल रामनगर ले गए। वहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मनोज के शव को रायपुर एआईआईएमएस ले जाया गया है, वहां पोस्टमॉर्टम के बाद गृह ग्राम रवाना किया गया। जवान मनोज मूल रूप से हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के नारनूल तहसील के सीमा गांव निवासी था। उसके परिजनों को अफसरों की ओर से सूचना दे दी गई है। छत्तीसगढ़ में पदस्थ पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों के सुसाइड करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले भी जन्माष्टमी के दिन सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल ने भी खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया था।

जापान में चावल की किल्लत, सुपरमार्केट खाली

भूकंप-तूफान के डर से लोगों ने घरों में स्टॉक किया, सरकार बोली- अगले महीने तक सुधरेंगे हालात

टोक्यो, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जापान में चावल की भारी कमी हो गई है। पिछले कुछ हफ्तों से जापान के कई सुपरमार्केट्स में चावल खत्म हो गया है। जून 1999 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब जापान में चावल की कमी देखी जा रही है। द जापान टाइम्स के मुताबिक, जिन सुपरमार्केट्स में चावल मिल रहा है, वहां लोगों से कम मात्रा में चावल खरीदने की अपील की जा रही है। दरअसल, जापान में सरकार ने भूकंप और तूफानों के खतरे को लेकर चेतावनी दी थी। इसके बाद से ही लोग घबराहट में चावल खरीदकर अपने घरों में स्टॉक करने लगे हैं, जिस वजह से बाजार में चावल की कमी हो गई है। जापान में मई से नवंबर तक के महीने को टाइफून सीजन कहा जाता है। इस दौरान करीब 20 तूफान आते हैं। इसके चलते भारी बारिश, लैंडस्लाइड और बाढ़ आ जाती है। टाइफून सीजन में भी अगस्त-सितंबर के महीने में सबसे ज्यादा तूफान आते हैं। इस साल 19 से 21 तूफान आने की आशंका है। जापान सरकार ने इन्हीं तूफानों की चेतावनी दी थी, जिसके बाद से लोग घबराकर घरों में चावल स्टॉक कर रहे हैं।

चावल की किल्लत के बीच जापान सरकार ने मंगलवार को लोगों से शांत रहने की अपील की। कृषि मंत्री तेत्सशी सकामोतो ने कहा कि देश में कुछ जगहों पर चावल के स्टॉक में कमी है, लेकिन हम इससे जल्द ही उभर जाएंगे। फिलहाल चावल का पर्याप्त स्टॉक है।

चावल की फसल साल में केवल एक बार पैदा होती है। सितंबर में नए चावल की कटाई शुरू हो जाएगी, जिसके बाद बाजार में नई फसल के आने से हालात ठीक हो जाएंगे। जापान में 13 अगस्त से ओबोन फेस्टिवल चल रहा है। ओबोन फेस्टिवल के दौरान लोग अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देते हैं। उनकी याद में समारोह मनाए जाते हैं। इस फेस्टिवल के चलते लोग लंबी छुट्टियों पर है। इस वजह से चावल की डिमांड बढ़ गई है। इसके साथ ही जापान में इस साल रिकॉर्ड विदेशी पर्यटक आए हैं। इस वजह से भी चावल की कमी हो रही है। जापान नेशनल ट्यूरिज्म आर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, जापान में इस साल जून तक 31 लाख से भी ज्यादा विदेशी पर्यटक आ चुके हैं।

अमेरिका के कृषि विभाग के फॉरन एग्रीकल्चर सर्विस रिपोर्ट के मुताबिक, जापान में 2023-24 में चावल का कुल उत्पादन 7.3 मिलियन टन हुआ, जबकि चावल की खपत 8.1 मिलियन टन रही। जापान में जुलाई 1918 में चावल की कमी और बढ़ते दाम की वजह से आंदोलन हुए थे।

ढाका की झील में मिला महिला पत्रकार का शव

ढाका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में ढाका की एक झील में 32 वर्षीय महिला टीवी पत्रकार का शव मिला। मृतक की पहचान सारा रहनुमा के तौर पर की गई है। उनका शव ढाका के हातिरझील झील में तैरता हुआ पाया गया। ढाका मेडिकल कॉलेज-अस्पताल (डीएमसीएच) पुलिस आउटपोस्ट के प्रभारी इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने झील से शव मिलने की पुष्टि की। राहगीरों ने शव को झील से बाहर निकाला और उसे डीएमसीएच ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत रात के दो बजे ही हो गई थी। सारा ने मरने से पहले अपने दोस्त के लिए एक सोशी मीडिया पर पोस्ट भी लिखा था। मृतक के पति ने बताया कि उनका जल्द तलाक होने वाला था।

सारा रहनुमा के शव को अस्पताल में पहुंचाने वाले सागर ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मैंने हातिरझील झील में एक शव को तैरता हुआ देखा। बाद में उसे ढाका मेडिकल कॉलेज-अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मरने से पहले सारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुस पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने फहीम फैजल नाम के व्यक्ति को टैग किया था।

पोस्ट में सारा ने लिखा, आपके जैसा दोस्त पाकर अच्छा लगा। भगवान हमेशा आपका ध्यान रखे। आशा करती हूं कि आप अपने सपनों को जल्द पूरा करेंगे। मुझे मालूम है कि हमने बहुत सारी चीजों की योजना बनाई हैं। उसे पूरा न कर पाने के लिए माफी मांगती हूं। भगवान आपको जीवन के हर पहलू में आशीर्वाद दें। इससे पहले एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था, मौत के समान जीवन जीने से मरना बेहतर है।

इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने बताया कि शव को मुर्दाघर में रखा गया है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस को इस मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने इस हत्या को राजनीतिक रुख देते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक और क्रूर हमला बताया। घटना वाले दिन सारा रहनुमा घर से काम के लिए तो निकली, लेकिन वापस घर नहीं पहुंची। उनके पति सैयद शुव्रो को रात के तीन बजे बताया गया कि सारा ने हातिरझील झील में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। शुव्रो ने बताया कि सारा उनसे अलग होकर खुश थी और वह दोनों जल्द ही तलाक के लिए काजी ऑफिस जाने वाले थे।

कनाडा के बाद अब ऑस्ट्रेलिया ने दिया भारतीय छात्रों को झटका

स्टूडेंट वीजा में भारी कटौती, टूटेगा विदेश में पढ़ाई का सपना

कैनबरा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कनाडा के बाद अब ऑस्ट्रेलिया ने भी विदेश में पढ़ाई करने की चाहत रखने वाले भारतीय छात्रों को बड़ा झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की है कि वह 2025 में अपने यहां आने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या को 2.7 लाख तक सीमित कर देगा। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड स्तर पर हो रहे आप्रवासन को रोकने के लिए किया गया है, जिसके चलते घरों के किराए में भारी वृद्धि हुई है। ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर ने कहा कि इस सीमा में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया सरकार के इस कदम से विदेश जाने की उम्मीद रखने वाले छात्रों को बड़ा असर पड़ने वाला है। शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर ने कहा कि वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में कोरोना महामारी से पहले की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं। वहीं, निजी व्यायवसायिक और प्रशिक्षण संस्थानों में यह संख्या 50 प्रतिशत अधिक है। हालिया सर्वेक्षणों में ऑस्ट्रेलिया में मतदाताओं ने आप्रवसान को लेकर चिंता जताई है, जो एक साल से भी कम समय में होने वाले चुनाव को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा ने 2022-23 में अर्थव्यवस्था में 36.4 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान दिया था। ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारत सबसे बड़े स्रोतों में रहा है। हालांकि, 2024 में ऑस्ट्रेलियाई संस्थानों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट आई है, जो बढ़ती लागत, आवास चुनौती और अन्य देशों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसे कारकों से प्रेरित है। छात्र नामांकन पर लगाई गई नई सीमा इसे और बढ़ा सकती है, जिससे ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने के इच्छुक भारतीय छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है। ऑस्ट्रेलिया के माइग्रेशन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी के सदस्य सुनील जग्गी ने एनडीटीवी से कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को लेकर की गई ताजा कटौती सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए है। अब विश्वविद्यालय देश और फिर राज्य के हिसाब से कोटा वितरित करेंगे। उन्होंने कहा कि फरवरी में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहे छात्र इस घोषणा से प्रभावित होंगे।

भारत के साथ अच्छे रिश्ते चाहिए

जमात-ए-इस्लामी प्रमुख बोले- अतीत का बोझ छोड़ना होगा

ढाका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने कहा है कि उनकी पार्टी चाहती है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते बेहतर रहें, लेकिन भारत को हमारे मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। रहमान ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि बांग्लादेश को सभी देशों जैसे अमेरिका, चीन, पाकिस्तान आदि के साथ भी अपने रिश्ते मजबूत करने चाहिए। हमें अतीत का बोझ लेकर नहीं चलना चाहिए।

शफीकुर रहमान (65 वर्षीय) ने कहा कि 'भारत जमात ए इस्लामी को भारत विरोधी मानता है, लेकिन ये गलत है, इसमें बदलाव होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि 'जमात ए इस्लामी किसी देश के खिलाफ नहीं है। हम बांग्लादेश समर्थक हैं और सिर्फ बांग्लादेश के हितों की रक्षा करना चाहते हैं।' जमात ए इस्लामी प्रमुख ने कहा कि 'अगर शेख हसीना इस्तीफा देकर भारत न जातीं तो ये अच्छा होता। शेख हसीना को बांग्लादेश लौटकर कानून का सामना करना चाहिए। भारत हमारा पड़ोसी है और हम उसके साथ अच्छे, स्थिर और द्विपक्षीय सद्भाव के रिश्ते चाहते हैं, लेकिन भारत ने अतीत में कुछ ऐसी चीजें की हैं, जो बांग्लादेश के लोगों को पसंद नहीं आईं।' रहमान ने कहा 'उदाहरण के लिए 2014 में बांग्लादेश में चुनाव के दौरान ढाका में एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने बताया था कि किन लोगों को चुनाव में हिस्सा लेना चाहिए और किन्हें नहीं। यह अस्वीकार्य है। पड़ोसी देश को ऐसा नहीं करना चाहिए।

पुलिस ऑफिसर्स कांफ्रेंस आज से

सीएम भजनलाल शर्मा करेंगे शुभारंभ

कानून व्यवस्था पर होगी चर्चा

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया जयपुर में इस साल की शुरूआत में जनवरी माह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर की पुलिस महानिदेशक-पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन में लिए गए निर्णय के क्रम में इस कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 'पुलिसिंग विद एक्सीलेंस-द वे फॉरवर्ड' के विषय पर आयोजित इस विशेष कांफ्रेंस का शुभारम्भ करेंगे। उद्घाटन सत्र में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत और अतिरिक्त मुख्य सचिव

(गृह) आनंद कुमार सहित राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे।

पुलिस महानिदेशक साहू ने बताया कि कांफ्रेंस में दो दिन की अवधि में राज्य में बेहतर पुलिसिंग पर केन्द्रित मुद्दों पर राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और विषय विशेषज्ञ अलग-अलग सेशंस में अपना प्रस्तुतीकरण देंगे। इन सत्रों में राज्य के एडीजी, रेंज आईजी एवं डीआईजी के अलावा चयनित एसपी, एडिशनल एसपी, डीएसपी और निरीक्षक स्तर के पुलिस अधिकारी ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में 'ब्रेन स्टॉर्मिंग' करेंगे।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि कांफ्रेंस में न्यू क्रिमिनल लॉज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, मादक पदार्थों की तस्करी और रोकथाम, साइबर सिक्योरिटी, क्राइम कंट्रोल, परीक्षाओं में नकल पर लगाम, महिला अपराध, बच्चों और कमजोर तबके के लोगों के विरुद्ध अपराध पर नियंत्रण, रोड सेफ्टी एवं ट्रैफिक मैनेजमेंट तथा आंतरिक सुरक्षा जैसे विषयों पर मंथन किया जाएगा।

ट्रांसफर की चाह लेकर शिक्षामंत्री के पास पहुंचा शिक्षक

शिक्षक से इच्छित जगह पूछकर ट्रांसफर आदेश कर दिए

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने एक नेत्रहीन अध्यापक को खुशी देने का काम किया है।

जब उनके पास एक नेत्रहीन शिक्षक ट्रांसफर की चाह लेकर पहुंचा तो उन्होंने निसंकोच भाव से उसकी इच्छित जगह पर स्थानांतरण कर दिया। जबकि प्रशासनिक सुधार विभाग ने शिक्षकों के स्थानांतरण पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

शिक्षामंत्री ने इच्छित जगह किया ट्रांसफर

जानकारी के मुताबिक, नेत्रहीन अध्यापक रमन कुमार शर्मा ट्रांसफर की चाह लेकर शिक्षामंत्री मदन दिलावर के सरकारी आवास पहुंचा था।

जहां उन्होंने बताया कि वह अभी तुंगा ब्लॉक के किसी सरकारी स्कूल में कार्यरत है। जो

कि उनके घर से करीब 46 किमी दूर पड़ता है। जिसकी वजह उनको परेशानी का सामना करना पड़ता है। मंत्री दिलावर ने शिक्षक से इच्छित जगह पूछकर ट्रांसफर आदेश कर दिए।

दिलावर ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

इसे लेकर शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि 'जनसेवा सर्वोपरि! आज सरकारी आवास पर पधारे नेत्रहीन अध्यापक रमन कुमार शर्मा को उनकी इच्छित जगह स्थानांतरण किया।'

तबादले के फॉर्मेट से राजस्थान शिक्षा विभाग में हलचल

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग में सोशल मीडिया पर वायरल एक तबादले के फॉर्मेट ने हलचल मचा दी। इस फॉर्मेट में शिक्षामंत्री की ओर से जनप्रतिनिधियों से शिक्षकों के तबादलों के प्रस्ताव मांगे गए हैं। इसमें कर्मचारी की पदस्थापन का स्थान, एम्पलाई आइडी, जनप्रतिनिधि के खुद के विधानसभा क्षेत्र का पदस्थापन स्थान और वांछित स्थान सहित जानकारी मांगी है।

शिक्षा मंत्री ने कही ऐसी बात

इस फॉर्मेट को राजस्थान के शिक्षामंत्री ने पिछली सरकार का बताया है। इधर, फॉर्मेट में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले के प्रस्ताव नहीं मांगे गए थे। इस पर शिक्षक संगठनों ने विरोध भी शुरू कर दिया। संगठनों का मानना है कि सरकार इस बार भी तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले नहीं करेगी। इस मामले में शिक्षामंत्री मदन दिलावर का कहना है कि सोशल मीडिया पर ईमेल आइडी का उल्लेख करते हुए जो तबादलों का फॉर्मेट प्रसारित किया जा रहा है, यह मंत्री कार्यालय से जारी नहीं किया गया है।

अभी प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से स्थानांतरण पर प्रतिबंध लगा हुआ है। यह कोई पुराना फॉर्मेट है जो शायद पिछली सरकार में बना होगा। फिलहाल शिक्षा विभाग में किसी तरह के तबादला प्रस्ताव नहीं मांगे गए हैं।

जेसीबी के सामने खड़े हो गए पूर्व विधायक हुड़ला

अफसरों को लगाना पड़ा हेलमेट

दौसा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दौसा जिले के महुवा कस्बे में इन दिनों अवैध रूप से बने मकान एवं दुकानों पर महुवा नगर पालिका कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पालिका ने भरतपुर रोड गुरुजी के बाग के सामने नाले पर बिना स्वीकृति के किए गए निर्माण से बनी दो दुकानों पर भी पीला पंजा चलाकर ध्वस्त करने की कार्रवाई की।

पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में महुवा, मंडावर, बालाहेड़ी सलेमपुर थाने का पुलिस जाप्ता दुकानों के सामने जा पहुंचा। इससे पूर्व वहां मौजूद भीड़ दुकानों को तोड़ने का विरोध करने लगी। इस दौरान पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुड़ला ने मौके पर पहुंचकर पुलिस सीओ एवं अधिशासी अधिकारी सुरेंद्रकुमार मीणा को स्टे की कॉपी दिखाई और दुकानों पर जेसीबी नहीं चलाने की बात कही।

इस पर ईओ ने बताया कि यह

कार्रवाई बिना निर्माण स्वीकृति के बनी दुकानों पर की जा रही है। इस संबंधी कोई कागजात है तो कार्रवाई रोक दी जाएगी। इसके बाद दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू करने पर पूर्व विधायक हुड़ला जेसीबी के सामने आकर खड़े हो गए तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें दूर हटा दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों एवं पूर्व विधायक के बीच धक्का मुक्की भी हुई। तभी कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस एवं नगर पालिका अधिकारियों सहित जेसीबी पर पथराव कर दिया। जिसमें जेसीबी के शीशे टूट गए। इसके बाद वहां मौजूद पुलिस जाप्ते सहित अधिकारियों ने हेलमेट लगाकर अपना बचाव किया।

पुलिस की मौजूदगी में एक घंटे में दुकानें ध्वस्त

जेसीबी द्वारा एक बार फिर दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई की गई तो दस्ते को फिर विरोध का सामना करना पड़ा। इस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर वहां मौजूद लोगों को दूर तक खदेड़ दिया। विरोध को देखते हुए दोनों तरफ भारी मात्रा में पुलिस जाप्ता भी लगा दिया और दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई चलती रही। एक घंटे में दुकानों को ध्वस्त कर दिया। मौके पर मौजूद महिलाएं इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को कोसती रही। जिन्हें वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने संभाला। कार्रवाई को देखने के लिए सड़क के दोनों तरफ स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

यातायात हुआ प्रभावित

महुवा कस्बे के अंदर होकर निकल रहे नेशनल हाइवे पर अतिक्रमण हटाने के दौरान यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। हाइवे पर भारी भीड़ को देखते हुए वाहनों को निकालने में पुलिसकर्मियों को मशक्कत भी करनी पड़ी। अतिक्रमण हटाने के दौरान चार जेसीबी एवं एक दमकल भी मौके पर मौजूद रही।

ब्राह्मणों को गाली देने से काम नहीं चलेगा

किरोड़ी लाल मीणा का वीडियो जमकर हो रहा वायरल

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। किरोड़ी लाल मीणा एक बार फिर चर्चा में है। उनका सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें वह एक धार्मिक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए दिखाई दे रहें है। इस कार्यक्रम में किरोड़ी लाल मीणा बोल रहे है कि आज हमारे जो नए मोबाइल वाले जो लड़के हैं, उनमें से कुछ का काम तो ब्राह्मणों को गाली देना है। तुम उनसे अच्छे गुण ग्रहण करो। गाली देने से काम नहीं चलेगा। जिस किसी में भी अच्छे गुण हैं, आप उन्हें अपने जीवन में ग्रहण करें। उस गुण के आधार पर आगे बढ़ें।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जिस पर लोगों की ओर से प्रतिक्रियाए दी जा रही है। शास्त्री कौशलेन्द्र दास ने एक्स पर लिखा है कि यह उदात्त सांस्कृतिक चिंतन श्री किरोडीलाल मीणा जी को अनुपम बनाता है। वे जानते हैं कि ब्राह्मणों के विरुद्ध वातावरण बनाकर छद्मवेशी सनातन हिन्दू धर्म के विरोध में षड्यंत्र कर रहे हैं। अनादि काल से ज्ञान के वाहक ब्राह्मण धर्म के महान रक्षक हैं, जिसे सतत जारी रखने की आवश्यकता है।

बता दें कि किरोड़ी लाल मीणा हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। हालिया दौसा लोकसभा सीट भाजपा हारी तो उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। बारिश में जलभराव क्षेत्र में दौरा करने के लिए हेलीकॉप्टर नहीं मिलने पर तमाम सवाल उठने लगे। इस पर किरोड़ी लाल मीणा का जवाब आया था कि मैं जमीनी नेता हूं, जमीन पर चलता हूं। हेलीकॉप्टर में कई बार घूम चुका हूं।

47 गांवों के लिए 1255 लाख की लागत से होंगे विकास कार्य

बाड़मेर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत जिले के 47 गांवों में 1255 लाख की लागत से 451 विकास कार्य करवाएं जाएंगे। जिला कलक्टर निशान्त जैन की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट कांफ्रेंस हॉल में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अभिसरण समिति की बैठक के दौरान वर्ष 2022-23 के विलेज डवलपमेंट प्लान को मंजूरी प्रदान की गई।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी ने बताया कि बाड़मेर जिले के 47 गांवों में पानी, बिजली, शौचालय, सोलर लाइट, आंगनबाडिय़ों एवं विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराने से संबंधित कार्य कराए जाने है। पूर्व में यह योजना बाड़मेर जिले में वर्ष 2018-19 से प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के रूप में संचालित थी। इसमें चयनित 95 गांवों में विकास कार्य प्रगतिरत है।

योजना के तहत आडेल पंचायत समिति के राजस्व गांव मेघवालों की ढाणी, बालोतरा में आकड़ली बक्शीराम, रूपादेवी, बाड़मेर में भादरेश गांधव, दरूड़ा, मारूड़ी, परा, राणीगांव, सांसियों का तला, विशाला आगोर, बाड़मेर ग्रामीण में प्रेम सागर, चौहटन में बावड़ीकला, बिंडोनियों की ढाणी, देदूसर, कोठे का तला, लखवारा, नवातला जेतमाल, प्रेमसिंह की ढाणी, धनाऊ में इब्रे का तला, मियों का तला, फगलू का तला, सांवा, धोरीमन्ना में खरड़ में आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य करवाएं जाएंगे।

वहीं, फागलिया में बाखासर, हेमावास, सांवलासी, सता, गडरारोड़ में खानियानी, रतरेड़ी कला, शहदाद का पार, तिबनियार, गिड़ा में चिडिय़ा, शहर, गुड़ामालानी में देदावास का गोलिया, धांधलावास, पायलाकलां में रामदेवरा, करदाली नाडी, पाटोदी में पाटोदी, रामसर में रामसर, सुवाला, सेड़वा में कारटिया, शिव में राजड़ाल, सिणधरी में टाकूबेरी, सिवाना में भाखरपुरा, कांखी, रामदेव नगर में भी आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य करवाएं जाएंगे।

पकड़ा गया मिलावटी और ब्रांडेड नकली घी बनाने का कारखाना

एक हजार किलो मिलावटी घी बरामद

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि दिल्ली रोड पर जयसिंहपुरा खोर स्थित अफजल विहार कॉलोनी के एक मकान में नकली घी बनाने का कारखाना संचालित है। इस पर टीम अफजल विहार कॉलोनी में कारखाने पर पहुंची। जहां मोहम्मद अनीस अपने मकान में भट्टियां लगाकर वनस्पति तेलों में घी का एसेंस मिलाकर नकली देसी घी बनाने का काम करते पकड़ा गया।

फैक्ट्री में जांच के दौरान सरस, लोटस, महान और कृष्णा ब्रांड के पैकिंग कार्टन भी मिले। साथ ही बड़ी मात्रा में तैयार घी मिला। इन लोगों ने इन ब्रांड के बार कोड तक नकली तैयार कर रखे हैं। इसके साथ ही पैकेट पर बैच और सीरीज नंबर भी मेंशन करके देते हैं। पूछताछ में पता चला कि ये पैकिंग के डिब्बे दिल्ली से खरीदकर लाते हैं, फिर तैयार नकली घी अलग-अलग ब्रांड के पैकेट में पैक करके जयपुर और आसपास के ग्रामीण एरिया में सप्लाई करते है।

टीम ने जब घी की प्रारंभिक जांच की तो तेज बदबू आ रही थी। इसे देखते हुए घी के सैंपल लिए और मौके पर कारखाने में रखा। अलग-अलग ब्रांड का एक हजार लीटर नकली घी सीज किया गया। इस मामले में जयपुर डेयरी को भी सूचना दी गई, जिसके बाद डेयरी से अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच कर कानूनी कार्रवाई की।

धार्मिक जुलूस में डीजे की धुन पर नाच रही थी महिला

जनरेटर में फंसी चुनरी, चपेट में आने से दर्दनाक मौत

बाड़मेर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बालोतरा के सिवाना में नाचते गाते हुए चल रहे एक धार्मिक जुलूस में उस वक्त मातम छा गया जब जुलूस में डीजे की धुन पर नाच रही एक महिला के कपड़े पास में ही चल रहे जनरेटर में फंसने से उसकी मौत हो गई।

कृष्ण जन्माष्टमी पर विर्सजन प्रोग्राम चल रहा था। महिलाएं-पुरूष डीजे की धुन पर डांस कर रहे थे। डीजे जनरेटर पर चल रहा था। इस दौरान एक महिला के चुंदरी और कपड़े फंस और महिला को अंदर खींच लिया। इससे महिला का सिर फट गया। महिला की मौत हो गई। घटना बालोतरा जिले के सिवाना थानान्तर्गत कुंडल गांव की है। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार कुंडल निवासी माफी देवी (36) पत्नी भंवरलाल अपने रिश्तेदार और गांव की महिलाओं के साथ कुंडल

के पास तालाब पर कृष्ण जन्माष्टमी विसर्जन प्रोग्राम में शामिल होने पहुंची थी। वहां पर अन्य महिलाओं के साथ डीजे की धुन पर डांस कर रहे थे। इस दौरान डांस करते हुए पास में चल रहे जनरेटर के पास महिलाएं पहुंची। माफी देवी नाचते-नाचते जनरेटर के नजदीक पहुंच गई है।

पहले चुंदरी और फिर कपड़े अंदर फंसते ही महिला को खींच लिया। महिला का सिर फट गया। बाल के साथ चमड़ी अलग होकर वहीं पर गिर गई।

वहां पर खड़े लोगों ने महिला को आनन-फानन बालोतरा के नाहटा हॉस्पिटल लेकर गए। वहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर पुलिस हॉस्पिटल पहुंची।

सिवाना थानाधिकारी राजेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया- कि कुंडल गांव में जनरेटर की चपेट में आने से एक महिला माफी पत्नी भंवलालल की मौत हो गई। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित चालक बनास नदी में बहा

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। करौली जिले के सपोटरा उपखंड क्षेत्र की बनास नदी की पुलिया पर तेज बहाव में नदी पार करते समय बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित चालक बह गया। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ टीम और ग्रामीण चालक की नदी में तलाश कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी हरिराम, तहसीलदार नवल किशोर शर्मा, थाना अधिकारी अनिल कुमार गौतम, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रूपराम मीणा सहित अन्य भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। युवक की नदी में तलाश जारी है। सपोटरा थाना अधिकारी अनिल कुमार गौतम ने बताया कि रवि बैरवा निवासी मांगरोल ट्रैक्टर-ट्राली में बजरी भरकर बनास नदी पार कर रहा था। इस दौरान भूरी पहाड़ी और हाड़ौती के बीच बहने वाली बनास नदी की पुलिया को पार करते समय नदी के तेज बहाव के कारण बह गया। बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक सहित नदी में बहने की सूचना पर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा तलाश शुरू की, लेकिन अंधेरा होने के कारण चालक और ट्रैक्टर ट्राली का पता नहीं लग सका।

जिस स्कूल वैन से घर आई, उसी ने 6 साल की बच्ची को कुचला

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। विश्वकर्मा थाना इलाके में स्कूली वैन के चालक ने लापरवाही से गाड़ी दौड़ाकर 6 साल की मासूम को कुचल दिया। टक्कर मारने के बाद चालक रुकने की बजाय गाड़ी स्कूल ले गया और उसे वहां छोड़कर भाग छूटा। परिजन बच्ची को लहूलुहान हालत में निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस चालक की तलाश में जुट गई है।

जांच अधिकारी फूलचंद ने बताया कि हादसे की शिकार बच्ची प्रेरणा कंवर (6) पुत्री अशोक सिंह मारवाड़ा कच्ची बस्ती रोड नम्बर 17 की रहने वाली थी। वह रोड नम्बर 17 स्थित एक स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। रोजाना की तरह भाई सुशांत सिंह के साथ स्कूल में पढ़ने गई थी। दोपहर तीन बजे भाई-बहन स्कूल की वैन से वापस घर आ रहे थे।

घर के बाहर वैन से उतरते समय सुशांत आगे निकल गया लेकिन प्रेरणा उतरी तो चालक ने तेज गति से वैन चला दी। इसी दौरान वह पीछे के टायर में आ गई। यह देख चालक ने वैन दौड़ा दी और उसे स्कूल में छोड़कर भाग छूटा। घटना के बाद आस-पास के लोग इकट्ठे हो गए और घायल प्रेरणा को सीकर रोड स्थित निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

भीषण सड़क हादसा, कई टन वजनी सीमेंट से भरे ट्रेलर के नीचे दबे लोग मदद मांगते रहे, चार की मौत

सीकर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सीकर जिले में रींगस क्षेत्र के नजदीक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। सीमेंट से भरे हुए भारी भरकम ट्रेलर के नीचे कार दब गई। कार में चार लोग सवार थे। उनमें दो महिला और दो पुरुष शामिल थे। बताया जा रहा है कि ट्रेलर ने कार के अलावा एक बाइक को भी चपेट में लिया है। हादसे में कार सवार चारों लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि हादसा किस तरह से हुआ फिलहाल इस बारे में जांच की जा रही है।

यह सड़क हादसा सवेरे करीब दस बजे होना सामने आया है। प्रांरभिक जानकारी के अनुसार रींगस पुलिस ने बताया कि मनवार होटल के नजदीक, नेशनल हाइवे संख्या 52 पर दुर्घटना हुई है। गाड़ी पूरी तरह से पिचक गई है। गाड़ी में सवार लोगों के शवों को निकालने में करीब आधे घंटे से भी ज्यादा का समय लगा है। चारों की मौत हो गई है। उनके बारे में पड़ताल की जा रही है। बताया जा रहा है कि परिवार झुंझुनूं जिले का रहने वाला है और आज सवेरे जयपुर की ओर आ रहा था। इस दौरान रींगस इलाके में हादसा हुआ। हादसे का कारण यह बताया जा रहा है कि सामने अचानक मवेशी आने के कारण कार चालक ने ब्रेक लगाए, उसके बाद उसके पीछे आकर एक बाइक भी टकराई और दोनो वाहनों को ट्रेलर ने चपेट में ले लिया। मौके पर भारी मशक्कत के बाद सीमेंट के ट्रेलर को हटाया गया और कार नीचे से निकाली गई। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

एचसीएससी राष्ट्रीय भौतिक सुरक्षा शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगी

सम्मेलन कल तेलंगाना पुलिस एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र में होगा

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त , हैदराबाद व एचसीएससी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) आगामी राष्ट्रीय भौतिक सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2024, डिजिटल युग में भौतिक सुरक्षा के विकासवादी पहलू की घोषणा करते हुए रोमांचित है, जो एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को सुरक्षित और संरक्षित समाज के लिए बढ़ी हुई चेतना के प्रति संवेदनशील बनाना है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ़ प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसीज़ (एपीएसए) द्वारा प्रायोजित है।

एक वैश्विक शहर के रूप में हैदराबाद का विकास वैश्विक मानकों के अनुरूप अचूक सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने में नई चुनौतियाँ पेश करेगा और इसलिए इस पहलू की समीक्षा की आवश्यकता है। आज, निजी सुरक्षा की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है और समाज में उनकी सेवाएँ अपरिहार्य हैं। भौतिक सुरक्षा क्षेत्र वर्तमान में इस डिजिटल युग की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है। सीपी ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन 30 अगस्त को तेलंगाना राज्य पुलिस एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र, बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 में होगा, जिसमें प्रभावशाली नेताओं, विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं को एक साथ लाया जाएगा ताकि संवाद को बढ़ावा दिया जा सके और इसके लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

इस संबंध में, तेलंगाना राज्य भर में लगभग 4 लाख सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी के साथ निजी सुरक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उन्हें राज्य के समग्र सुरक्षा तंत्र का एक अभिन्न अंग होने की आवश्यकता है और इसलिए सभी स्तरों पर बेहतर बातचीत करके उन्हें समाज की सुरक्षा प्रणालियों में एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है। सुरक्षा और सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के बारे में जानने और समाज में समग्र सुरक्षा और सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में प्रासंगिक प्रथाओं को अपनाने की भी तत्काल आवश्यकता है। हमारे समाज की सुरक्षा और सुरक्षा चिंताओं में नागरिकों को सक्रिय तरीके से शामिल करने, नेतृत्व को बढ़ावा देने और सुरक्षा जागरूकता की संस्कृति बनाने की तत्काल आवश्यकता है। एक सुरक्षा-सचेत समाज सभी के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण प्राप्त करने की कुंजी है और यह शिखर सम्मेलन ऐसी पहलों की दिशा में एक लॉन्च पैड बनाने की कोशिश करेगा। आज, हम फिजिकल सिक्योरिटी फोरम के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण कर रहे हैं, जो हमारे हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) के सक्रिय मंचों में से एक है। यह लोगो तेलंगाना और पूरे देश में फिजिकल सिक्योरिटी परिदृश्य के विकास और आधुनिकीकरण के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फिजिकल सिक्योरिटी समिट 2024 में पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला होगी, जिसमें फिजिकल सिक्योरिटी के तेज़ी से बदलते परिदृश्य पर चर्चा की जाएगी। कॉर्पोरेट सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और शैक्षणिक संस्थानों सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने इन परिवर्तनों के अनुकूल होने में चुनौतियों और अवसरों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

शब्बीर ने कविता के स्वागत का उपहास किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता और राज्य सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद बीआरएस एमएलसी के. कविता के वीरतापूर्ण स्वागत का उपहास किया। बुधवार को मीडिया को दिए बयान में शब्बीर अली ने कविता की रिहाई को लेकर हो-हल्ला मचाने और पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर इस अवसर का जश्न मनाने के लिए बीआरएस नेताओं की निंदा की। उन्होंने कहा कि कविता को दिल्ली शराब नीति घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि कविता को सशर्त जमानत पर रिहा किया गया है और आरोपों से बरी नहीं किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कविता की रिहाई तेलंगाना में बीआरएस और भाजपा के बीच गुप्त समझौते से जुड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, भाजपा ने ईडी और सीबीआई को उनकी रिहाई का विरोध न करने का निर्देश देकर कविता को सुप्रीम कोर्ट से जमानत दिलाने में मदद की।

बीआरएस पार्टी एमएलसी कविता हैदराबाद पहुंची

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता आज शमशाबाद हवाई अड्डे पर पहुंची। दिल्ली से शमशाबाद पहुंची कविता का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर गुलाबी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कविता पर पुष्प वर्षा की। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। हवाई अड्डा पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा 'जय तेलंगाना' के नारों से भरा हुआ था। कविता पांच महीने बाद हैदराबाद पहुंचीं। उनके साथ बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष कलवकुंतला तारक रामा राव, पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक हरीश राव, उनके पति अनिल, कई पार्टी विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता थे। वह गुरुवार को एरावेली में पूर्व सीएम केसीआर के फार्महाउस का दौरा करेंगी और उनसे मुलाकात करेंगी। कविता को ईडी ने 15 मार्च को दिल्ली शराब नीति मामले में हैदराबाद में गिरफ्तार किया था। अदालत ने 26 मार्च को उन्हें मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी और सीबीआई मामलों में कविता को जमानत दे दी। कविता के वकीलों ने जमानत आदेश की प्रतियां तिहाड़ जेल अधिकारियों को सौंप दीं। कविता को बाद में जेल से रिहा कर दिया गया।

हाइड्रा से आने वाले समय में कई फायदे- मल्लू रवि

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व नागर कर्नूल के सांसद मल्लू रवि ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के समय स्वर्णिम तेलंगाना की बात करने वाले केसीआर ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि हैदराबाद में तालाब हैं। सीएम ने रेवंत रेड्डी का हाइड्रा बनाना और रंगनाथ जैसे सख्त अधिकारी को नियुक्त करना एक साहसिक निर्णय था। हाइड्रा को झील संरक्षण समितियों, शिक्षा संघों, जाति संघों, युवाओं और जनता से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि हर जगह झील संरक्षण समितियाँ गठित करके कई झीलों को बचाया जा सकता है।इसलिए, मैं मुख्यमंत्री से हैदराबाद के साथ-साथ तेलंगाना के अन्य जिलों के लिए झील संरक्षण समितियां गठित करने का अनुरोध करता हूं। अगर कॉलेज और स्कूल एफटीएल के अंतर्गत हैं तो छात्रों को छुट्टिया देकर उन्हें तोड़ दिया जाएगा। हाइड्रा से अस्थायी तौर पर कुछ लोगों के साथ अन्याय हो सकता है लेकिन लंबे समय में इसके कई फायदे होंगे। मुसी नदी के सौंदर्यीकरण के बाद हैदराबाद को देश के सभी बड़े शहरों में सबसे नया लुक मिलेगा।आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा से गरीबों के लिए पैसा पैदा होगा।

केटीआर को मॉस्को में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामा राव को अतिथि वक्ता के रूप में एक और प्रतिष्ठित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। केटीआर को स्कोल्कोवो.स्टार्टअप कार्यक्रम में भविष्य के विषय पर 30 मिनट का दूरदर्शी मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम 5 से 7 सितंबर तक मास्को सरकार के तत्वावधान में भविष्य के उत्सव पोर्टल 2030-2050 के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाएगा। निमंत्रण देते हुए, स्कोल्कोवो फाउंडेशन ने कहा, "स्कोल्कोवो.स्टार्टअप की आयोजन समिति की ओर से, हमें आपको (केटीआर) हमारे विविध दर्शकों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए एक हेडलाइनर के रूप में आमंत्रित करते हुए सम्मानित महसूस हो रहा है।" निमंत्रण में केटीआर को 'तेलंगाना में नवाचार के अग्रदूत और प्रभावशाली व्यक्ति' के रूप में वर्णित किया गया है। आयोजकों के अनुसार, पोर्टल 2030-2050 पहला ऐसा मंच बनेगा, जहाँ अग्रणी वैज्ञानिक और भविष्य विज्ञानी भविष्य के बारे में अपने दृष्टिकोण को एकजुट करेंगे। कला क्षेत्र के प्रतिनिधि कल की दुनिया की एक एकीकृत तस्वीर बनाने में मदद करेंगे।

दुर्घटना रहित और भव्य उत्सव मनाने पर ध्यान दें : सीपी

उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

साइबराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश महोत्सव समारोह की तैयारी के लिए साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, ने आज साइबराबाद सीपी कार्यालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में एक उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समन्वय बैठक बुलाई। बैठक में मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कलेक्टर गौतम पोटरु, रंगारेड्डी की अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, संयुक्त सीपी (यातायात) साइबराबाद डी. जोएल डेविस, आईपीएस, अतिरिक्त डीसीएसपी, एसीएसपी, और विभिन्न सरकारी विभागों जैसे जीएचएमसी, आरएंडबी, एचएमडब्ल्यूएसएंडएसबी, अग्निशमन सेवा, राजस्व, परिवहन विभाग, आरटीए और अन्य के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) के सदस्य शामिल रहे। सभा को संबोधित करते हुए, सीपी ने गणेश उत्सव के महत्व पर जोर दिया क्योंकि यह राज्य भर में मनाए जाने वाले सबसे बड़े त्योहारों में से एक है जो % सितंबर को शुरू होगा और 1% सितंबर को समाप्त होगा। सीपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें और यह सुनिश्चित करें कि उत्सव बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाए।

सीपी ने जोर देकर कहा कि गणेश उत्सव के दौरान महिलाओं की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करना प्राथमिकता है और यह कार्यक्रम की सफलता का एक पैमाना है। सीपी ने कर्मचारियों को अपने-अपने पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत प्रबंधन समितियों का विवरण एकत्र करने और विद्युत दुर्घटनाओं और बिजली आपूर्ति में रुकावटों से बचने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया।

उन्होंने लोगों से शांतिपूर्वक उत्सव मनाने का आग्रह किया और सोशल मीडिया पर झूठी अफवाहों पर विश्वास न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी पोस्टों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को भक्तों के साथ विनम्र व्यवहार करने और शांति और सुरक्षा के मामलों में सतर्क रहने की सलाह दी, जिसमें डायल 100 कॉल, सीसीटीवी और दृश्य पुलिसिंग पर विशेष ध्यान दिया गया। साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस ने एक सुचारू और व्यवस्थित गणेश जुलूस सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को शामिल करते हुए एक अग्रिम, अच्छी तरह से समन्वित योजना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूरे उत्सव के दौरान सुरक्षा और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मियों, तैराकों, क्रेन, प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की रणनीतिक तैनाती की सिफारिश की।

एलएनजी की थर्ड डिप्सेंसिग स्टेशन लांचिन्ग

एलएनजी देश के भविष्य का ईन्धन : केंद्रीय मंत्री एन.गडकरी

हैदराबाद, 28 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी ने कहा कि, एलएनजी देश के भविष्य का ईन्धन है। इस संदर्भ में, केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी ने नागपूर के उमरेड रोड पर बैद्यनाथ एलएनजी की थर्ड डिप्सेंसिनग स्टेशन की लांचिन्ग की। इसके बाद मंत्री गडकरी ने तत्संबंधित आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि, ई-अर्थात् नैतिकता, अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी व पर्यावरण किसी भी देश के भविष्य के विकासार्थ महत्वपूर्ण है तथा जीवाश्म ईंधन का व्यापक उपयोग न केवल पर्यावरणीय बल्कि आर्थिक समस्या भी है। केंद्र सरकार जीवाश्म ईंधन के आयात पर वार्षिक करीब बाईस लाख करोड रुपये खर्च करती है। क्योंकि देश की सरकार प्रदूषण मुक्त भारत की दृष्टिकोण के प्रति वचनबध्द है। इसके चलते सरकार ने इथेनाल,मेथनाल, बायो एलएनजी, बायो सीएनजी हाईड्रोजन, विद्युत आदि जैसे वैकल्पिक ईंधन विकल्पों के विकास पर निरंतर कार्यरत है, भारत के भविष्य का ईंधन है। इसके चलते उन्होने तत्संबंधित वैकल्पिक ईंधनों के इस्तेमाल पर जोर दिया। ताकि प्रदूषण मुक्त देश बने रहने में काफी मदद मिलेगी।

इस लांचिन्ग कार्यक्रम मे जिन प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया उनमें, वोल्वो आयशर डिप्युटी सीईओ राजिन्दर सिंह सचदेवा, वैद्यनाथ समूह एमडी सुरेश कुमार शर्मा, प्रणव शर्मा, कल्पना शर्मा, श्रुति शर्मा सहित एलएनजी सीईओ सुब्बाराव भी उपस्थित हुए।

के. बी. आर. पार्क बंजारा हिल्स में इच्छापूर्ति गणेश की पूजा करते राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, मोहन मित्तल, विनोद टिकमानी, विजय कुमार दिल्ली वाले (रामू भाई) गोपाल बलदेव, विजय कुमार एडवोकेट, सुरेश कुमार सी.ए., शंकर लाल अग्रवाल, पी.सी. जैन, भरत कुमार सोन्थलीया, मंसाराम अग्रवाल, बद्रीनारायण, रामनिवास शर्मा ।

करमनघाट अलमासगुड़ा स्थित श्री आई माता मंदिर मे जन्माष्टमी महोत्सव के पावन अवसर पर भजन प्रस्तुत करते हुए श्री आईमाता भजन मंडली । अवसर पर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज सोयल, उपाध्यक्ष भाणाराम बरपा व समाज बन्धु ।

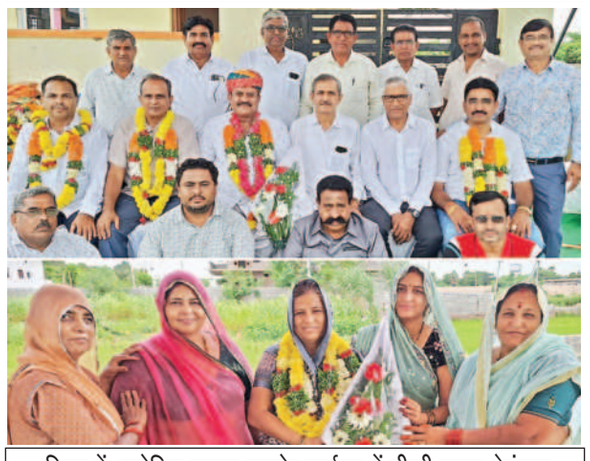

कीसरा में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुट्टा हैदराबाद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मुलाराम चोयल, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हीरालाल खंडाला, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा का पुष्प मालाओं व गुलदस्ते से सम्मानकर उपस्थित अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, कोषाध्यक्ष जसवंत देवड़ा, रामलाल बरपा, पुखराज आगलेचा, मोतीलाल काग, गणेशराम बर्फा, हंसाराम बर्फा, दीपाराम गहलोत, अमराराम परिहार, ढगलाराम देवड़ा, वेनाराम, मांगीलाल चोयल, भुण्डीदेवी, सुकीदेवी, सीतादेवी, तारादेवी बरपा ।

प्रजापत समाज काटेदान का दूज महोत्सव 5 को

हैदराबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)।श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट राजस्थानी प्रजापत समाज काटेदान समाज बन्धुओं के सानिध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर श्रीयादेमाताजी का दूज महोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम बुधवार 4 सितम्बर रात्रि जागरण व भादवा सुदी बीज(दूज) गुरुवार 5 सितम्बर प्रात: वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया जायेगा। अध्यक्ष तेजाराम बेतेडिया, सचिव धर्मिचन्द बाबरिया ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य मे दो दिवसीय भादवा सुदी बीज

महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बुधवार 4 सितम्बर प्रात: वेला मे श्रीयादे मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष श्रंगारकर रात्रि 9 बजे से जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमे विक्रम प्रजापति माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। गुरुवार 5 सितम्बर प्रात: 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर, पुजा-अर्चना, स्वागत कार्यक्रम व समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना प्रात: 10 बजे से धर्मसभा का आयोजनकर चैयरमैन पप्पुलाल रावरिया, हरिराम ब्रान्दणा, दुर्गाराम कपुरपुरा की अध्यक्षता मे मुख्यअतिथियों, पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष रमेश झुझंडिया द्वारा आय-व्यय का विवरण, पदाधिकारियों का सम्मान एवं अपने विचार व्यक्त करना के पश्चात पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे रहेगी।

राजभाषा अधिकारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, में आज सभी परियोजनाओं में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों के लिए संसदीय राजभाषा प्रश्नावली पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) ने कार्यशाला के आयोजन पर कहा कि एनएमडीसी केवल कंपनी के स्तर पर ही नहीं, अपितु नगर एवं राष्ट्र स्तर पर भी राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासशील है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रदीप सक्सेना, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) ने राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए राजभाषा के प्रयोग में प्रगति हेतु सुझाव एवं निर्देश दिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित सौरभ आर्य, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, इस्पात मंत्रालय ने कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी। सौरभ आर्य, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, इस्पात मंत्रालय ने संसदीय राजभाषा समिति के गठन, कार्यस्वरूप एवं संसदीय राजभाषा प्रश्नावली को भरने के संबंध में सत्र लिया तथा अभ्यास कराया।

कार्यशाला का समन्वयन देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा),श्री एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री फौजिया, अप्रेंटिस ट्रैनी ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

कलेक्टर ने पीड़ित परिवार को चेक सौंपा गया

आसिफाबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि संगठन द्वारा स्वीकृत चेक गोलेटी मारुति के परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया है, जिनकी तेलंगाना सांस्कृतिक प्रमुख कलाकार के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मृत्यु हो गई थी। गोलेटी मारुति की पत्नी गोलेटी शारदा और बेटी अनुषा को चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि तेलंगाना के सांस्कृतिक नेता कला जटा के माध्यम से सरकार द्वारा कार्यान्वित लोक कल्याण और राज्य विकास योजनाओं और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि गोलेटी मारुति की पिछले साल कलाकार के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते समय बीमारी के कारण मृत्यु हो गई और चेक तेलंगाना सांस्कृतिक सारथि संस्थान द्वारा स्वीकृत किया गया था। इस कार्यक्रम में जिला नागरिक संपर्क विभाग अधिकारी यतला संपत कुमार और अन्य ने भाग लिया।

वैश्वीकरण को व्यापार से आगे बढ़कर कला और साहित्य को भी शामिल करना चाहिए : कुलपति

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कला और सौंदर्यशास्त्र के वैश्वीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सैयद ऐनुल हसन ने कहा कि कला और सौंदर्यशास्त्र मर रहे हैं और वैश्वीकरण के माध्यम से कला को बनाए रखने की आवश्यकता है। भारत और उससे आगे की आवाज़ें: गतिशीलता, स्थिरता और प्रौद्योगिकी पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए, प्रो. हसन ने फ़ारसी कवि, साद शिराज़ी के प्रसिद्ध दोहे को उद्धृत किया, यदि आपके पास जो कस्तूरी है, वह असली नहीं है, तो मत बताना!/यदि यह है, तो यह गंध से खुद को ज्ञात कर देगी, और युवाओं को लेखन के माध्यम से सौंदर्यशास्त्र की दुनिया की खोज करके वास्तविक सुगंध को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मेलन के संदेश को दोहराते हुए, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समुदाय भाषाओं के माध्यम से अपनी पहचान और इतिहास को कैसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. के. नागेंद्र, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, एमएएनयूयू ने श्रोताओं का स्वागत किया। यूओएच के अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन केंद्र के प्रो. एस अरुलमोजी ने सम्मेलन का विषय पेश किया प्रोफेसर अजीज बानो, डीन, स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिंग्विस्टिक्स एंड इंडोलॉजी, मानू प्रोफेसर इश्तियाक अहमद, रजिस्ट्रार, मानू ने भी सभा को संबोधित किया। यह सम्मेलन अंग्रेजी विभाग, मानू भाषा और बहुसांस्कृतिक संचार केंद्र, वॉक्सेन विश्वविद्यालय; और अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर; भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद; और इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, हैदराबाद विश्वविद्यालय के साथ अकादमिक सहयोग में संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर, प्रोफेसर हसन ने चार पुस्तकों का विमोचन किया: द बुक ऑफ एब्सट्रैक्ट्स, प्रोफेसर सैयद इम्तियाज हसनैन की पुस्तक मौलाना आज़ाद पर मोनोग्राफ और डॉ. असलम कुन्नाथिल की दो पुस्तकें: ब्रेथलेस बियॉन्ड: ए रूह की डायरी (अनुवादित) और तुलनात्मक अध्ययन: इतिहास, विधियाँ और अनुप्रयोग (संपादित)। वॉक्सेन यूनिवर्सिटी के डॉ. अनिक नंदी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उद्घाटन सत्र से पहले और बाद में तकनीकी सत्र हुए, जिसमें बड़ी संख्या में शोधकर्ताओं ने सम्मेलन की थीम से संबंधित कई विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। पूर्ण वार्ता और पैनल चर्चा के बाद, सम्मेलन का पहला दिन प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक उस्ताद अदनान सलीम द्वारा शाम-ए-ग़ज़ल के साथ एक सौंदर्यपूर्ण नोट पर संपन्न हुआ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

क्या अब बदल जाएगी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की जगह? भारत को हो सकता है फायदा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट काउंसिल बोर्ड के सचिव जय शाह को बीते दिन इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का नया चेयरमैन घोषित किया गया है। जय शाह आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन बने हैं। जय शाह के चेयरमैन बनने के बाद अब रिपोर्ट सामने आने लगी है कि इस बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल इंग्लैंड में नहीं खेला जाएगा, बल्कि इसकी जगह बदली जा सकती है। जिसका फायदा टीम इंडिया को मिल सकता है। दरअसल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हर बार इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेला जाता है। टीम इंडिया दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेल चुकी है और दोनों ही बार भारत को हार का सामना करना पड़ा है।

क्या बदल जाएगा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का स्थान?

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल के स्थान को बदलने को लेकर जय शाह पहले भी बयान दे चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मई में जय शाह ने कहा था कि हम इस बारे में आईसीसी से बातचीत कर रहे हैं। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल के स्थान को बदलने पर विचार कर सकती है। बीसीसीआई सचिव के तौर पर जय शाह ने ये बड़ा बयान दिया था। वहीं दूसरी तरफ जय शाह के इरादे साफ है कि भारतीय क्रिकेट कैसे आगे बढ़ेगा ये सोचने की बजाय हमे इस पर ध्यान देना होगा कि दुनियाभर में क्रिकेट कैसे आगे बढ़ेगा।

भारत अभी तक नहीं जीत पाया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल

भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की ट्रॉफी को छोड़कर आईसीसी की बाकी सभी ट्रॉफी अपने नाम की है। जिसमें वनडे विश्व कप, टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी शामिल है। इसके अलावा टीम इंडिया दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची है।

पहले विराट कोहली और फिर रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि दोनों बार टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। भारत को पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी के फाइनल में हराया था। वहीं एक बार फिर से टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दावेदार मानी जा रही है।

यूपी टी20 लीग के दौरान कप्तानी में भी छाए रिंकू सिंह, फिनिशर वाला भी दिखा अंदाज

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रिंकू सिंह इंडिया खेलते हैं. ऐसे में उनके लिए यूपी टी20 लीग में अपना डंका पीटना कोई बड़ी बात नहीं. और, ऐसा ही दिख भी रहा है. 27 अगस्त को यूपी की T20 लीग में रिंकू सिंह की टीम मेरठ मावरिक्स का मुकाबला कानपुर सुपरस्टार्स से था. इस मैच में कानपुर सुपरस्टार्स ने मेरठ मावरिक्स के लिए जो मुश्किलें खड़ी कीं वहां से मैदान मार ले जाना आसान नहीं था. लेकिन, जहां रिंकू सिंह, वहां कुछ भी मुमकिन. रिंकू ने ऐसे वक्त में मैदान मारकर अपना लोहा मनवाया, जब उनकी टीम का पूरा टॉप ऑर्डर 153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 54 रन पर डगआउट लौट चुकी थी.

वाह रिंकू सिंह वाह... 35 गेंदों की पारी और जीत से यारी

रिंकू सिंह जब क्रीज पर उतरे तो

कमेंटेटर के भी पहले शब्द यही थे- आज उनके लिए बताने का दिन है कि वो क्यों बड़े खिलाड़ी हैं, मैच विनर हैं. और, बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने ऐसा ही करके दिखाया. उन्होंने बड़ी कंट्रोल इनिंग खेली और सिर्फ 35 गेंदों की पारी से जीत के साथ अपनी टीम की यारी करा दी. मजे की बात ये वो फिर एक बार किसी गेंदबाज से आउट नहीं हुए. उन्होंने फिर एक बार नाबाद रहते हुए अपनी टीम की जीत की कहानी लिखी.

रिंकू सिंह ने 35 गेंदों में कितने छक्केमारे?

रिंकू सिंह ने कानपुर सुपरस्टार्स के खिलाफ 35 गेंदों में 137.14 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 48 रन ठोके, जिसमें 4 चौके और छक्का सिर्फ एक शामिल रहा. 54 रन पर टॉप के 4 विकेट गिरने के बाद ऐसी पारी खेलना आसान नहीं था. लेकिन, रिंकू सिंह वाकई अपने कप्तान होने का सबूत पेश किया. उन्होंने बताया कि क्यों मैच फीनिश में उनका कोई सानी नहीं.

टीम को जिताने के काम में रिंकू को अपने साथी खिलाड़ी उवेश अहमद का भी भरपूर साथ मिला, जिन्होंने 2 छक्के और 3 चौके के साथ 34 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए. उवेश भी ये इनिंग खेल सके क्योंकि उनके साथ क्रीज पर रिंकू सिंह नाम का भरोसा खड़ा था.

14 गेंद पहले खत्म कर दिया मैच

5वें विकेट के लिए रिंकू सिंह और उवेश अहमद के बीच पूरे 100 रन की साझेदारी हुई, जिसने कानपुर सुपरस्टार्स के खिलाफ मेरठ मावरिक्स को 6 विकेट से मैच जिताने में मदद की. कानपुर सुपरस्टार्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 152 रन बनाए थे. जवाब में 153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ मावरिक्स ने मैच को 14 गेंद पहले ही जीत लिया. यूपी टी20 लीग में मेरठ मारविक्स का ये दूसरा मैच था और उसकी लगातार दूसरी जीत भी. लेकिन, इन दोनों ही जीतों की फाइनल स्क्रिप्ट मेरठ मावरिक्स के लिए जिस एक खिलाड़ी ने लिखी, वो रहे कप्तान रिंकू सिंह.

पेरिस पैरालंपिक 2024 : 84 भारतीय एथलीट तैयार, भारत का पूरा शेड्यूल

पेरिस, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के बाद अब भारतीय एथलीट पेरिस पैरालंपिक 2024 में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इस बार पैरालंपिक में भारत के 84 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं, जो 12 खेलों में अपना दमखम दिखाने वाले हैं। 28 अगस्त से 9 सितंबर तक पेरिस पैरालंपिक का आयोजन हो रहा है। इस बार भारतीय एथलीट टोक्यो पैरालंपिक के मुकाबले ज्यादा पदक जीतना चाहेंगे।

भारत को इन एथलीट से होगी गोल्ड मेडल की उम्मीद

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत को सुमित अंतिल, अवनि लेखरा, मनीष नरवाल और कृष्णा नागर से गोल्ड मेडल की उम्मीद होगी। पिछली बार भी इन एथलीटों ने भारत को पदक दिलवाया था।

पेरिस 2024 पैरालंपिक में भारत का शेड्यूल

29 अगस्त - पैरा बैडमिंटन और पैरा तीरंदाजी, पैरा साइकिलिंग, पैरा शूटिंग, पैरा स्विमिंग, पैरा टेबल टेनिस और पैरा ताइक्वांडो

30 अगस्त - पैरा एथलेटिक्स, पैरा रोइंग

4 सितंबर - पैरा पावरलिफ्टिंग

5 सितंबर- पैरा जूडो

6 अगस्त- पैरा कैनो

सुमित नागल यूएस ओपन के पहले दौर में बाहर

कोको गॉफ-जोकोविच आसान जीत के साथ दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नागल ने दो घंटे और 20 मिनट तक चले मैच में दो बार अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ी जबकि नीदरलैंड के खिलाड़ी ने ब्रेक प्वाइंट के 11 मौकों में से छह को भुनाया। झज्जर के रहने वाले 27 वर्षीय नागल को लय हासिल करने में कुछ समय लगा। उन्होंने शुरू में कई गलतियां की जिनका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत के शीर्ष खिलाड़ी सुमित नागल यहां शुरुआती दौर में नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर से सीधे सेटों में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल से बाहर हो गए।

नागल को अपनी पहली सर्विस में संघर्ष करना पड़ा और वह खेले गए मैच में ग्रिक्सपुर से 1-6, 3-6, 6-7(8) से हार गए। वहीं, सर्बिया के नोवाक जोकोविच राडू एल्बॉट के खिलाफ 6-2, 6-2, 6-4 से मैच जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गए।

नागल ने दो घंटे और 20 मिनट तक चले मैच में दो बार अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ी जबकि नीदरलैंड के खिलाड़ी ने ब्रेक प्वाइंट के 11 मौकों में से छह को भुनाया। झज्जर के रहने वाले 27 वर्षीय नागल को लय हासिल करने में कुछ समय लगा। उन्होंने शुरू में कई गलतियां की जिनका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा।

दूसरे सेट में जब नागल 3-5 से पीछे थे तब हल्की बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इसके बाद उन्होंने कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं था। नागल अब पुरुष युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे। पुरुष युगल में भारत के रोहन बोपन्ना, युकी भांबरी, एन श्रीराम बालाजी और नागल अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ खेलेंगे।

वहीं, मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। गॉफ ने पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को 6-2, 6-0 से पराजित किया। गॉफ हाल में खराब फॉर्म से जूझ रही थी लेकिन उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'पिछले कुछ सप्ताह मुश्किल भरे थे।

मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध थी लेकिन मुझे अपने अलावा किसी के सामने कुछ साबित नहीं करना है।' अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी और पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने 2020 के चैंपियन डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराया। थिएम का यह अमेरिकी ओपन में आखिरी मैच था क्योंकि वह पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे।

अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्लोएन स्टीफंस ने क्लारा ब्यूरेल के खिलाफ शुरुआती नौ गेम जीते लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई और उन्हें 0-6, 7-5, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा।

मर्डर केस में शाकिब अल हसन को राहत

बांग्लादेश के लिए खेलने पर आया ये फैसला

इस्लामाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। शाकिब अल हसन को मर्डर केस में राहत मिली है. उन्हें अब तब तक जेल नहीं हो सकती, जब तक कि उन पर लगा आरोप तय नहीं हो जाता. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाकिब अल हसन पर ढाका में एक कपड़े की दुकान पर काम करने वाले आदमी के मर्डर करने का आरोप लगा है. बांग्लादेशी ऑलराउंडर को लेकर ये खबर तब सामने आई थी, जब वो पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में पहला टेस्ट मैच खेल रहे थे. शाकिब अल हसन समेत कुल 500 लोगों पर मर्डर के इल्जाम लगाए गए हैं, जिसमें बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का भी नाम है.

मर्डर केस में राहत मिलने के बाद अब सवाल है कि शाकिब अल हसन के बांग्लादेश के लिए खेलने का क्या होगा? क्या उनके खेलने पर रोक लगा दी जाएगी या फिर वो खेलना जारी रखेंगे? बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस बारे में भी बड़ी जानकारी सामने आई है. बांग्लादेश के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने एक लोकल अखबार को दिए इंटरव्यू में बताया कि फिलहाल, वो बांग्लादेश के लिए खेलना जारी रखेंगे.

जब तक आरोप तय नहीं, तब तक खेलते रहेंगे शाकिब

बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद के मुताबिक उन्हें शाकिब को जल्दी से जल्दी बांग्लादेश बुलाने के लिए कानूनी नोटिस

मिला है, जिसका जवाब उन्होंने ये कहते हुए दिया कि वो बांग्लादेश के लिए फिलहाल खेलते रहेंगे. बांग्लादेश क्रिकेट के बॉस ने कहा कि शाकिब हमारे कॉन्ट्रैक्टेड प्लेयर हैं, ऐसे में उन्हें अगर किसी कानूनी सहायता की जरूरत पड़ी तो वो भी की जाएगी.

पाकिस्तान के बाद भारत दौरे पर भी खेल सकते हैं सीरीज

बीसीबी बॉस ने कहा कि फिलहाल मर्डर केस का मामला शुरुआती स्टेज पर है. उसमें अभी बस FIR दर्ज हुआ है. अभी इसमें काफी कुछ होना है. और, जब तक आरोप तय नहीं होते वो खेलते रहेंगे. पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश को भारत दौरे पर जाना है, शाकिब उस दौरे पर भी खेलते दिख सकते हैं. आईसीसी के नियमों के मुताबिक भी जब तक आरोप तय नहीं हो जाते, तब तक शाकिब खेलना जारी रख सकते हैं.

पाकिस्तान दौरे के बाद टीम के साथ नहीं जाएंगे बांग्लादेश

जहां तक शाकिब अल हसन के पाकिस्तान दौरे के बाद बांग्लादेश लौटने की बात है तो वो अपनी टीम के साथ नहीं लौटेंगे. शाकिब को पाकिस्तान से सीधे इंग्लैंड जाएंगे, जहां उन्होंने काउंटी टीम सरे के लिए समरसेट के खिलाफ 4 दिनी मैच खेलना है. बीसीबी ने उसके लिए शाकिब को एनओसी दे दिया है.

मोहन बागान ने पेनाल्टी शूटआउट में बंगलूरू को हराया

फाइनल मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से मुकाबला

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। डूरंड कप 2024 में मोहन बागान सुपर जायंट्स ने दूसरे सेमीफाइनल मैच में बंगलूरू एफसी को 4-3 से हरा दिया। मैच का समापन रेगुलेशन टाइम में 2-2 की बराबरी के साथ हुआ, जिसके बाद पेनाल्टी शूटआउट से विजेता का फैसला हुआ। मोहन बागान सुपर जायंट्स पेनाल्टी शूट-आउट में बंगलूरू से बीस साबित हुई और विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए रोमांचक मुकाबले में फाइनल में जगह बनाई। 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप 2024 के फाइनल में अब मोहन बागान का सामना नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से होगा।

मोहन बागान की तरफ से पेनाल्टी शूटआउट में जेसन कमिंग्स, मनवीर सिंह, लिस्टन कोलाको और डिमिट्री पेट्राटोस ने गोल करने में कामयाबी पाई। रेगुलेशन टाइम में बेंगलुरू एफसी ने सुनील छेत्री (42वें मिनट) और युवा प्रतिभा विनीत वेंकटेश (50वें मिनट) के गोलों की मदद से 2-0 की बढ़त बना रखी थी।

2-0 से पिछड़ रही मोहन बागान ने जबरदस्त वापसी की। डिमिट्री पेट्राटोस (68वें मिनट) और अनुरुद्ध थापा (84वें मिनट) ने गोल कर स्कोर बराबर किए। खेल खत्म होने से पांच मिनट पहले थापा के गोल ने सुनिश्चित कर दिया कि मैच पेनल्टी पर जाएगा। अब मोहन बागान का सामना शनिवार को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से फाइनल में होगा।

कैंसर से जिंदगी की जंग हारे दिग्गज फुटबाल कोच एरिक्सन, 76 साल की उम्र में निधन

लंदन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पांच साल तक इंग्लैंड के कोच रहे स्वीडन के स्वेन गोराना एरिक्सन का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। वह ऐसे पहले विदेशी थे जो इंग्लैंड टीम के मैनेजर बने। उन्होंने क्लब स्तर पर इटली, पुर्तगाल और स्वीडन में ट्रॉफियां अपने नाम की। एरिक्सन ने घर पर परिवारिक सदस्यों के बीच अंतिम सांस ली।

स्वीडन में स्वेनिस के नाम से थे मशहूर

आठ महीने पहले उन्होंने खुलासा किया था कि वह कैंसर से पीड़ित थे। इसके बाद उनके साथ रहे पूर्व फुटबालरों, क्लबों ने डॉक्यूमेंटरी तैयार की। उनके पुराने क्लब लिवरपुल ने उन्हें एक चैरिटी मैच में मैनेजर का दायित्व सौंपा। स्वीडन में स्वेनिस के नाम से मशहूर एरिक्सन का फुटबालर के रूप में नौ साल करियर रहा और 27 साल की उम्र में वह रिटायर हो गए। उसके बाद

कोचिंग के क्षेत्र में नाम कमाया और 2001 में इंग्लैंड टीम के मैनेजर बने।

इंग्लैंड के कोच रहे

स्वेन के मार्गदर्शन में इंग्लैंड ने म्यूनिख में विश्वकप क्वालिफाइंग मैच में जर्मनी पर 5-1 से जीत हासिल की। उन्होंने उस समय दायित्व संभाला था जब टीम में डेविड बेकहम, स्टीवन गेरार्ड और वेन रूनी शामिल थे। टीम 2002 और 2006 के विश्वकप में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। इसके अलावा 2004 में इंग्लैंड टीम यूरोपियन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची। टीम को पुर्तगाल से पेनाल्टी शूटआउट में हार मिली। इसके अलावा 2006 के विश्वकप में भी टीम शूटआउट में हारी।

इन टीमों के भी कोच बने स्वेन

स्वेन के कार्यकाल में खिलाड़ियों को अपनी पत्नी और गर्लफ्रेंड को टूर्नामेंट में साथ में ले जाने की अनुमति मिली। जर्मनी में हुए विश्वकप में विक्टोरिया बेकहम के टीम के संग जाने पर बड़ी सुर्खियां बनी थी। बाद में वह मैक्सिको, आइवरी कोस्ट और फिलिपीन की टीमों के भी थोड़े समय के लिए कोच बने। पुर्तगाल क्लब बेनिफिका को उन्होंने लगातार दो बार पुर्तगाली खिताब दिलाए। एक बाद 1983 में पुर्तगीज कप जीता।

जय शाह के आईसीसी का बॉस बनते ही विराट कोहली ने कह दी दिल की बात

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जय शाह को निर्विरोध आईसीसी का नया चेयरमैन चुन लिया गया है. वो आईसीसी की कमान संभालने वाले सबसे युवा चेयरमैन होंगे. उनके चेयरमैन बनने के बाद भारतीय क्रिकेट में खुशी की लहर है. और, ऐसे में विराट कोहली ने बड़ी बात कही है. विराट कोहली ने जय शाह को आईसीसी चेयरमैन चुने जाने की बधाई एक्स हैंडल के जरिए दी. विराट ने मुबारकबाद देते हुए नए रोल में जय शाह की सफलता की कामना की. कुछ ऐसी ही बात अपने एक्स हैंडल पर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी एक्स हैंडल पर कही. बुमराह ने लिखा- बधाई हो जय शाह भाई. क्रिकेट के लिए आपका जुनून देखकर लगता है कि आप इसे नई ऊंचाई देंगे. आपको ढेर सारी शुभकामनाएं.

एडेन मार्करम ने बताई हार की वजह

खिलाड़ी नहीं इस वजह से मिली शिकस्त

खेल डेस्क, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच आज तीन मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला गया। इस मैच को जीतकर वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका का सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया है। साउथ अफ्रीका के लिए ये सिलसिला टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल से चला आ रहा है। एक बार फिर से साउथ अफ्रीका की टीम चोकर्स साबित हुई। वहीं हार के बाद साउथ अफ्रीका टीम के कप्तान एडेन मार्करम का बड़ा बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने बताया कि आखिर टीम को कैसे हार मिली है।

खिलाड़ी नहीं इस वजह से मिली साउथ अफ्रीका को हार

वेस्टइंडीज दौरे पर साउथ अफ्रीका टीम का बुरा हाल देखने को मिला है। वहीं तीसरे मैच में मिली हार के बाद साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने कहा कि ये मैच काफी मुश्किल था। मैच में बारिश ने भी हमारी मदद नहीं की। जिसके चलते पूरी परिस्थितियां ही बदल गई थी। इस मैच से हमे बहुत कुछ सीखने को मिला है। इसके अलावा हम अनुभव की कीमत को भी समझेंगे। हर परिस्थिति से हमे कुछ न कुछ सीखने को मिला है।

वेस्टइंडीज ने 8 विकेट से जीता मैच

तीसरा टेस्ट मैच बारिश से प्रभावित रहा। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 13 ओवर में 4 विकेट खोकर 108 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए ट्रिस्टन स्टब्स ने सबसे ज्यादा 40 रनों की पारी खेली थी। वहीं वेस्टइंडीज की तरफ से गेंदबाजी करते हुए रोमारियो शेफर्ड ने 2 ओवर में 14 रन देकर 2 विकेट हासिल किए थे।

बाद में वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी करते हुए इस लक्ष्य को 9.2 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। वेस्टइंडीज की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए शाई होप ने सबसे ज्यादा 42 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा निकोलस पूरन ने 35 और शिमरन हेटमायर ने 31 रनों की पारी खेली थी।

मिलियन मार्च की तर्ज पर 9 दिसंबर को तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी : रेवंत रेड्डी

सीएम ने सचिवालय में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के लिए भूमि पूजन किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि इस साल 9 दिसंबर को लाखों लोगों की उपस्थिति में सचिवालय में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा, जो राज्य प्रशासन का केंद्र है। तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के अनावरण का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम तीव्र तेलंगाना आंदोलन के दौरान आयोजित मिलियन मार्च की तर्ज पर आयोजित किया जाएगा। पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच, मुख्यमंत्री ने आज (बुधवार) सचिवालय परिसर में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने भूमि पूजन को भव्य तरीके से आयोजित करने की योजना बनाई है। वैदिक विद्वानों ने सुझाव दिया कि दशहरा तक कोई शुभ दिन नहीं है और इसलिए आज भूमि पूजन कार्यक्रम जल्दबाजी में आयोजित किया जा रहा है, जबकि उपमुख्यमंत्री केरल दौरे पर हैं और अन्य मंत्री पहले से ही अपने आधिकारिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। तेलंगाना राज्य की उपलब्धि तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं के दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रमाण है, मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राज्य के लोगों की 60 साल पुरानी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एआईसीसी नेता सोनिया गांधी की प्रशंसा की और करीमनगर सार्वजनिक सभा में अपने भाषण के प्रति प्रतिबद्धता जताई। 2014 में तेलंगाना राज्य का गठन सभी के लिए गर्व की बात है और इसे इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाना चाहिए। 2014 से 2024 के बीच पिछले शासकों ने खुद के बारे में दावा किया कि उन्होंने तेलंगाना का निर्माण किया है और दुनिया के लिए रोल मॉडल है। सीएम ने तेलंगाना तल्ली की उपेक्षा के लिए पिछली सरकार पर निशाना साधा और आलोचना की कि पिछले शासकों ने इस तरह से काम किया था कि वे खुद को तेलंगाना की संपत्ति मानते थे और तेलंगाना उनकी अपनी संपत्ति है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली जनता की सरकार ऐसी नीतियों का पालन करने के खिलाफ है, मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि तेलंगाना के लोगों को बड़ी बाड़ लगाकर और सैकड़ों पुलिसकर्मियों द्वारा सुरक्षा देकर प्रगति भवन में प्रवेश करने से रोक दिया गया था।

पिछली सरकार में प्रगति भवन एक प्रतिबंधित किला था और आज यह देश के लिए उदाहरण बन गया है। प्रजा भवन में लोगों को स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार ने सचिवालय में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया है, जो राज्य प्रशासन का हृदय है। सरकार राज्य प्रशासन से संबंधित सभी निर्णय ले रही है और लोगों को यहां अपनी समस्याएं व्यक्त करने का अवसर भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पिछले मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा लोगों को सचिवालय में प्रवेश की अनुमति नहीं दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। पिछली सरकार ने 10 साल के शासन के दौरान 22.50 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, लेकिन सचिवालय में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित करने के लिए कम से कम एक करोड़ रुपये खर्च करने में विफल रही।

देश और राज्य के लिए बहुत योगदान देने वाले डॉ. अंबेडकर, इंदिरा गांधी, अंजैया, पीवी नरसिम्हा राव, काका वेंकटस्वामी और जयपाल रेड्डी की प्रतिमाएं नेकलेस रोड और टैंक बंड के आसपास स्थापित की गई थीं। प्रसिद्ध नेता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा गायब है। कुछ निहित स्वार्थी तत्वों ने अपने स्वार्थ के लिए सचिवालय के सामने की जगह का फायदा उठाने की कोशिश की। बुद्धिजीवियों के सुझाव पर सरकार राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी की प्रतिमा को तेलंगाना तल्ली प्रतिमा से जोड़कर राजनीतिकरण करने पर नाराजगी जताई।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने 2 जून को सचिवालय में तेलंगाना तल्ली प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री ने 10 साल के शासन के दौरान तेलंगाना बिल प्रतिमा स्थापित न करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की। तेलंगाना तल्ली प्रतिमा स्थापित करने की लंबे समय से इच्छा थी, जो तेलंगाना की मां और राज्य के सांस्कृतिक लोकाचार को दर्शाती है, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिमा को कुलीन चरित्रों का प्रतीक नहीं होना चाहिए और इसलिए जेएनटीयू, ललित कला विभाग को तेलंगाना के लोगों की इच्छा के अनुसार प्रतिमा को डिजाइन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 9 दिसंबर, 2009 को तेलंगाना के गठन की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की थी। चूंकि सोनिया गांधी का जन्मदिन 9 दिसंबर को मनाया जाता है, इसलिए सरकार ने इस साल उसी दिन तेलंगाना तल्ली प्रतिमा का अनावरण करने का फैसला किया।

एमएलसी सुनीता ने भी वाईएसआरसीपी छोड़ी

विजयवाड़ा, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में विपक्षी वाईएसआरसीपी को आज एक और झटका लगा। पार्टी एमएलसी पोथुला सुनीता ने पार्टी की सदस्यता के साथ-साथ पद से भी इस्तीफा दे दिया है। वह वाईएसआरसीपी की राज्य महिला अध्यक्ष हैं। पता चला है कि इस्तीफा पत्र पार्टी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी को भेज दिया गया है। सुनीता ने कहा कि उनके भविष्य की रणनीति की घोषणा जल्द ही की जाएगी। दूसरी ओर, पार्टी के राज्यसभा सांसद मोपीदेवी वेंकट रमन्ना और बीदा मस्तान भी पार्टी से इस्तीफा देने वाले हैं। मोपीदेवी के भी राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा देने की संभावना है।

मंत्री और राज्यपाल ने ब्लड सेंटर का दौरा किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा ज़िले में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के साथ भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हनमकोंडा ब्लड सेंटर का दौरा किया।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने रेड क्रॉस सोसाइटी में थैलेसीमिया और सिकल सेल एक्सटेंशन ब्लॉक और जेनेरिक फार्मेसी ब्लॉक की शुरुआत की।

दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात बनकर तैयार

60 हजार क्विंटल वजन, 750 किमी तक मिसाइल अटैक की रेंज; आज नेवी को मिल सकती है

विशाखापत्तनम, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात बनकर तैयार है। इसे कल यानी (29 अगस्त) को इंडियन नेवी को सौंपा जा सकता है। अरिघात को 2017 में लॉन्च किया गया था। तब से इसकी टेस्टिंग जारी रही। अब फाइनली इसे कमीशन किया जाएगा।

अरिघात आईएनएस अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इसे विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना के शिप बिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) में बनाया गया था। अरिहंत की तरह ही अरिघात भी 750 किलोमीटर की रेंज वाली के-15 मिसाइलों से लैस होगी। इस सबमरीन का वजन 6 हजार टन (60 हजार क्विंटल) है।

भारतीय नौसेना अब तक 3 न्यूक्लियर सबमरीन तैयार कर चुकी है। इसमें से एक अरिहंत कमीशंड है, दूसरी अरिघात मिलने वाली है और तीसरी एस3 पर टेस्टिंग जारी

है। इन सबमरीन के जरिए दुश्मन देशों पर परमाणु मिसाइल दागी जा सकती हैं।

2009 में पहली बार सांकेतिक तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर आईएनएस अरिहंत को लॉन्च किया था। इसके बाद 2016 में इसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। अगले 5 साल में दो और पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना ने लॉन्च किया है।

2009 में लॉन्च करने से पहले भारत ने पनडुब्बियों को दुनिया से छिपा रखा था। 1990 में भारत सरकार ने एटीवी यानी एडवांस टेक्नोलॉजी वेसल प्रोग्राम शुरू किया था। इसके तहत ही इन पनडुब्बियों का निर्माण शुरू हुआ था।

अरिघात समुद्र के अंदर मिसाइल अटैक करने में उसी तरह सक्षम है, जिस तरह अरिहंत ने 14 अक्टूबर 2022 को टेस्टिंग की थी। तब अरिहंत से के-15 एसएलबीएम की सफल टेस्टिंग की गई थी। इसी के साथ भारत अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन के अलावा दुनिया का छठा न्यूक्लियर ट्रायड देश बन गया था

दमरे के प्रधान वित्तीय सलाहकार ने पदभार संभाला

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एस. विवेकानंद ने दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान वित्तीय सलाहकार का पदभार संभाल लिया है। वे सिविल सेवा परीक्षा के 1989 बैच के हैं और उन्हें भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) आवंटित किया गया था। उन्होंने इससे पहले दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान वित्तीय सलाहकार, सिंगरेणी कोलियरीज के निदेशक (वित्त) और निदेशक (कार्मिक), आंध्र प्रदेश हेवी मशीनरी एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड (एपीएचएमईएल) के अध्यक्ष जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनकी रुचि यात्रा से लेकर पढ़ने और गोल्फ खेलने तक में है। उन्होंने 2006-2010 तक यूनाइटेड ए.पी. गोल्फ एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

अगले चार वर्षों में 50 हजार लोगों को कौशल प्रशिक्षण : श्रीधर बाबू

कौशल प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डुडिला श्रीधर बाबू ने खुलासा किया कि राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के सहयोग से अगले तीन से चार वर्षों में 50,000 युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। वह एनएसआईसी और तेलंगाना उद्योग और वाणिज्य विभाग के साथ कौशल प्रशिक्षण के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर बोल रहे थे। एमओयू कार्यक्रम बुधवार को सचिवालय में आयोजित किया गया, जिसमें एनएसआईसी के अध्यक्ष सुभ्रांशु शेखर आचार्य और तेंगाना उद्योग विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। श्रीधर बाबू ने कहा कि कौशल विकास से मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि एनएसआईसी ने पहली बार तेलंगाना सरकार के साथ ऐसा समझौता किया है। इस समझौते के चलते एनएसआईसी छोटे उद्योगों को कच्चा माल खरीदने और उत्पाद बेचने में मदद करेगी। मंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जायेगा। श्रीधर बाबू ने कहा कि इसके लिए तेजस (तेलंगाना एंटरप्रेन्योर्स जर्नी फॉर एस्पिरेशन्स एंड अचीविंग सक्सेस) नामक कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले दस वर्षों में तेलंगाना राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी के विचारों को साकार करने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। श्रीधर बाबू ने खुलासा किया कि एनएसआईसी राष्ट्रीय बैंकों के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्यमों को ऋण प्रदान करने में भी सहायता करेगा। उन्होंने कहा कि रोजगार के अधिकांश अवसर छोटे उद्योगों के माध्यम से विकसित किए जा सकते हैं और इसलिए उनकी सरकार उनके विकास और विस्तार का समर्थन करेगी। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में उद्योग आयुक्त डॉ. मालसूर, टी-वर्क्स के सीईओ जोगिंदर तनिकेला, तेलंगाना लाइफ साइंसेज फाउंडेशन के सीईओ श्रीकांत नागप्पा और अन्य ने भाग लिया।

दो एपी न्यायाधीशों ने स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

अमरावती, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति वेंकट ज्योतिर्मयी प्रताप और न्यायमूर्ति वेणुथुरमल्ली गोपालकृष्ण राव ने आज आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति धीरज सिंह ठाकुर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अब तक वे दोनों हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश रह चुके हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में उन्हें हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए 13 अगस्त को जारी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों को अपनी मंजूरी दी थी।

न्यायमूर्ति वेंकट ज्योतिर्मयी प्रताप का गृहनगर गुंटूर जिले में तेनाली है। उन्होंने अपनी डिग्री पूरी होने तक वहीं पढ़ाई की। उन्होंने आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक किया। 2008 में उन्हें सीधे जिला न्यायाधीश के रूप में चुना गया। पारिवारिक न्यायालय, एससी/एसटी न्यायालय, सीबीआई न्यायालय, वैट न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और विशाखापत्तनम, प्रकाशम और पूर्वी गोदावरी जिलों के मुख्य न्यायाधीश (पीडीजे) के रूप में कार्य करने के बाद उन्हें हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। न्यायमूर्ति वेणुथुरमल्ली गोपालकृष्ण राव का गृहनगर कृष्णा जिले में चल्लापल्ली है।

1994 में उन्हें जूनियर सिविल जज के रूप में चुना गया। 2007 में उन्हें सीनियर सिविल जज के रूप में पदोन्नत किया गया। उन्हें फिर से पदोन्नत किया गया और 2016 से श्रीकाकुलम और तिरुपति में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। वे गुंटूर के पहले अतिरिक्त जिला न्यायाधीश थे और उन्हें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.